@Qpatrika @qaumipatrika hindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 28 अगस्त 2024

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 292 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

औरंगजेब ने भी शिवाजी महाराज का इतना अपमान नहीं किया: संजय राउत

मुंबई, 27 अगस्त। सिंधुदुर्ग जिले में शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने का मामला लगातार गरमाता जा रहा है। अब शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से इस्तीफा देने की मांग की है। संजय राउत ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण में कथित घोटाले का आरोप

लगाया है। राउत ने ये भी कहा कि औरंगजेब और मुगलों ने भी शिवाजी महाराज का इतना अपमान नहीं किया था। पिछले साल नौसेना दिवस (4 दिसंबर) पर सिंधुदुर्ग के मालवन तहसील में राजकोट किले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज की 35 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया था। सोमवार दोपहर को यह प्रतिमा ढह गई। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने मराठा साम्राज्य के संस्थापक की मूर्ति ढहने के लिए पीएम मोदी, सीएम शिंदे और उपमुख्यमंत्रियों देवेंद्र फडणवीस और अजीत पवार को जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि इसे राजनीतिक इरादों से स्थापित किया गया था। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा, महाराष्ट्र के लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए मुख्यमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री रवींद्र चव्हाण को बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने शिवाजी महाराज को भी नहीं बख्शा और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रतिमा बनाने का ठेका मुख्यमंत्री के करीबी लोगों को दिया गया था। राउत ने इसे गंभीर मुद्दा बताया और कहा कि महा विकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन इस पर गंभीरता से विचार कर रहा है।

बंगाल बंद के आह्वान पर ममता की दो टूक

सिम्मी कौर बब्बर

कोलकाता, 27 अगस्त। ममता बनर्जी सरकार ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की तरफ से बुधवार को बुलाए गए बंद को लेकर राज्य में सामान्य हालात बनाए रखने की बात कही है। बंगा सरकार ने लोगों से भाजपा की 12 घंटे की आम हड़ताल में भाग नहीं लेने का आग्रह किया और कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो। भाजपा ने मंगलवार को यहां राज्य सचिवालय तक मार्च में भाग लेने वाले लोगों पर पुलिस कार्रवाई के खिलाफ पश्चिम बंगाल में बुधवार को सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक आम हड़ताल का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय ने कहा, ''सरकार बुधवार को किसी बंद की अनुमति नहीं देगी। हम लोगों से अपील करते हैं कि इसमें भाग न लें। सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो, इसके लिए सरकार सभी कदम उठाएगी।'' उन्होंने कहा कि परिवहन सेवाएं हमेशा की तरह संचालित होंगी और दुकानों, बाजारों और अन्य व्यापारिक प्रतिष्ठानों से खुले रहने को कहा गया है। बंदोपाध्याय ने राज्य सरकार के कर्मचारियों से भी दफ्तर आने को कहा। गौरतलब है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक महिला डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या की घटना के विरोध में मुख्यमंत्री के इस्तीफे की मांग के साथ मंगलवार को नबन्ना (राज्य सचिवालय) पहुंचने का प्रयास कर रहे प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस ने लाठियों, आंसू गैस और पानी की बौछार का इस्तेमाल किया। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दरिंदगी से दुष्कर्म और फिर उसकी निर्मम तरीके से हत्या करने के मामले में छात्र संगठन नबन्ना अभियान मार्च निकाल

रहे हैं। इस प्रदर्शन को लेकर कोलकाता में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। पश्चिम बंगाल- कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले पर प्रदेश में छात्रों के आंदोलन पर भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, साफ है कि ममता बनर्जी डरी हुई हैं और वे पुलिस व प्रशासन का इस्तेमाल करके इस छात्र आंदोलन को बंद करना चाहती हैं। अगर वे नहीं डरतीं तो लाठी चार्ज, टियर गैस, आदि का इस्तेमाल नहीं करवाती, यह अन्याय नहीं चलेगा। ममता बनर्जी को जिस जनता ने सिंहासन पर बैठाया है और आज वे उसका ही अपमान कर रही हैं? कोलकाता, पश्चिम बंगाल- आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले पर प्रदेश में छात्रों के आंदोलन पर भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, साफ है कि ममता बनर्जी डरी हुई हैं आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार और हत्या मामले को लेकर भाजपा की तरफ से कल पश्चिम बंगाल में बंद का आह्वान करने पर झस्ष्ट नेता कुणाल घोष ने कहा कि जांच ष्टब्क्ख के हाथ में है, मामला सुप्रीम कोर्ट के अंदर है लेकिन कोलकाता में विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है, पुलिस ने गोली नहीं चलाई। पुलिस की तरफ से भीड़ को हटाने के लिए कम से कम कार्रवाई की गई है। बलात्कार और हत्या बहुत बड़ा अपराध है। लेकिन यही स्थिति पूरे देश की है हालांकि कहीं भी किसी कांग्रेस या भाजपा नेता ने इस्तीफा नहीं दिया। उन्होंने(भाजपा) कल भारत बंद का आह्वान किया है जो पूरी तरह से फ्लॉप होगा। पश्चिम बंगाल- आरजी कर कॉलेज और अस्पताल की डॉक्टर से बलात्कार और हत्या के मुख्य आरोपी संजय रॉय के करीबी सहयोगी कोलकाता पुलिस के एएसआई अनूप दत्ता को कोलकाता के सियालदह कोर्ट से सीबीआई कार्यालय लाया गया। सीबीआई सूत्र के मुताबिक कोलकाता में महिला डॉक्टर के बलात्कार और हत्या मामले में एएसआई रैंक के पुलिस अधिकारी अनूप दत्ता का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने की अनुमति सीबीआई को मिल गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से की बात, यूक्रेन की हालिया यात्रा पर हुई चर्चा

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 27 अगस्त। यूक्रेन दौरे से लौटने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन दिनों वैश्विक देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से बात कर रहे हैं। मंगलवार को पीएम मोदी ने रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से बात की। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को लेकर अपनी बात रखी। साथ ही पुतिन की प्रतिक्रिया जानी। इस दौरान पीएम ने पुतिन को यूक्रेन यात्रा की भी जानकारी दी। पीएम मोदी ने ट्वीट किया कि उन्होंने रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन से भारत-रूस की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। रूस-यूक्रेन संघर्ष और यूक्रेन की हालिया यात्रा को लेकर बात की। उन्होंने संघर्ष के शीघ्र, स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए भारत

की प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस के राष्ट्रपति पुतिन से वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22वें भारत-रूस द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए पिछले महीने रूस की अपनी सफल यात्रा को याद किया। दोनों नेताओं ने कई द्विपक्षीय मुद्दों पर प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने आपसी हित के कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेता संपर्क में बने रहने पर सहमत हुए। वहीं सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से फोन पर बात की थी। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर इस बातचीत के बारे में बताया था। पीएम ने कहा था कि उनके और बाइडन के बीच कई क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीज से भी बात की। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, पीएम मोदी और प्रधानमंत्री अल्बनीज ने द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति और बहुराष्ट्रीय मंचों पर सहयोग के लेकर बात की। इससे पहले पीएम मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन में थे।

आजाद समाज पार्टी के साथ चुनाव लड़ेगी जजपा

चंडीगढ़, 27 अगस्त। हरियाणा में जननायक जनता पार्टी और आजाद समाज पार्टी मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ेंगी। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने एलान किया कि दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन हो गया है। 70 सीटों पर जननायक जनता पार्टी और 20 सीटों पर आजाद समाज पार्टी उम्मीदवार उतारेगी। इस चुनाव से पहले हरियाणा में जजपा के एमएलए लगातार पार्टी छोड़ रहे हैं। अब तक छह विधायक पार्टी छोड़ चुके हैं। वहीं रामकुमार गौतम शुरू से ही पार्टी के विरोध में बोलते रहे हैं, वो भी पार्टी छोड़ सकते हैं। जननायक जनता पार्टी ने 2019 में दस सीट जीती थी और पूर्ण बहुमत से दूर रही भाजपा को समर्थन देकर प्रदेश की सरकार में साझेदार बनी थी। इनेलो से अलग होकर बनी नई पार्टी जजपा का किसान वर्ग से कोर वोटर था।

सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की पुरानी रणनीति का सहारा ले रही भाजपा: हेमंत सोरेन

दुमका (झारखंड), 27 अगस्त। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि वह फिर से अपने पुराने तरीके अपनाकर सत्तारूढ़ दलों के विधायकों को तोड़ने की कोशिश कर रही है। सोरेन की ओर से यह बयान तब सामने आया है, जब झामुमो के विधायक और पूर्व मुख्यमंत्री ने दिल्ली में एलान किया है कि वह भाजपा में शामिल होंगे। हेमंत सोरेन ने कहा कि विपक्षी पार्टी ने फिर से सरकार तोड़ो अभियान और विधायक तोड़ो अभियान शुरू कर दिया है, जैसा कि उसने लोकसभा चुनावों के दौरान भी किया था। दुमका जिले में एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें (भाजपा) झारखंड के आगामी विधानसभा चुनावों में लोगों से करारा जवाब मिलना तय है, जैसा कि लोकसभा चुनावों में मिला था। इससे पहले दोपहर में चंपई सोरेन ने राष्ट्रीय राजधानी में पत्रकारों से कहा कि वह अपने बेटे के साथ 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके नेता धर्म और समुदाय के नाम पर बांटने की राजनीति में शामिल है। भाजपा के मिला क्या (क्या मिला?) अभियान की आलोचना करते हुए सोरेन ने कहा कि भाजपा को उनकी सरकार द्वारा गरीबों और पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिए शुरू की गई योजनाओं की संख्या हजम नहीं हुई। झारखंड भाजपा ने रविवार को अभियान शुरू किया था। हेमंत सोरेन ने कहा, विपक्ष हमसे नौकरी के बारे में सवाल करता है।

मल्लिकार्जुन खरगे को भूमि आवंटन पर भाजपा ने कर्नाटक सरकार को घेरा

सौरभ शर्मा

बंगलूरू, 27 अगस्त। मुदा घोटाले के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार को भूमि आवंटन करने पर भाजपा ने एक बार फिर कर्नाटक सरकार को घेरा है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से मामले को लेकर सात सवाल पूछे हैं। वहीं कांग्रेस ने इसका पलटवार किया है। शहजाद पूनावाला ने एक्स पर पोस्ट किया कि कर्नाटक में नया खरगे भूमि घोटाला हुआ है। मल्लिकार्जुन खरगे के परिवार के एक ट्रस्ट को कर्नाटक औद्योगिक विकास बोर्ड ने पांच एकड़ जमीन बंगलूरू के हाईटेक डिफेंस एयरोस्पेस पार्क में दी गई है। जबकि यह जमीन एससी कोटा के तहत नागरिक सुविधाओं के लिए आरक्षित थी। इस ट्रस्ट के ट्रस्टियों में मल्लिकार्जुन खरगे, उनकी पत्नी राधाबाई खरगे, दामाद और गुलबर्गा से सांसद राधाकृष्ण और बेटे, कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे और राहुल खरगे शामिल हैं। शहजाद पूनावाला ने कर्नाटक सरकार से सात सवाल पूछे। उन्होंने कहा कि क्या यह सत्ता के दुरुपयोग और भाई-भतीजावाद ओर हितों के टकराव का मामला है? मार्च 2024 में उद्योग मंत्री ने इस आवंटन पर सहमति कैसे दी? खरगे परिवार एयरोस्पेस उद्यमी कब बन गया और भूमि के लिए कब पात्र हुआ? क्या यह एससी

उद्यमियों और युवाओं के साथ अन्याय नहीं है, क्या उन्हें इसका लाभ नहीं मिलना चाहिए था? मुदा घोटाले के बाद एक और खटाखट लूट, क्या यह सत्ता का दुरुपयोग नहीं है? क्या राहुल गांधी, जो खुद राष्ट्रीय राजमार्ग घोटाले के आरोपी हैं, वह इस पर कुछ बोलेंगे या पहले की तरह चुप रहेंगे? क्या यह पूरा खुलासा कांग्रेस के एक गुट ने किया है? भाजपा नेता अमित मालवीय ने भी इसे लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने लिखा कि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बाद अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और उनका परिवार एक भूमि घोटाले में उलझा हुआ है। उन्होंने पूछा कि क्या खरगे भी सिद्धारमैया की तरह भूमि छोड़ देंगे। इस आवंटन की जांच की जाएगी? दरअसल दो दिन पहले भाजपा नेता लहर सिंह सिरोया ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में खरगे के परिवार को भूमि आवंटन करने पर सवाल उठाया था। मामले को लेकर भाजपा नेता गौरव भाटिया ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए। क्योंकि वह एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष हैं और उनकी नैतिक जिम्मेदारी है। उनके परिवार पर घोटाले का आरोप लगा है। वहीं प्रियांक खरगे को मंत्री पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने भी अपने पद का दुरुपयोग किया है। सीएम सिद्धारमैया को भी इस्तीफा दे देना चाहिए।

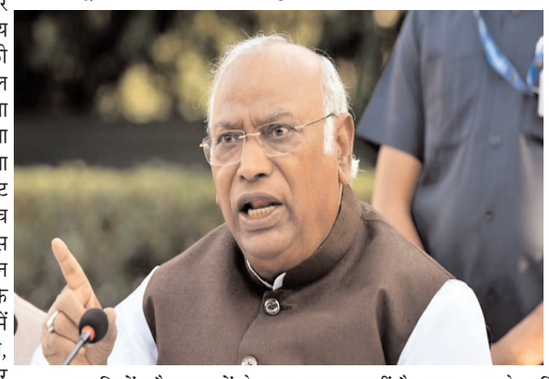

शराब नीति घोटाले में के. कविता को मिली ज़मानत

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 27 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली शराब नीति घोटाले में बीआरएस नेता के कविता को जमानत दी। जमानत का आदेश देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई और ईडी को भी फटकार लगाई और उनकी जांच के तरीके पर सवाल उठाए। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर की बेटी और बीआरएस से एमएलसी के कविता 15 मार्च से पुलिस हिरासत में हैं। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के उस आदेश को खारिज कर दिया जिसमें हाईकोर्ट ने के. कविता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने के. कविता को दोनों मामलों में 10-10 लाख रुपये का जमानत बांड भरने, गवाहों से छेड़छाड़ न करने और गवाहों को प्रभावित न करने की शर्त पर जमानत देने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति बीआर गवई, केवी विश्वनाथन की पीठ ने सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जांच एजेंसियों ईडी और सीबीआई से पूछा कि उनके पास के कविता के कथित घोटाले में शामिल होने के क्या सबूत हैं और जो सबूत हैं वो अदालत को दिखाएं। के. कविता की तरफ से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी

सुनवाई में शामिल हुए। मुकुल रोहतगी ने अपने मुवक्किल को जमानत देने की अपील करते हुए कहा कि इस मामले में सह-आरोपी आप नेता मनीष सिसोदिया को पहले ही जमानत मिल चुकी है। साथ ही सीबीआई और ईडी अपनी जांच भी पूरी कर चुकी हैं। जांच एजेंसियों की तरफ से सुनवाई में शामिल हुए एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने दावा किया कि कविता ने अपने मोबाइल फोन से छेड़छाड़ की और उसे फॉर्मेट किया। यह सबूतों से छेड़छाड़ की कोशिश है। हालांकि रोहतगी ने इन आरोपों को बेकार बताकर खारिज कर दिया। के कविता ने दिल्ली हाईकोर्ट में भी जमानत की अर्जी लगाई थी, लेकिन हाईकोर्ट ने कविता की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि प्रथम दृष्टया के कविता दिल्ली शराब नीति के कथित घोटाले में मुख्य साजिशकर्ता दिख रही हैं। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ के कविता ने सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। ईडी ने कविता को 15 मार्च को उनके हैदराबाद के बंजारा हिल्स इलाके में स्थित घर से गिरफ्तार किया था। कविता पर दिल्ली शराब नीति घोटाले में शामिल होने का आरोप है। हालांकि कविता अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करती रही हैं।

डीएनए और फॉरेंसिक रिपोर्ट पर एम्स विशेषज्ञों की राय लेगी सीबीआई

नई दिल्ली, 27 अगस्त। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के महिला डॉक्टर दुष्कर्म और हत्या से जुड़ी डीएनए और फोरेंसिक रिपोर्ट को लेकर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के विशेषज्ञों की सलाह लेगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार इन रिपोर्ट से एजेंसी को यह पता लगाने में भी मदद मिलेगी कि क्या संजय रॉय इकलौता आरोपी था जिसने अपराध किया या अन्य लोग भी इसमें शामिल थे। उन्होंने कहा कि एजेंसी ने अब तक जिन सुरागों पर काम किया है उनके अनुसार अपराध में केवल रॉय शामिल था लेकिन एम्स के विशेषज्ञों की राय मिलने के बाद ही अन्य लोगों के शामिल होने या नहीं होने की बात स्पष्ट होगी। महिला डॉक्टर का शव मेडिकल कॉलेज के सेमिनार हॉल में मिला था। जिसके बाद राज्यभर में विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। उनके शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे। कोलकाता पुलिस ने 10 अगस्त को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रॉय को गिरफ्तार किया था। उसे नौ अगस्त की सुबह 4.03 बजे सेमिनार हॉल में जाते देखा गया था। जिस दौरान उसने कथित तौर पर अपराध किया। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रॉय से लंबी पूछताछ की गई। पुलिस ने उसके बाएं गाल पर 'हाल की चोटों', बाएं हाथ में दो उंगलियों के बीच खरोंच, बाएं जांघ के पीछे खरोंच आदि को भी देखा, जो संघर्ष का संकेत दे रहे थे।अधिकारियों ने कहा कि आरोपी के वीर्य, बाल, नाखून आदि के नमूने जुटाए गए। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 13 अगस्त को जांच कोलकाता पुलिस से सीबीआई को हस्तांतरित करने का आदेश दिया था।

चंपई सोरेन ने किया भाजपा में शामिल होने का एलान

नरेश मल्होत्रा

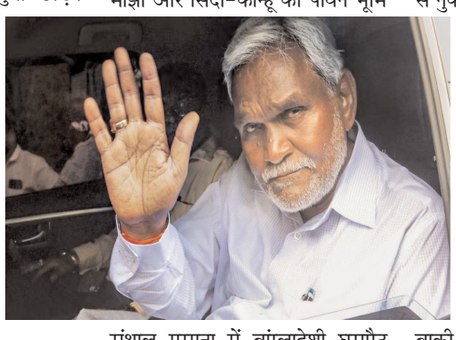

रांची, 27 अगस्त। झारखंड में चुनाव के एलान से पहले मची सियासी उथल-पुथल के बीच चंपई सोरेन ने आधिकारिक तौर पर झामुमो छोड़ने और भाजपा में शामिल होने का एलान कर दिया। एक्स पर एक पोस्ट में चंपई ने कहा कि उनके पास पार्टी में ऐसा कोई मंच नहीं बचा था, जहां वे अपनी पीड़ा खुलकर व्यक्त कर पाते। अपने पोस्ट में चंपई ने भाजपा को आदिवासी हितों के लिए काम करने वाली इकलौती पार्टी भी करार दिया। चंपई सोरेन ने कहा, पिछले हफ्ते (18 अगस्त) एक पत्र द्वारा झारखंड समेत पूरे देश की जनता के सामने अपनी बात रखी थी। उसके बाद, मैं लगातार झारखंड की जनता से मिल कर, उनकी राय जानने का प्रयास करता रहा। कोल्हान क्षेत्र की जनता हर कदम पर मेरे साथ खड़ी रही, और उन्होंने ही संन्यास लेने का विकल्प नकार दिया। उन्होंने आगे कहा, पार्टी में कोई ऐसा फोरम/मंच नहीं था, जहां मैं अपनी पीड़ा को व्यक्त कर पाता तथा मुझ से सीनियर नेता स्वास्थ्य कारणों से राजनीति से दूर हैं। आज बाबा तिलका मांझी और सिदो-कान्हू की पावन भूमि

संथाल परगना में बांग्लादेशी घुसपैठ बहुत बड़ी समस्या बन चुका है। इस से दुर्भाग्यपूर्ण क्या हो सकता है कि जिन वीरों ने जल, जंगल व जमीन की लड़ाई में कभी विदेशी अंग्रेजों की गुलामी स्वीकार नहीं की, आज उनके वंशजों की जमीनों पर ये घुसपैठिए कब्जा कर रहे हैं। इनकी वजह से फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं को अपना आदर्श मानने वाली हमारी माताओं, बहनों व बेटियों की अस्मत खतरे में है। आदिवासियों एवं मूलवासियों को आर्थिक तथा सामाजिक तौर पर तेजी से नुकसान पहुंचा रहे इन घुसपैठियों को अगर रोका नहीं गया, तो संथाल परगना में हमारे समाज का अस्तित्व संकट में आ जायेगा। पाकुड़, राजमहल समेत कई अन्य क्षेत्रों में उनकी संख्या आदिवासियों से ज्यादा हो गई है। राजनीति से इतर, हमें इस मुद्दे को एक सामाजिक आंदोलन बनाना होगा, तभी आदिवासियों का अस्तित्व बच पाएगा। चंपई सोरेन ने आगे कहा, इस मुद्दे पर सिर्फ भाजपा ही गंभीर दिखती है और बाकी पार्टियां वोटों की खातिर इसे नजरअंदाज कर रही है। इसलिए आदिवासी अस्मिता एवं अस्तित्व को बचाने के इस संघर्ष में, मैने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में आस्था जताते हुए भारतीय जनता पार्टी से जुड़ने का फैसला लिया है।

न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशें लागू न होने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, 27 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशें लागू ने होने पर राज्यों को मुख्य सचिव और वित्त सचिवों को तलब कर लिया है। हालांकि कई राज्यों ने न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों का पालन कर लिया है, जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने उन राज्यों के खिलाफ कार्रवाई पर रोक लगा दी है। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, मेघालय और हिमाचल प्रदेश ने न्यायिक आयोग की सिफारिशों के तहत न्यायिक अधिकारियों के लिए भत्ते आदि का एलान कर दिया है। जिन राज्यों ने सिफारिशों को मान लिया है, उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई नहीं होगी। सिफारिशों के अनुपालन को लेकर राज्यों ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर किए हैं। इन हलफनामों पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस लेते हुए कहा कि मुख्य और वित्त सचिवों को अब अदालत में पेश होने की जरूरत नहीं है। कोर्ट ने कहा कि हमें भी वित्त और मुख्य सचिवों को बुलाने में कोई आनंद नहीं आ रहा है, लेकिन राज्यों को वकील लगातार सुनवाई से दूर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आम आदमी पार्टी के पूर्व संचार प्रभारी विजय नायर की जमानत याचिका पर सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले को स्थगित कर दिया, क्योंकि ईडी के वकील ने जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए एक सप्ताह का समय मांगा था। शीर्ष अदालत ने नायर की याचिका पर 12 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को नोटिस जारी किया था। पीठ ने इस दौरान ये भी कहा था कि नायर दो साल से

हिरासत में हैं। इससे पहले, पिछले साल 3 जुलाई को, उच्च न्यायालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नायर और अन्य सह-आरोपियों को जमानत देने से इनकार कर दिया था। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि नायर ने हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली के विभिन्न होटलों में कुछ अन्य सह-आरोपियों, शराब निर्माताओं और वितरकों से मुलाकात की, ताकि हवाला ऑपरेटरों के माध्यम से अवैध धन की व्यवस्था की जा सके, जिसे आप को रिश्वत के रूप में दिया गया था। पश्चिम बंगाल सरकार ने ओबीसी दर्जे के मामले में वादियों को जवाब देने के लिए सुप्रीम कोर्ट से कुछ समय मांगा है। दरअसल बंगाल सरकार के सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश में आरक्षण देने के राज्य सरकार के फैसले को हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया था। सरकार ने ओबीसी वर्ग में जिन जातियों को आरक्षण की सीमा में शामिल किया था, उनमें अधिकतर मुस्लिम समूह थे। इस मुद्दे पर अन्य याचिकाओं के साथ राज्य सरकार की अपील पर मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई होनी थी। राज्य सरकार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ से कहा कि मामले में दूसरे पक्ष द्वारा भारी मात्रा में दस्तावेज दाखिल किए गए हैं और उन्हें उनका जवाब देने के लिए समय चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने समय देते हुए मामले पर सुनवाई को 2 सितंबर तक टाल दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी संजीव भट्ट की 1990 के पुलिस हिरासत में मौत के मामले में उनकी दोषसिद्धि के खिलाफ याचिका पर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। हिरासत में मौत के मामले में संजीव भट्ट को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी।

बांग्लादेश में बाढ़ से 23 लोगों की मौत, करीब 60 लाख लोग प्रभावित

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश के कई हिस्सों में आई बाढ़ से 23 लोगों की मौत हो गई है। इस भयानक आपदा में लगभग 60 लाख लोग प्रभावित हुए हैं और लाखों परिवार विस्थापित हो गए। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, आपदा प्रबंधन एवं राहत मंत्रालय के तहत देश के राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया समन्वय केंद्र (एनडीआरसीसी) की दैनिक आपदा स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, तक देश के कुल 64 जिलों में से 11 में बाढ़ के कारण 57,01,204 लोग प्रभावित हुए।

बांग्लादेश की मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बाढ़ से 23 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 11 जिलों में 12,38,048 परिवार फंसे हुए हैं। दो लोग लापता भी बताए गए हैं। टीवी रिपोर्ट्स से पता चला है कि बांग्लादेश के कई हिस्सों में पिछले हफ्ते से ही मुख्य नदियों के उफान पर होने के कारण जमीन के बड़े हिस्से पानी में डूबे हुए हैं। बाढ़ ने कथित तौर पर देश के बड़े हिस्से में बस्तियों, फसलों, सड़कों और राजमार्गों को भी व्यापक नुकसान पहुंचाया है।

आइसलैंड में बर्फ की गुफा ढहने से एक की मौत, दो लापता

हेलसिंकी। दक्षिण-पूर्वी आइसलैंड के वत्नाजोकुल राष्ट्रीय उद्यान में बर्फ की गुफा ढहने से एक पर्यटक की मौत हो गई और अन्य दो लापता हैं। आइसलैंड की रेडियो आरयूवी के अनुसार, यह बर्फ की दीवार उस समय ढही जब 25 लोगों का एक समूह गुफा में घूमने गया था। इसमें चार लोग पीछे रह गए और बर्फ में दब गए। बचाव दल उनमें से दो को बचाने में सफल रहा, जिनमें से एक की मौत हो गई। बचाए गए दूसरे व्यक्ति की हालत अभी स्थिर है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।आरयूवी ने बताया, 'बर्फ के नीचे फंसे दो अन्य व्यक्तियों की तलाश असुरक्षित स्थिति के चलते अभी रोक दी गई है। गुफा में लापता दो लोगों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, उनके बारे में यह भी जानकारी नहीं है कि वे जीवित हैं या नहीं।' समाचार एजेंसी ने बताया कि यह घटना आइसलैंड की राजधानी रेक्जाविक से लगभग 280 किमी पूर्व में स्थित राष्ट्रीय उद्यान के दक्षिणी भाग में एक आउटलेट ग्लेशियर ब्रेडामेरकुरजोकुल में हुई है।वत्नाजोकुल राष्ट्रीय उद्यान देश का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है, जो अपने विशाल ग्लेशियरों, बर्फ की गुफाओं और विविध परिदृश्यों के लिए प्रसिद्ध है।

ईरानी, कतर के विदेश मंत्रियों ने संबंधों, गाजा की स्थिति पर चर्चा की

तेहरान। ईरान के विदेश मंत्री सैय्यद अब्बास अरागची और उनके कतरके समकक्ष शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान अल थानी ने सोमवार को द्विपक्षीय संबंधों और गाजा की स्थिति पर चर्चा की। ईरानी विदेश मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार के लिए संयुक्त प्रयासों की समीक्षा की और पहले से हस्ताक्षरित समझौतों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाने और तेज करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि उन्होंने गाजा में इजरायली अपराधों के घटनाक्रम पर भी चर्चा की। यह देखते हुए कि इजरायली दृष्टिकोण ने क्षेत्र में तनाव बढ़ाया और संघर्ष का विस्तार किया, अरागची ने हमास द्वारा स्वीकार किए जाने वाले किसी भी युद्धविराम समझौते के लिए ईरान के समर्थन की बात की। यह देखते हुए कि इजरायली दृष्टिकोण ने 'क्षेत्र में तनाव बढ़ाया और संघर्ष का विस्तार किया,' अराघची ने हमास द्वारा स्वीकार किए जाने वाले किसी भी युद्धविराम समझौते के लिए ईरान के समर्थन की आवाज उठाई।

बांदा सागर में 6.0 तीव्रता का भूकंप

हांगकांग। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने कहा कि मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय समयानुसार 02:15:15 बजे बांदा सागर में

6.0 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप का केंद्र, 10.0 किमी की गहराई के साथ, शुरू में 7.46 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 129.63 डिग्री पूर्वी देशांतर पर निर्धारित किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, किसी के हताहत होने या जानमाल का नुकसान होने की सूचना नहीं है।

नेपाल के विराटनगर की रथयात्रा में भारत के लाखों श्रद्धालु सहभागी

एजेंसी

काठमांडू। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर हर वर्ष की तरह इस बार भी विराटनगर में राधाकृष्ण का भव्य रथ यात्रा निकाली जा रही है। नेपाल की सबसे बड़ी कही जाने वाली राधाकृष्ण रथयात्रा में नेपाल और भारत के लाखों श्रद्धालु सहभागी होते हैं। रथ यात्रा में भाग लेने के लिए भारत के बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर राजस्थान और गुजरात तक से विभिन्न हिस्सों से भक्त विराटनगर में एकत्रित हो रहे हैं। कोशी प्रदेश सरकार ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन होने वाली रथ यात्रा के लिए पूरे प्रदेश में सार्वजनिक अवकाश दिया है।

विराटनगर में विक्रम संवत 1988 से खाट यात्रा के रूप में शुरू हुई यह रथयात्रा विक्रम संवत् 2025 से राधाकृष्ण रथयात्रा के रूप में प्रारम्भ की गई थी। यह खाट का 93वां संस्करण है और राधाकृष्ण रथ यात्रा का 56वां संस्करण है। राधा-कृष्ण के जोड़े के साथ रथ विराटनगर

स्थित राधाकृष्ण मंदिर से प्रस्थान करेगा। रथयात्रा बाजार क्षेत्र में 9 किलोमीटर की यात्रा तय करेगी।

राधाकृष्ण मंदिर परिसर से निकाली जाने वाली रथ यात्रा तीनपैनी, मेन रोड, ट्रैफिक चौक, रोड शेष चौक, महेंद्र चौक, धरान रोड, बरगाछी होते हुए मंदिर परिसर में पहुंच कर समाप्त होगी। पुलिस ने राधाकृष्ण रथ यात्रा को लक्षित करते हुए उच्च सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। राधाकृष्ण रथ यात्रा को देखने के लिए पूरे नेपाल सहित पड़ोसी भारत के विभिन्न हिस्सों से आज पांच लाख से अधिक भक्तों के सहभागी होने की उम्मीद जताई गई है।

रथ यात्रा को भव्य, सुरक्षित और गरिमापूर्ण बनाने के लिए बड़ी संख्या में नेपाल पुलिस और सशस्त्र पुलिस को तैनात किया गया है। मोरंग पुलिस के प्रवक्ता डीएसपी ज्ञानेंद्र बहादुर बस्नेत ने कहा कि सादे कपड़ों में और हथियारों के साथ सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया है। रथयात्रा को लेकर पुलिस ने करीब एक महीने पहले ही सुरक्षा तैयारियां शुरू कर दी थी। यात्रा के दौरान होने वाली चोरी, पॉकेटमारी और डकैती पर फोकस कर पुलिस की सक्रियता बढ़ा दी गई है। डीएसपी बसनेत के मुताबिक पिछले दिनों अवांछित गतिविधियां करने वाले कुछ संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है। विराटनगर की रथयात्रा मनाने के बाद अब कोशी क्षेत्र के विभिन्न शहरों में भी राधा-कृष्ण रथयात्रा निकाली जा रही है। बिराटनगर के अलावा इटहरी दुहबी बिराट चौक जैसे शहरों में भी आज रथ यात्रा शुरू की गई है।

टेक्सास की अदालत ने बाइडेन प्रशासन को दिया झटका

एजेंसी

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका में टेक्सास के एक संघीय न्यायाधीश ने सोमवार को राष्ट्रपति जो बाइडेन प्रशासन को झटका देते हुए उसके अहम सामाजिक कार्यक्रम पर अस्थायी रूप से रोक लगा दी। यह कार्यक्रम संयुक्त राज्य अमेरिका में रह रहे अमेरिकियों से विवाहित गैर-दस्तावेजी लोगों के लिए

वैधीकरण को आसान बनाता था। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। टेक्सास के पूर्वी जिले के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय के न्यायाधीश जे. कैंपबेल बार्कर ने बाइडेन प्रशासन पर मुकदमा करने वाले 16 रिपब्लिकन के नेतृत्व वाले राज्यों के पक्ष में फैसला सुनाया है। इस फैसले से फिलहाल अमेरिकी नागरिकों के गैर-दस्तावेजी जीवनसाथियों को कानूनी दर्जा देने के संघीय कार्यक्रम पर रोक लग गई है। न्यायाधीश जे. कैंपबेल बार्कर ने एक प्रशासनिक स्थगन जारी किया है। अब प्रशासन ऐसे आवेदनों को मंजूरी प्रदान नहीं कर सकता। उल्लेखनीय है कि न्यायाधीश बार्कर की नियुक्ति पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप ने की थी।

बांग्लादेश में पूर्व मंत्री की टायर फैक्टरी में लगाई गई आग 32 घंटे बाद बुझी,174 लोग लापता, अब इमारत गिरने का खतरा

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में अवामी लीग के एक नेता की गाजी ऑटो टायर फैक्टरी में लगाई गई आग 32 घंटे बाद सुबह बुझ तो गई पर अब उसके गिरने का खतरा मंडरा रहा है। दो दिन पहले गिरफ्तार किए जा चुके अवामी लीग के पूर्व मंत्री गोलाम दस्तगीर गाजी की यह फैक्टरी नारायणगंज के रूपगंज में है।

ढाका से छपने वाले द डेली स्टार अखबार के अनुसार, अग्निशमन सेवा कर्मियों ने कहा है कि फैक्टरी में लगी आग लगभग 32 घंटे बाद आज सुबह 5:00 बजे पूरी तरह से बुझा ली गई। अग्निशमन सेवा और नागरिक सुरक्षा के सहायक निदेशक अनवारुल हक ने कहा कि इमारत की स्थित बेहद नाजुक है। उसके गिरने का खतरा है। उन्होंने चेतावनी भी दी कि संरचना के अंदर बची हुई गर्मी के कारण आग दोबारा भड़कने का खतरा भी बरकरार है।

अनवारुल हक ने कहा कि लंबे प्रयास के बाद हम फिलहाल आग को कम करने में कामयाब रहे, लेकिन इमारत के अंदर अभी भी काफी गर्मी है। टर्नटेबल लैडर (टीटीएल) का उपयोग करके की गई तलाशी के बाद छत पर कोई हताहत नहीं पाया गया। अग्निशमन सेवा निदेशक लेफ्टिनेंट

कर्नल रेजाउल करीम ने कहा है कि आग पर कल शाम लगभग 7:05 बजे नियंत्रण पा लिया गया था। दे डेली स्टार के अनुसार, आग बुझते ही लापता लोगों के रिश्तेदार फैक्टरी के सामने एकत्र हो गए। वे उत्सुकता से अपने प्रियजनों की सलामती की खबर का इंतजार कर रहे थे। सनद रहे पूर्व मंत्री गोलाम दस्तगीर गाजी की गिरफ्तारी के कुछ घंटों बाद अपराधियों ने रविवार रात करीब 9:00 बजे उनकी फैक्टरी में आग लगा दी थी। फैक्टरी के अधिकारियों ने दावा किया कि रविवार दोपहर दो समूहों में सैकड़ों लोगों ने ढाका-सिलहट राजमार्ग के किनारे रूपशी इलाके में छह मंजिला इमारत पर धावा बोला और तोड़फोड़ करने के साथ लूटपाट की। गाजी टायर्स के सहायक महाप्रबंधक सैफुल इस्लाम ने कहा है कि अपराधियों ने रात करीब नौ बजे भूतल पर आग लगाई। अग्निशमन सेवा निदेशक लेफ्टिनेंट कर्नल रेजाउल करीम ने कहा है कि कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि फैक्टरी में उनके रिश्तेदार अंदर थे। आग लगने के बाद वह निकल नहीं पाए। उन्होंने कहा कि हम लापता लोगों के नाम पते नोट कर रहे हैं। अब तक हमारे पास ऐसे 174 नाम हैं।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख गुटेरेस ने पाकिस्तान में आतंकी हमलों की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र । पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में सोमवार को हुए आतंकी हमलों में 70 से अधिक लोग मारे गए हैं। इस घटना की संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 26 अगस्त को हुए आतंकी हमलों की निंदा की है।'

समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा कि महासचिव ने इस बात पर जोर दिया है कि बेकसूर नागरिकों पर हमला स्वीकार नहीं किया जा सकता। दुजारिक ने कहा, 'संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और पाकिस्तान सरकार से इस मामले में जांच करने का आह्वान किया। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से यह भी सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि इस घटना में शामिल लोगों की जवाबदेही तय हो।

स्थानीय मीडिया ने सेना और पुलिस अधिकारियों के हवाले से बताया कि दक्षिण-पश्चिमी पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हुए आतंकवादी हमलों में 70 से

अधिक लोग मारे गए हैं।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान की सेना ने कहा कि लासबेला जिले के एक शहर बेला में एक प्रमुख राजमार्ग पर वाहनों को निशाना बनाकर किए गए एक बड़े हमले में 14 सैनिक और पुलिस के साथ-साथ 21 आतंकवादी मारे गए।

स्थानीय अधिकारियों ने कहा, मुसाखेल जिले में हमलावरों ने कथित तौर पर उनके काफिले को रोका और इसके बाद उनकी आईडी की जांच की। इस दौरान उन्होंने 35 वाहनों को आग लगा दी और पंजाब से ताल्लुक रखने वाले 23 नागरिकों को मार दिया।

रेलवे अधिकारी मुहम्मद काशिफ ने बताया कि बोलन शहर में एक रेल पुल पर विस्फोट के बाद क्वेटा रेल यातायात निलंबित कर दिया गया। यह रेल मार्ग क्वेटा को पाकिस्तान के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। साथ ही पड़ोसी ईरान के साथ रेल लिंक भी है। रेलवे पुल पर हमले वाली जगह के पास अब तक पुलिस को छह अज्ञात शव मिले हैं। वहीं, पाकिस्तान के गृह मंत्रालय ने कहा कि मारे गए लोग निर्दोष नागरिक थे। घायलों को डेरा गाजी खान के एक अस्पताल में ले जाया गया, जो वहां का सबसे नजदीकी अस्पताल है।

इस बीच राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने इन हमलों को बर्बर बताया और कहा कि हमलावर बच नहीं पाएंगे।

कतर और कुवैत ने एलएनजी आपूर्ति सौदे पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

दोहा। कतर एनर्जी और कुवैत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (केपीसी) ने 15 साल के तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की बिक्री और खरीद समझौते पर हस्ताक्षर किए। कुवैत में सोमवार को हस्ताक्षरित यह सौदा जनवरी 2025 से प्रभावी होगा। गल्फ टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, कतर एनर्जी कुवैत को प्रति वर्ष तीन मिलियन टन एलएनजी की आपूर्ति करेगी। एसपीए की शर्तों के अनुसार, अनुबंधित एलएनजी जनवरी से कतर एनर्जी के पारंपरिक, क्यू-फ्लेक्स और क्यू-मैक्स एलएनजी जहाजों पर कुवैत के अल-जौर एलएनजी टर्मिनल पर जहाज के

माध्यम से वितरित की जाएगी। यह समझौता कुवैत शहर में आयोजित एक विशेष समारोह में हुआ। इस मौके पर ऊर्जा मामलों के राज्यमंत्री और कतर एनर्जी के अध्यक्ष साद शेरिदा अल-काबी और केपीसी के अध्यक्ष शेख नवाफ सऊद अल-नासिर अल-सबा मौजूद रहे। दोनों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए।

मंत्री आल-काबी ने कहा कि दोनों देशों के बीच नई दीर्घकालिक साझेदारी से खुशी हो रही है। यह कदम हमारे सभी ग्राहकों की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि कतर संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और रूस के साथ दुनिया के शीर्ष तरलीकृत प्राकृतिक गैस उत्पादकों में से एक है। फरवरी में कतर ने अपने नॉर्थ फील्ड प्रोजेक्ट से अपने उत्पादन का विस्तार करने की योजना की घोषणा करते हुए कहा था कि वह 2030 से पहले क्षमता को 142 मिलियन टन प्रति वर्ष तक बढ़ा देगा।

गाजा संघर्ष के दौरान इजराइल को 50 हजार टन से अधिक सैन्य उपकरण व गोला-बारूद मिला

एजेंसी

जेरूसलम । इजराइली रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि गाजा में सैन्य अभियान शुरू होने के बाद देश को 50 हजार टन से अधिक सैन्य उपकरण और गोला-बारूद प्राप्त हुआ है। मंत्रालय ने कहा, इनमें बख्तरबंद वाहन, युद्ध सामग्री, गोला-बारूद, व्यक्तिगत सुरक्षा और चिकित्सा उपकरण शामिल हैं। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, गाजा पट्टी और इजराइल-लेबनान सीमा पर हिजबुल्लाह के खिलाफ चल रहे युद्ध के दौरान इन सैन्य उपकरणों व गोला बारूदों का इस्तेमाल किया गया। मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि हथियार किन देशों से खरीदे गए थे, हालांकि इजरायली सरकार के अधिकारियों ने पहले कहा था कि अधिकांश हथियार और गोला-बारूद संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोप से खरीदे गए थे। पिछले साल सात अक्टूबर को दक्षिणी इजराइली सीमा पर हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर हमला किया। हमास के हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और लगभग 250 बंधक बना लिया गया।

राजनाथ सिंह ने प्रवासी भारतीयों को अमेरिका और भारत के बीच सेतु बताया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के टेनेसी राज्य में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात करने के बाद उनके योगदान की सराहना करते हुए उन्हें दोनों देशों के बीच एक सेतु की तरह बताया। रक्षामंत्री ने इस जानकारी को अपने एक्स पोस्ट में साझा किया है।

राजनाथ सिंह, अमेरिका और भारत के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और प्रगाढ़ करने के लिए चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर हैं। उन्होंने अपने दौरे के आखिरी दिन रविवार को मेम्फिस में राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय में भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत की। रक्षा मंत्रालय की विज्ञप्ति के अनुसार, सिंह ने भारतीय समुदाय को

भारत और अमेरिका के बीच एक सेतु की तरह बताया, जो घनिष्ठ संबंधों और सद्भावना को बढ़ावा देता है। उन्होंने पिछले दशक में भारत की विकास गाथा और एक आशाजनक भविष्य के साथ अपार संभावनाओं को रेखांकित किया।

रक्षा मंत्री ने महात्मा गांधी के सम्मान में एक प्रदर्शनी का आयोजन करने और साल 2019 में महात्मा गांधी की 150वीं जयंती के मौके पर राष्ट्रीय नागरिक अधिकार संग्रहालय के पास दो 'गांधी मार्ग' सड़क संकेतक लगाने में भारतीय समुदाय के प्रयासों की भी सराहना की।

सिंह ने अपनी बैठक के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मेम्फिस में भारतीय समुदाय के साथ शानदार बातचीत हुई। समाज, विज्ञान और अर्थव्यवस्था में उनका योगदान अनुकरणीय रहा है।''

इससे पहले दिन में सिंह ने टेनेसी के मेम्फिस में 'नेवल सरफेस वारफेयर सेंटर' के विलियम बी मॉर्गन लार्ज कैविटेशन चैनल का भी दौरा किया। यह विश्व के सबसे बड़े और सर्वाधिक प्रौद्योगीकृत उन्नत जल सुरंगों में से एक है।

यहां पनडुब्बियों और अन्य नौसैन्य हथियार प्रणालियों का परीक्षण किया जाता है। भारत में स्वदेशी डिजाइन व विकास के लिए इसी तरह के एक प्रतिष्ठान की स्थापना के प्रस्ताव के बीच उन्होंने जल सुरंग का दौरा किया। सिंह ने मैरीलैंड के कार्डेरॉक स्थित 'नेवल सरफेस वारफेयर सेंटर' का भी दौरा किया और कहा कि उन्होंने वहां महत्वपूर्ण प्रयोग देखा। इससे पहले, सिंह ने अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन से मुलाकात की।

नाइजीरियाई राष्ट्रपति ने की नए खुफिया और सीक्रेट पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति

एजेंसी

अबुजा । नाइजीरिया में नई सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए राष्ट्रपति बोला अहमद अदेकुनले टीनुबु ने नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी (एनआईए) और डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट सर्विसेज (डीएसएस) में नए चीफ की नियुक्ति की है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, नाइजीरिया के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता अजुरी नेगेलाले ने राष्ट्रपति द्वारा पुराने प्रमुखों के इस्तीफे के बाद नई नियुक्तियों के बारे में जानकारी दी। देश के अनुभवी राजनयिक मोहम्मद मोहम्मद को नेशनल इंटेलिजेंस एजेंसी का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। वह एक अनुभवी राजनयिक हैं जिन्होंने 1995 में एनआईए में शामिल होने के बाद से विदेश सेवा में काफी समय बिताया है। सरकार की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि उनका व्यापक अनुभव एजेंसी के अभियानों के लिए नए दृष्टिकोण लाएगा।

इसके अलावा अदेओला अजाई को खुफिया पुलिस का नया महानिदेशक नियुक्त किया गया है। उनके लंबे करियर में इस सीक्रेट सर्विस में काम करने का गहरा अनुभव है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में नवाब अकबर बुगती की बरसी पर विद्रोहियों का कहर, सुबह से रात तक हमल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सर्वाधिक साधन संपन्न और अशांत बलूचिस्तान प्रांत में नवाब अकबर बुगती की 18वीं बरसी पर हथियारबंद बलूच विद्रोहियों ने सोमवार सुबह से रात तक तक यात्री बसों, हाइवे, रेलवे ब्रिज से लेकर पुलिस थानों को निशाना बनाते हुए जमकर खूनखराबा किया। इन हमलों में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। स्थानीय नागरिकों का दावा है कि दहशतगर्दों ने 70 से ज्यादा लोगों को गोलियों से भून दिया। अधिकारियों ने नागरिकों के दावों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र डॉन की रिपोर्ट में बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने कहा है कि आतंकवादियों ने 38 निर्दोष लोगों की जान ले ली। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने प्रेस विज्ञप्ति में पुष्टि की है कि चार कानून प्रवर्तन अधिकारियों सहित 14 सुरक्षाकर्मी इन हमलों में मारे गए। हालांकि 21 आतंकवादियों को मार गिराने में भी सफलता मिली है।

नवाब अकबर बुगती को बुगती जनजाति का सबसे सम्मानित और सर्वोच्च नेता माना जाता है। पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने 2006 में उनकी हत्या कर दी थी। इस अभियान का आदेश पाकिस्तान के तत्कालीन राष्ट्रपति जनरल परवेज मुशर्रफ ने दिया था। संसाधन संपन्न बलूचिस्तान प्रांत पर नियंत्रण के लिए कई दशकों से चल रहे विद्रोह के तहत यह पिछले कई वर्षों में किया गया सबसे बड़ा हमला है। नवाब

अकबर बुगती की 18वीं बरसी पर बलूच विद्रोहियों ने इन हमलों को अंजाम दिया है।

इन विद्रोहियों ने सबसे पहले सुबह मूसाखेल जिले में हाइवे पर बस यात्रियों को उतारकर उनके पहचान पत्र देखे। इसके बाद उनमें से 23 लोगों को गोलियों से भून डाला। इनमें अधिकांश पंजाब प्रांत के थे। वहीं, राजधानी क्वेटा को प्रांत के अन्य हिस्से से जोड़ने वाले रेलवे ब्रिज पर हमला कर छह लोगों की जान ले ली। हमलों की जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। उसने दावा किया है कि अभी ऐसे और हमले होंगे। मूसाखेल जिले के सीनियर एसएसपी अयूब खोसो ने बताया कि बस यात्रियों पर हमले से पहले बंदूकधारियों ने जिले के राराशिम क्षेत्र में हाइवे को बाधित कर दिया था। हमले के दौरान हाइवे पर 12 ट्रकों में भी आग लगा दी।

प्रांतीय राजधानी क्वेटा को शेष पाकिस्तान से जोड़ने वाले रेल पुल पर हुए विस्फोटों के बाद क्वेटा के लिए रेल यातायात स्थगित कर दिया गया है।

बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तान को ईरान से जोड़ने वाली रेलवे लाइन को भी निशाना बनाया है। दरअसल, बलूच विद्रोही प्रांत के संसाधनों पर यहां के लोगों का अधिकार जताते हुए दशकों से संघीय सरकार का विरोध कर रहे हैं। वे दक्षिणी बलूचिस्तान में चीन द्वारा रणनीतिक रूप से विकसित किए जा रहे ग्वादर बंदरगाह, सोने व तांबे की खानों के विकास का भी विरोध करते आ रहे हैं।

दिल्ली पुलिस ने 900 किमी पीछा कर नेपाल बॉर्डर से अंतरराष्ट्रीय मोबाइल तस्कर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने एक ऐसे मोबाइल तस्कर को गिरफ्तार किया है जो दिल्ली और एनसीआर से चोरी के मोबाइल फोन की तस्करी कर उसे नेपाल पहुंचाता था। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच टीम ने 900 किलोमीटर तक इसका पीछा किया और इसे नेपाल बॉर्डर के पास धर दबोचा। इसके पास से 36 एंड्राइड फोन बरामद हुए हैं। जिनसे दिल्ली में हुई 20 मोबाइल चोरियों का खुलासा हुआ है। इसके साथ-साथ पकड़े गए आरोपी का पुराना आपराधिक रिकार्ड भी है। वह पहले भी 9 मामलों में शामिल था, जिनमें हत्या, हत्या का प्रयास, स्नैचिंग, चोरी आदि शामिल थे। पुलिस के मुताबिक नेपाल समेत अन्य देशों में इन मोबाइल का इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियां करने के लिए किया जाता था। क्राइम ब्रांच के मुताबिक सरवपाल सिंह उर्फ जिनी को गिरफ्तार किया गया है। ये ओमेक्स सिटी, बहादुरगढ़, हरियाणा का निवासी है। इसके पास से चोरी के 36 मोबाइल फोन और एक होंडा सिटी कार जो ये आवाजाही के लिए इस्तेमाल करता था, जब्त की गई है। क्राइम ब्रांच की टीम काफी दिनों से इस केस पर काम कर रही थी। जांच में पता चला कि चोरी के मोबाइल फोन भारत से बाहर तस्करी किए जा रहे हैं और उन्हें नेपाल में भेजा जा रहा था, जहां इन मोबाइल फोनों को ग्रे मार्केट में बेचा जाता था। क्राइम ब्रांच की एसआई अंशु केडियन को सूचना मिली कि सरवपाल सिंह उर्फ जिनी, चोरी के मोबाइल फोन का तस्कर है और लखनऊ के रास्ते नेपाल सीमा की ओर जा रहा है।

मुठभेड़ में पकड़ा गया गोकलपुरी हत्या कांड का मुख्य आरोपी, पैर में लगी गोली, अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली । दिल्ली के गोकुलपुरी में हुए नीरज अरोड़ा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। गोकुलपुरी के नाला रोड पर पुलिस और मुख्य आरोपी रवि उर्फ रिंकू के बीच मुठभेड़ हुई। इसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी रवि उर्फ रिंकू को दबोच लिया। इस मुठभेड़ में आरोपी को पैर में गोली लगी है। पुलिस ने इनपुट के आधार पर 26 अगस्त को जाल बिछाया। पता चला था कि बदमाश रवि गोकुलपुरी इलाके में आ रहा है। आरोपी करीब 11.45 बजे जब इलाके से गुजरा तो पुलिस ने मोटरसाइकिल रोकने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक बदमाश ने फायरिंग की कोशिश की। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में रवि के बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। उसके पास से एक 7.65 एमएम की पिस्तौल और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। इसके अलावा, एक चोरी की मोटरसाइकिल भी मिली, जो जीटीबी एन्क्लेव से चोरी की गई थी। नीरज अरोड़ा हत्या के मामले में पहले ही तीन अन्य आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इनमें भूपेंद्र उर्फ जालिम और नीरज कुमार शामिल हैं। हत्या के पीछे का कारण शराब पीने के दौरान विवाद को बताया गया था। आरोपियों ने नीरज पर गली में हमला किया और रवि ने बेदर्दी से गला रेत दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

आप शुरू करेगी 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान

नई दिल्ली । आम आदमी पार्टी (आप) ने पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के घर पर बैठक की जिसमें दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर रणनीति बनाई गई। बैठक में पार्टी के सभी वरिष्ठ नेता शामिल हुए। आप नेता संदीप पाठक ने आईएएनएस को बताया कि बैठक में दिल्ली विधानसभा चुनाव के साथ-साथ मनीष सिसोदिया की पदयात्रा पर भी चर्चा हुई। पदयात्रा को काफी अच्छा समर्थन मिल रहा है। बैठक में तय हुआ कि मनीष सिसोदिया की पदयात्रा फिलहाल जारी रहेगी। इसके अलावा 'आपका विधायक, आपके द्वार' अभियान शुरू किया जाएगा। इस अभियान के तहत सभी विधायक हर मंडल में जाकर छोटी-छोटी बैठकें करेंगे। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के किसी दूसरी पार्टी के साथ गठबंधन के बारे में कहा कि फिलहाल इस पर कोई चर्चा नहीं हुई है। हाल ही में आप के पांच पार्षद भाजपा में शामिल हुए थे। इस बारे में जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, हमारी ताकत जनता है। जब भी भाजपा हारती है तो तोड़फोड़ का ही सहारा लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा को नुकसान होगा क्योंकि हमारे पास जनता की ताकत है।

दिल्ली इतनी असुरक्षित है कि कहीं भी जान जा सकती है - कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने केंद्र और दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजधानी इतनी असुरक्षित है कि कहीं भी लोगों की जान जा सकती है। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि आम आदमी पार्टी और भाजपा सरकारों की निष्क्रियता, असंवेदनशीलता और आपसी लड़ाई के चलते राजधानी में कानून-व्यवस्था नदारद है। यादव के मुताबिक, देश की राजधानी ''क्राइम केपिटल'' बन चुकी है। राजधानी में दिनदहाड़े गोलीबारी, लूट की घटनाओं पर नियंत्रण पाने में कानून-व्यवस्था पूरी तरह विफल साबित हुई है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में दिल्ली में आपराधिक मामले 65.96 प्रतिशत बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि दुकान में बैठे व्यक्ति को कोई गोली मार जाता है, बाहर निकलने पर करंट लगने से मौत हो जाती है, इंस्टीट्यूट में पढ़ते समय भी मौत का डर, घर में हो तो इमारत गिरने से मौत हो जाती है।

देशभर में धूमधाम से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

एजेंसी

नई दिल्ली। पुष्टि पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव देशभर में धूमधाम से मनाया गया।

इस मौके पर भगवान श्रीकृष्ण की जन्मस्थली उत्तर प्रदेश के मथुरा से लेकर गुजरात के द्वारका तक मंदिरों में विशेष पूजा की गयी। कृष्ण के जन्मोत्सव के कार्यक्रम सुबह मंगला आरती से शुरू हुए।

मथुरा कान्हा के जन्मोत्सव में रंग गया था। करीब 15 लाख श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण को प्रकट होते हुए देखने पहुंचे हैं। जन्मभूमि को कारागार की तरह सजाया गया है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर नंदलाल का 1008 कमल पुष्पों से अर्चन किया गया। नवग्रह और श्रीगणेश की पूजा की। रात में 11 बजकर 55 मिनट पर 05 मिनट के लिए पट बंद कर

दिए गए थे और 12 बजकर 05 मिनट पर भगवान श्री कृष्ण की प्रतिमा को गर्भ गृह से बाहर लाया गया, जहां स्वर्ण मंडित कामधेनु गाय से पहले अभिषेक किया गया। इसके बाद करीब 05 कुंतल पंचामृत से महंत नृत्यगोपाल दास बाल गोपाल अभिषेक किया। यह अभिषेक रात 12 बजकर 40 मिनट तक चला। वहीं, गुजरात के द्वारकाधीश मंदिर के पट रात 2.30 बजे तक खुले रहेंगे। इधर, पटना के इस्कॉन मंदिर के बाहर देर शाम भीड़ आउट ऑफ कंट्रोल हो गई। इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

बताया जा रहा है कि श्रद्धालु मंदिर में किसी भी तरह से घुसने की कोशिश कर रहे थे। इसके कारण मंदिर के बाहर भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

फिलहाल मंदिर के पास भारी संख्या में पुलिस को तैनात किया गया है। इसके अलावा देशभर के विभिन्न मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।

मोदी ने बाइडेन के साथ यूक्रेन और बंगलादेश की स्थिति पर बात की

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार देर शाम अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ फोन पर बात की तथा यूक्रेन और बंगलादेश की स्थिति सहित अनेक वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की।

श्री मोदी ने बाद में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा, आज अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन से फ़ोन पर बात हुई। हमने यूक्रेन की स्थिति सहित विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का विस्तृत आदान-प्रदान किया। मैंने शांति और स्थिरता की शीघ्र वापसी के लिए भारत का पूर्ण समर्थन दोहराया।'

उन्होंने कहा,'हमने बंगलादेश की स्थिति पर भी चर्चा की और सामान्य स्थिति की शीघ्र बहाली और बंगलादेश में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कर्मचारी विरोधी स्कीम है UPS और NPS, कांग्रेस सरकार बनने पर लागू करेंगे पुरानी पेंशन स्कीम (OPS): दीपेन्द्र हुड्डा

संजय अरोड़ा

चंडीगढ़। हरियाणा से सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में कांग्रेस सरकार आने पर कर्मचारियों की मांग के अनुरूप ओल्ड पेंशन स्कीम लागू की जाएगी। उन्होंने बताया कि PS और NPS कर्मचारी विरोधी स्कीम है और PS तो सरकारी कर्मचारियों के साथ NPS से भी बड़ा धोखा है। उन्होंने कहा

कि यूपीएस में फुल पेंशन के लिए 25 साल की सर्विस पूरी होने की सीमा तय कर दी गई है। इसका सबसे बड़ा नुकसान अर्द्धसैनिक बल के कर्मचारियों को होगा। अर्धसैनिक बलों के जो जवान 25 साल की सर्विस से पहले रिटायरमेंट (VRS) लेंगे उन्हें भारी नुकसान उठाना होगा। क्योंकि, यूपीएस में बेसिक सैलरी का 50त्न पेंशन के लिए 25 साल की सर्विस पूरी होने की सीमा तय कर दी गई है। ऐसे में उन्हें केवल 10 हजार की मामूली पेंशन ही मिलेगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने आज झज्जर के गाँव बिरोहड़ में ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत के सम्मान समारोह में पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि जब एनपीएस को लागू किया गया तो इसे ओपीएस से बेहतर बताया गया था, अब यूपीएस को ज्यादा बेहतर बताकर प्रचारित किया जा रहा है। जबकि सच्चाई ये है कि क्क में कर्मचारियों का 10 प्रतिशत अंशदान भी नहीं मिलेगा, यूपीएस में डीए हटा कर बेसिक सैलरी का आधा पेंशन दिया जाएगा, लेकिन पांच साल के अंतराल में ही डीए का हिस्सा आम तौर पर बेसिक के बराबर या उससे अधिक हो जाता है। यानी यूपीएस के तहत पेंशन भी आधी हो जाएगी। देश व प्रदेश भर में कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की मांग को लेकर आंदोलित हैं। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को सम्मानित करते हुए दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि इस बार ओलंपिक में देश को मिले 6 मेडल में से 5 हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते। इसका श्रेय हमारे खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत, लगन के साथ ही चौ. भूपेंद्र सिंह हुड्डा सरकार की उम्दा खेल नीति का परिणाम है। 2त्न आबादी वाला प्रदेश यदि 5 मेडल जीतता है तो इस हिसाब से बाकी 98त्न आबादी वाले प्रदेश करीब 245 मेडल लाते। आबादी के हिसाब से देश के और राज्य भी हरियाणा की तर्ज पर मेडल जीतते तो मेडल सूची में देश पूरी दुनिया में नंबर 1 होता। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि हरियाणा के गाँव-गाँव में खेल प्रतिभाएं मौजूद हैं। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति को न सिर्फ बंद कर दिया बल्कि पदक विजेता खिलाड़ियों को उनके हक से भी वंचित कर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर खिलाड़ियों के मान-सम्मान और भविष्य की सुरक्षा प्रदान करने वाली 'पदक लाओ, पद पाओ' नीति फिर से लागू की जाएगी। पदक विजेता खिलाड़ियों को उच्च पदों पर नियुक्ति दी जाएगी। खेल सुविधाओं, संसाधनों का विस्तार, स्कूल स्तर पर ही खिलाड़ियों को डाइट, भत्ते व कोचिंग उपलब्ध करवाई जाएगी। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बीजेपी सरकार ने हरियाणा को खेलों इंडिया के 2200 करोड़ के बजट में केवल 65 करोड़ दिए, जबकि गुजरात, यूपी को 600, 500 करोड़ दिया। जबकि देश को मिले 6 में से 5 मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते, जो 80त्न से ज्यादा है। लेकिन 2200 करोड़ के खेल बजट में हरियाणा को सिर्फ 65 करोड़ का बजट दिया गया। वहीं, गुजरात को 600 करोड़ तो यूपी को 500 करोड़ बजट दिया। उन्होंने यह भी कहा कि ओलंपिक में प्रतिभाग करने वाले 21त्न खिलाड़ी हरियाणा के थे। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि बजट देने में हरियाणा को भूली भाजपा सरकार को लोग चुनाव में वोट देना भी भूल जाएंगे।

मोदी का दुष्प्रचार तंत्र किसानों को कर रहा अपमानित : राहुल-खडगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे तथा पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत के किसान विरोधी बयान को भाजपा का दुष्प्रचार तंत्र करार देते हुए कहा है कि यह बयान शर्मनाक है और पार्टी इसकी घोर निंदा करती है।

श्री खडगे ने कहा, 'खुद प्रधानमंत्री मोदी जी ने भरी संसद में किसानों को 'आंदोलनजीवी' और 'परजीवी' की अपमानजनक संज्ञा दी थी। यहाँ तक कि संसद में शहीद किसानों के लिए दो मिनट का मौन रखने से भी इनकार कर दिया।'

उन्होंने कहा, 'मोदी जी ने न्यूनत समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कमेटी और किसान की आय दोगुनी करने का झूठा वादा भी किया था। जब मोदी जी ये सब खुद कर सकते हैं, तो उनके समर्थकों से शहीद किसानों के अपमान के सिवा देश और क्या उम्मीद रख सकता है। ये शर्मनाक और घोर निंदनीय किसान-विरोधी विचारधारा मोदी सरकार का डीएनए है। श्री गांधी ने कहा, 'किसानों से किए वादों को पूरा करने में नाकाम मोदी सरकार का दुष्प्रचार तंत्र लगातार किसानों का अपमान करने में जुटा हुआ है। चार सौ अठहत्तर दिन चले मैराथन संघर्ष के दौरान 700 साथियों का बलिदान देने वाले किसानों को भाजपा सांसद द्वारा बलात्कारी और विदेशी ताकतों का नुमाइंदा कहना भाजपा की किसान

विरोधी नीति और नीयत का एक और सबूत है। ये शर्मनाक किसान विरोधी बोल पश्चिमी उत्तरप्रदेश, हरियाणा और पंजाब समेत पूरे देश के किसानों का घोर अपमान है, जिसे किसी भी सूरत में स्वीकार नहीं किया जा सकता।' उन्होंने कहा,'किसान आंदोलन वापस लेते समय बनी सरकारी समिति आज भी ठंडे बस्ते में है, एमएसपी पर सरकार अपना रूख आज तक साफ नहीं कर सकी, शहीद किसानों के परिवारों को किसी तरह की राहत नहीं दी गयी और ऊपर से लगातार उनका चरित्र हनन जारी है। अन्नदाताओं का निरादर और उनके मान सम्मान पर हमला करने से किसानों से किया गया मोदी सरकार का धोखा छुप नहीं सकता।नरेंद्र मोदी और भाजपा कितनी भी साजिश कर लें - इंडिया गठबंधन किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी दिलवा कर रहेगा।'

भाजपा ने कंगना को दी, ना बोलने की हिदायत

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी सांसद कंगना राणावत के किसान आंदोलन के बारे में दिये गये बयान से असहमति जताते हुए पर कड़ी नाराज़गी प्रकट की है और सुश्री राणावत को हिदायत दी है कि उन्हें पार्टी के नीतिगत विषयों पर बोलने की अनुमति नहीं है इसलिए भविष्य में वह ऐसा कुछ नहीं बोलें। भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व में उन्हें आज यह हिदायत दी गयी। पार्टी ने एक बयान में कहा, भारतीय जनता पार्टी की सांसद कंगना राणावत द्वारा किसान आंदोलन के परिप्रेक्ष्य में दिया गया बयान पार्टी का मत नहीं है। भाजपा सुश्री राणावत के बयान से असहमति व्यक्त करती है। पार्टी की ओर से पार्टी के नीतिगत विषयों पर बोलने के लिए सुश्री कंगना राणावत को न तो अनुमति है और न ही वह अधिकृत हैं।

बयान में कहा गया, भारतीय जनता पार्टी की ओर से सुश्री कंगना राणावत को निर्देशित किया गया है कि वे इस प्रकार के कोई बयान भविष्य में न दें। भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' तथा सामाजिक समरसता के सिद्धांतों पर चलने के लिए कृतसंकल्पित है।

एक मीडिया इंटरव्यू में सुश्री कंगना राणावत ने कहा था कि पंजाब में किसान आंदोलन के नाम पर उपद्रवी हिंसा फैला रहे थे। वहां बलात्कार और हत्याएं हो रही थीं। अगर हमारा शीर्ष नेतृत्व मजबूत नहीं रहता तो किसान आंदोलन के दौरान पंजाब को भी बंगलादेश बना दिया जाता। किसान विधेयक को वापस ले लिया गया वर्ना इन उपद्रवियों की बहुत लंबी साजिश थी। वे देश में कुछ भी कर सकते थे।

फरक्का बैराज संबंधी अफवाहों का भारत ने खंडन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने बंगलादेश में फरक्का बैराज से संबंधित फर्जी वीडियो एवं अफवाहों का खंडन किया है और गलतफहमी फैला कर भयादोहन करने के प्रयासों की भर्त्सना की है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने फरक्का बैराज के संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, ÷हमने फरक्का बैराज के गेट खुलने की मीडिया रिपोर्टें देखी हैं, जिससे नदी के प्राकृतिक प्रवाह में 11 लाख क्यूसेक से अधिक पानी गंगा/पद्मा

नदी में प्रवाहित होने की बात कही गई है। यह एक सामान्य मौसमी गतिविधि है जो गंगा नदी बेसिन के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश बढ़े प्रवाह के कारण होता है।

प्रवक्ता ने कहा कि यह समझने की बात है कि फरक्का केवल एक बैराज है, बांध नहीं। जब भी पानी का स्तर जलाशय के स्तर तक पहुंचता है, तो जो भी प्रवाह आता है वह गुजर जाता है। यह महज 40 हजार क्यूसेक पानी को फरक्का नहर में मोड़ने की एक संरचना है, जिसे मुख्य गंगा/पद्मा नदी पर गेटों की एक प्रणाली का उपयोग करके सावधानीपूर्वक किया जाता है जबकि शेष पानी बंगलादेश की मुख्य नदी में बह जाता है। श्री जायसवाल ने कहा, प्रोटोकॉल के अनुसार डेटा, बंगलादेश में संबंधित संयुक्त नदी आयोग के अधिकारियों के साथ नियमित और समय पर साझा किया जाता है। इस बार भी ऐसा ही किया गया है। हमने गलतफहमी पैदा करने के लिए फर्जी वीडियो, अफवाहें और डर फैलाते देखा है। इसका तथ्यों के साथ दृढ़ता से प्रतिवाद किया जाना चाहिए।

महिलाओं को सुरक्षित परिवेश देने के लिए त्वरित न्यायालय स्थापित करे बंगाल सरकार: अन्नपूर्णा देवी

एजेंसी

नयी दिल्ली। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने पश्चिम बंगाल में बाल यौन अपराध संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) के अंतर्गत आवंटित त्वरित विशेष न्यायालय स्थापित करने पर जोर देते हुए कहा है कि राज्य सरकार को महिलाओं और बच्चों के लिए सुरक्षित परिवेश बनाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

केंद्रीय मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को रविवार को लिखे एक पत्र में कहा कि वर्ष 2019 में राज्य के लिए 123 त्वरित विशेष न्यायालय आवंटित किये गये थे, लेकिन जून 2023 तक एक भी न्यायालय आरंभ नहीं किया जा सका। राज्य में 48 हजार 600 से ज्यादा दुष्कर्म और पॉक्सो से संबंधित मुकदमे लंबित है। बाद में राज्य सरकार के अनुरोध पर 17 त्वरित विशेष न्यायालय आवंटित किये गये, जिनमें से मात्र छह पॉक्सो न्यायालय आरंभ हो पाये हैं। शेष 11 त्वरित विशेष न्यायालय स्थापित करने के लिए राज्य सरकार ने अभी तक कोई कदम नहीं उठाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को बच्चों और महिलाओं को सुरक्षित परिवेश उपलब्ध कराने के लिए इस दिशा में शीघ्रता से कदम उठाने चाहिए। इस पत्र की प्रति यहां जारी की गयी।

इससे पहले सुश्री बनर्जी ने महिला सुरक्षा को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा था और महिलाओं के प्रति अपराध रोकने के लिए एक सख्त केंद्रीय कानून की मांग की थी।

पत्र में श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि 30 जून 2024 तक 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 752 त्वरित विशेष न्यायालय कार्यरत हैं, जिनमें से 409 न्यायालय पॉक्सो के लिए निर्धारित हैं। इनमें दो लाख 53 हजार से ज्यादा मामलों का निपटारा किया गया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि संकटापन्न महिलाओं और बच्चों के लिए हेल्पलाइन नंबर 181, 112, 1098 और 1930 पिछले कुछ वर्ष में आरंभ किये गये हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल के निवासियों को इनका लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योंकि राज्य सरकार ने संबंधित योजनाओं को लागू ही नहीं किया है।

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने कहा कि एक जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता 2023 पूरे देश में लागू की जा चुकी है जिसमें महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों के लिए उम्र कैद तथा आजीवन कैद और भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को संबंधित प्रावधानों और व्यवस्थाओं को लागू करना चाहिए जिससे महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित और भयमुक्त परिवेश उपलब्ध कराया जा सके।

Name Change
I, Varun Kumar S/o Rakesh Kumar R/o 39/2 East Patel nagar new delhi -110008 have changed my name from Varun Kumar to Varun Kumar Karir for all future purposes.

Name Change
I, hitherto known as BIMAL MANDAL alias PREMLAL S/o LOTAS PRASAD R/o H.No.- 80C-BLOCK, BUDH NAGAR, SADULLABAD, PO LONI DIST GHAZIABAD, UTTAR PRADESH-201102 have changed my name and shall hereafter be known as PREMLAL.

Name Change
I, CHHAIL BIHARI SHARMA S/O VISHWA NATH SHARMA R/O H NO-1/3098, KUNJ GALI, NEAR POST OFFICE, RAM NAGAR, SHAHDARA, EAST DELHI, DELHI - 110032, have changed my name from CHAILL BIHARI KAUSHIK TO CHHAIL BIHARI SHARMA for all future purpose.

Name Change
I, hitherto known as DULARI DEVI D/o SUNDAR W/o RAM PRASAD R/o E-24/66, East Vinod Nagar, Chilla Saroda Khadar, Patparganj, East Delhi, Delhi-110091 have changed my name and shall hereafter be known as SADHANA.

Name Change
I, CARY DMELLO S/O CALLISTH DMELLO Residing at G-19, SECOND FLOOR, SOUTH CITY-II, GURGAON, FARRUKHNAGAR, GURGAON, HARYANA-122018 have changed my minor son name from NATHAN DMELLO to NATHAN PRADHAN DMELLO for all future purpose.

Name Change
I, Lt Col SUSHIL SINGH S/o LATE JAGATPAL SINGH R/o P-18/377, CARIAPPA VIHAR, DELHI CANTT-110010 have changed my Minor son's name from SHAURYA to SHAURYA SINGH for all future purposes.

Name Correction
I, TAHIR ALI S/O ABDUL HAFIZ R/O B-24, GALI NO.13/11, MAIN ABDUL HAMID MARG, B-BLOCK, SUBHASH VIHAR, NORTH GHONDA, DELHI- 110053 declare That my actual and correct name is TAHIR ALI for all future purpose. That "TAHIR ALI" and "TAHIR" both Names are mine and only one or same person.

Name Change
I, JASKIRAN KAUR D/O SHARANJEET SINGH R/O HOUSE NO-1931/25 B, WARD NO-33, GANDHI NAGAR, BAGGA KALAN, CENTRAL POST OFFICE, LUDHIANA, PUNJAB - 141008, have changed my name from JASKIRAN KAUR MAKKAR TO JASKIRAN KAUR for all future purpose.

PUBLIC NOTICE
1. I, SONIA D/o Balbir Singh R/o Ho.No.312, Gali No.1, Ward No. 2, Arjun Nagar, Kaithal, Haryana-136027, hereby undertake that I, SONIA want to change my name to BHARAT and gender as male.
2. I, SONIA henceforth be known as BHARAT S/o BALBIR Singh.
3. The above statement made by me is true & correct to the best of my knowledge and belief. If any legal issue arises in this regard at any stage, I will be personally responsible for the same and the Department of Publication will not be liable for any consequences arising therefrom. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

Name Change
I, NO-16118768P Rank-SPR Name-ANIL KUMAR S/o HEM CHAND residing at VILL-FEROZEPUR KALAN, PO-FATEHPUR TAGGA, TEH-BALLABGARH, DIST-FARIDABAD, HARYANA-121004 have changed my wife's name from SMT EKTA to EKTA for all future purposes vide affidavit dated 27/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, KIRAN SHARMA W/O C.B. SHARMA R/O H NO-1/3098, KUNJ GALI, NEAR POST OFFICE, RAM NAGAR, SHAHDARA, EAST DELHI, DELHI - 110032, have changed my name from KIRAN KAUSHIK TO KIRAN SHARMA for all future purpose.

Name Change
I, PRIYARANJAN PARASHAR S/o *Shree Bhagwan Prasad Verma* R/o LP-43/D, First Floor, Maurya Enclave, Pitampura, North West Delhi-110034, have changed the name of my minor son BHUVANESH AMBASHTHA (DOB:- 20.02.2010 aged 14 years) and he shall hereafter be known as BHUVNESH PARASHAR for all purposes. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.PRIYARANJAN PARASHAR

Name Change
I, No-16125586K Rank-NK, Name-TEKALE SANDEEP presently residing at VILL-SONALA, PO-LIMBUR, TEHSIL-MADNOOR, DISTT-NIZAMABAD, ANDHRA PRADESH-503309 have changed my father's name from TEKALE SHYAMSUNDER to TEKALE SHYAMSUNDHAR for all future purposes vide Affidavit dated 27/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, No-16117233P, Rank-SPR, Name-BONU ASHOK S/o SREENIVASA RAO Residing at DOOR NO-8/95, VILL-SREERAM PURAM, PO+TEH-GUDIVADA, DIST-KRISHNA, ANDHRA PRADESH-521301 have changed my mother's name from B RAMANAMMA to BONU RAMANAMMA for all future purposes and in my service records my mother's date of birth wrongly mentioned as 01/07/1971 instead of her correct date of birth as 20/12/1976 vide Affidavit dated 27/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
It is for general information that I, YASH KUMAR S/o VIRENDRA SINGH residing at House No. A-8 / 569, Loni Road, East Gokal Pur, Amar Colony, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi - 110094 declare that the name of my Father has been wrongly written as VIRENDER SINGH in my 10th Class Educational Documents. The actual name of my Father is VIRENDRA SINGH, which may be amended accordingly.

Name Change
I, NO-16126064A, Rank-NK, Name-ADARSH V NAIR residing at VILL-MANIKKAL, PO-PIRAPPANCODE, TEH-NEDUMANGADU, DISTT-THIRUVANANTHAPURAM, KERALA-695607 have changed my mother's name from BINDHU S to BINDU S for all future purposes vide Affidavit Dated 27/08/2024 before Notary Public, Delhi.

Name Change
I, Nikhil Singh S/O Ram Bilas Singh R/o A-2/11b, keshav puram, north west Delhi have changed my minor son name from Samarth singh to Samarth Mehra for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
This Public Notice is on behalf of my client MR. MANOJ KUMAR (AADHAR NO. 9421-6134-0434) S/o LATE SHRI MANI RAM R/o HOUSE NO. 8902, SHIDI PURA, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI-110005 who have debarred his son RAKESH S/O MANOJ KUMAR Residence of 8902, SHIDI PURA, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI-110005 and his wife (DAUGHTER IN LAW) MRS. MUSKAN JATAV W/O RAKESH Residence of 8902, SHIDI PURA, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI-110005 and his grandson LOVEYANSH S/O RAKESH Residence of 8902, SHIDI PURA, KAROL BAGH, CENTRAL DELHI-110005 from all their movable and immovable property for absolutely and forever. That now my client son and his wife (daughter in law) and his grandson has no any legal rights, title, interest whatsoever in movable and immovable property of my abovesaid client in future or under any circumstances if any person deal with his then its shall be their own risk and consequences.
SUNEET KUMAR AGGARWAL
ADVOCATE
4/9, Chandrika Hotel, Asaf Ali Road, New Delhi

Name Change
I, SWAPNA Mother of No. 16131848L, Rank-SPR, Name-ANEESH MADHU Residing at PUTHENPURACKAL, CHETTUKUZHI VILL-ANAKKARA, PO-KOCHARA, TAL-UDUMBANCHOLA, DIST-IDUKKI, KERALA-685551 have changed my name from SWAPNA to SWAPNA MADHU for all future purposes and in my son's service records my date of birth wrongly mentioned as 01/01/1977 instead of my correct date of birth as 12/09/1977 Vide Affidavit dated 27/08/2024 before Notary Public, Delhi.

टास्क व रिव्यु कर रुपये कमाने का लालच देकर चार लाख रुपए ठगने वाले दो जालसाज गिरफ्तार

एजेंसी

कैथल। मोबाइल पर टास्क रिव्यू कर रुपए कमाने का लालची देकर लाखों रुपए ठगने वाले दो जालसाजों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अदालत में दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। राजेंद्र सेठ कॉलोनी कैथल निवासी रजत ने पुलिस में शिकायत की थी कि 24 अप्रैल को अज्ञात आरोपी ने उसे एक व्हाट्सएप ग्रुप में एड कर लिया। उसमें तीन गूगल मैप रिव्यू टास्क दिए गए। जिसे करने से 150 रुपये मिलने की बात कही गई। टास्क पूरा हो जाने के बाद स्क्रीन शॉट ग्रुप में ही शेयर करने थे। उसने टास्क पूरा करके स्क्रीन शॉट ग्रुप में शेयर कर दिए। उसके बाद ग्रुप एडमिन उसे मैसेज करके उसकी डिटेल मांगी और एक पेमेंट कोड व एक टेलीग्राम लिंक दिया। इस लिंक पर क्लिक करने से आरुषी नाम से एक टेलिग्राम हैंडल से जुड़ गया। आरुषी ने स्वयं को बिजनेस मैनेजर बताया और उसे डिटेल कंफर्म करने के लिए कहा। उसके बाद उसके खाते में 150 रुपये आ गए। ऐसे अलग-अलग रिव्यू करवाने और उसकी कमाई हुई पांच लाख रुपये राशि निकलवाने का बहाना बनाकर आरोपियों ने उसे चार लाख 73 हजार रुपये अपने खाते में डलवा लिए। बाद में उसे न तो कमाए हुए पैसे दिए और न ही उसके दिए हुए चार लाख 73 हजार रुपये वापस किए। मामले की जांच करते हुए साइबर क्राइम पुलिस के एएसआई विनोद कुमार ने आरोपी गांव करौली जिला फरीदाबाद निवासी सन्नी व सुमित भाट्टी को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपियों के कब्जे से 10 हजार रुपए बरामद किए गए।

पुलिस ने युवक की हत्या के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। सोनीपत जिले की एसएजी यूनिट सेक्टर 7 की पुलिस टीम ने युवक की हत्या के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी रोहित उर्फ जैल्ला और हैप्पी, दोनों भिगान जिला सोनीपत के निवासी हैं। जानकारी के अनुसार 23 अगस्त को संजय नामक व्यक्ति ने थाना मुरथल में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसके भतीजे अंकित की हत्या कर दी गई है। संजय ने बताया कि 22 अगस्त की रात करीब 10ः15 बजे उसने अंकित की गाड़ी को सत्यप्रकाश के मकान के सामने खड़ा देखा। जब वह अंदर गया, तो रोहित, पुरानी रंजिश के कारण अंकित को चाकू मार रहा था। संजय ने तुरंत अंकित को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएजी यूनिट सेक्टर 7 सोनीपत की अनुसंधान टीम में नियुक्त उप निरीक्षक कृष्ण नें अपनी पुलिस टीम के साथ मिलकर आरोपियों की खोजबीन करते हुए हत्या के मामले में दो आरोपियों, रोहित और हैप्पी को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें अदालत में पेश किया गया और दो दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

निर्माण श्रमिक तीन सितंबर को उपायुक्त कार्यालय पर देंगे धरना : विक्रम सिंह

हिसार। एटक से संबंधित भवन निर्माण श्रमिक संघ ने अपनी मांगों व समस्याओं के हल के लिए तीन सितम्बर को उपायुक्त कार्यालय के समक्ष धरना देने की घोषणा की है। इस संबंध में राज्य महासचिव विनोद दड़ौली के संचालन में राज्य प्रधान विक्रम सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। बैठक में सभी जिला कमेटी व प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शामिल हुए जिसमें निर्माण मजदूरों की मांगों बारे तीन सितंबर को उपायुक्त पर किए जाने वाले धरना प्रदर्शन की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संघ नेताओं ने कहा कि निर्माण मजदूरों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर संगठन लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार मजदूरों की कोई सुध नहीं ले रही है और मजदूरों को कोई भी सुविधा समय पर नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार मजदूरों के कल्याण को लेकर बड़े-बड़े दावे कर उनके साथ भद्दा मजाक कर रही है। भाजपा सरकार पिछले साढ़े नौ वर्षों से श्रमिक कल्याण बोर्ड के पैसों पर कुंडली मारकर बैठी हुई है। सरकार गलत आपत्तियां लगाकर मजदूरों को उनको मिलने वाले लाभ से वंचित कर रही है।

समाजसेवी एमपी शर्मा ने पंचकूला विधानसभा से आजाद उम्मीदवार के तौर पर दावेदारी पेश की

पंचकूला । हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए पंचकुला विधानसभा सीट से समाजसेवी एमपी शर्मा ने आजाद उम्मीदवार के तौर पर अपनी दावेदारी की है । एमपी शर्मा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पंचकुला के अंदर एक भी यूनिवर्सिटी नहीं है, ना ही कोई बड़ा हॉस्पिटल है, । उनकी प्राथमिकता रहेगी कि पंचकुला के अंदर एक यूनिवर्सिटी और बड़ा हॉस्पिटल का निर्माण हो । साथ ही बरवाला रोड का मोहाली के एयरपोर्ट रोड की तरह निर्माण हो । उन्होंने कहा कि पंचकूला के अंदर अनेक समस्याएं खड़ी हैं उन्होंने बताया कि मैंने नगर निगम और हुडा विभाग में अपनी नौकरी की है जिसमें मैं पंचकूला के सभी सेक्टर की समस्याओं से को जानता हूं । आज हमारा पंचकूला में पानी का लेवल बिल्कुल नीचे चला गया है इसका कारण नगर निगम द्वारा हर जगह पर टाइल लगाने का काम किया गया है जिससे पानी का लेवल नीचे गया है जिसकी वजह से आज हमें पानी की बहुत ही किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। पंचकूला में सबसे बड़ी ड्रेनेज की का सिस्टम बिगड़ा हुआ है हर जगह पर नाले ब्लॉक हो गए हुए पड़े हैं लेकिन कोई भी प्रशासन का अधिकारी उन्हें ठीक करने का काम नहीं किया करता। । उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 सालों की सरकार में भाजपा ने सिर्फ दावे किए हैं लेकिन ग्राउंड लेवल पर एक भी कार्य करने का काम नहीं किया। हर सेक्टर की सड़के टूटी पड़ी है जहां नगर निगम बड़े-बड़े दावे करता है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने रोहतक में भाजपा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया

कहा -प्रदेश में तीसरी बार बनेगी भाजपा सरकार

एजेंसी

रोहतक। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रोहतक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता, और समर्थक मौजूद थे। इस कार्यालय का उद्घाटन आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर किया गया है, जो भाजपा की चुनावी तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

उद्घाटन समारोह के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा मैं हरियाणा प्रदेश के युवाओं को कहना चाहता हूं की कोई चिंता करने की जरूरत नहीं है सभी भर्तियों को पूरा करने का काम प्रदेश की डबल इंजन की सरकार करेगी।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, हमारे विपक्षी दल की भूमिका भी चिंताजनक है। मैं उन

लोगों से कहना चाहता हूं भूपेंद्र सिंह हुड्डा बताएं कि जो जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और NC के बीच गठबंधन हुआ है कि क्या कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन करके धारा 370 और 35 को वापस लाने के अब्दुल्ला परिवार की भारत विरोधी मंशा का समर्थन करते हैं ... जब-जब देश में देश की एकता एंव अखंडता को तोड़ने और पाकिस्तान तथा आतंकवाद से हाथ मिलाने की बात आती है तो कांग्रेस पार्टी सबसे आगी खड़ी नजर आती है। राहुल गांधी को सत्ता हासिल करने के लिए देश के टुकड़े करने की मानसिकता अपने पूर्वजों से मिली है।

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बडौली ने कहा, इस विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्पष्ट बहुमत की सरकार हरियाणा में तीसरी बार बने, इसी शुभकामना के साथ आज हमने (चुनाव कार्यालय की) शुरुआत की है...भाजपा की स्पष्ट बहुमत की सरकार जनता के आशीर्वाद से बनेगी...

दुष्यंत चौटाला के बयान पर उन्होंने कहा, यह अच्छी सोच है और इस सोच को वो बनाए रखें...वो कुछ भी करें, कुछ भी बयान दें, वे स्वतंत्र हैं...उनका विचार जनता के बीच जाएगा और जनता उसपर विचार करेगी। हमें जनता की जरूरत है और प्रदेश की जनता भाजपा के साथ है।

महानायक श्रीकृष्ण ने अभेद्य रक्षा कवच ग्रन्थ गीता रचीः राजीव जैन

एजेंसी

सोनीपत। पूर्व कैबिनेट मंत्री कविता जैन एवं मुख्यमंत्री केपूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने जन्माष्टमी के पर्व की बधाई देते हुए कहा कि महानायक योगेश्वर श्रीकृष्ण ने गीता जैसे अभेद्य रक्षा कवच ग्रन्थ की रचना की, जिससे हजारों वर्ष तक भारतियों ने विदेशी आक्रमणकारियों को मुंह तोड़ जवाब दिया, इसलिए भगवान श्रीकृष्ण ज्ञान, कर्म, भक्ति के अद्भुत महापुरुष थे।

कविता जैन और राजीव जैन ने प्राचीन ठाकुरद्वारा मंदिर के सौजन्य से सुबह आयोजित शोभा यात्रा में ठाकुर जी को रथ में विराजमान करवाया। रथयात्रा बैंडबाजों के साथ पुराने शहर के बाजारों से निकाली गई।रथयात्रा का जगह-जगह नागरिकों ने पुष्पवर्षा से स्वागत किया। राजीव जैन ने बाबाधाम कामी रोड, कुष्ठ आश्रम सेक्टर 15, प्राचीन हनुमान मंदिर गोहाना रोड, देव नगर, गढ़ी ब्राह्मणान, अग्रवाल मंदिर गुड़ मंडी, भूरे बाबा मंदिर शिव नगर, दुर्गा मंदिर कच्चे क्वार्टर, एटलस मंदिर सहित अनेकों स्थानों पर जन्माष्टमी के कार्यक्रमों में शिरकत की। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का व्यक्तित्व पूरे विश्व के लिए अलौकिक एवं अद्भुत है। उन्होंने धर्म की पुनः स्थापना की, इसलिए भगवान श्रीकृष्ण का महावाक्य है कि जब जब धर्म की हानि होती है तो मैं धर्म की स्थापना के लिए हर युग में अवतार लेता रहूंगा।

कांग्रेस ने तो आरक्षण भी मजबूरी में दिया, क्योंकि संविधान में था : केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र में आयोजित दलित सम्मान स्वाभिमान समारोह में अनूसूचित जाति के लोगों ने एक स्वर में प्रण लिया कि बाबा साहब का अपमान करने वाली कांग्रेस को सत्ता में नहीं आने देंगे। हजारों की संख्या में आए समाज के लोगों ने केंद्रीय मंत्रियों के सामने विश्वास दिलवाया कि बाबा साहब का सम्मान करने वाली भाजपा की सरकार डंके की चोट पर बनाई जाएगी। समारोह में केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, पूर्व राज्यसभा सांसद दुष्यंत गौतम, सांसद नवीन जिंदल, कैबिनेट मंत्री बनवारी लाल, समारोह के आयोजक सुदेश कटारिया,अशोक तंवर सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी डॉ. भीमराव अंबेडकर का सम्मान नहीं किया। कांग्रेस नेता अपने परिवारों के लोगों को भरत रत्न देते रहे, लेकिन संविधान लिखने वाले महान शख्सियत डॉ. भीमराव अंबेडकर को कभी भारत रत्न देने की बात नहीं कही। जब कांग्रेस को जनता ने सत्ता से बेदखल कर दिया तब जा कर बाबा साहब को भारत रत्न मिला। जिस संविधन में बाबा साहब ने दलितों, पिछड़ों वंचितों को बराबरी का हक दिया है, कांग्रेस ने हमेशा उस पवित्र संविधान का अपमान किया। मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस के लोग बताएं कि उनके शासनकाल में दलितों पर कितने

अत्याचार हुए, मिर्चपुर कांड, गोहाना कांड किसी से छिपा नहीं है। कांग्रेस ने संविधान में बहुत सारे बदलाव किये लेकिन आज कांग्रेस के ही लोग झूठ फैला रहे हैं कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। ऐसे लोगों से बचकर रहना हे, उनके बहकावे में न आएं। मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस ने तो आरक्षण भी मजबूरी में दिया, क्योंकि संविधान में था, लेकिन आरक्षण की सीट कभी पूरा नहीं होने दी। बैकलॉग की सीट आज तक खाली है, उसे भाजपा भर रही है। भाजपा ने अंत्योदय की भावना से जितनी भी योजनाएं चलाई उसका सबसे ज्यादा लाभ अनुसूचित जाति के लोगों को घर बैठे मिल रहा है। मनोहर लाल ने कहा कि कुरुक्षेत्र में संत रविदास का भव्य स्मारक बनेगा। यहां उमड़ी भीड़ देखकर विश्वास हो गया है कि भाजपा तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने जा रही है।

दबंग लोग लाइन में नहीं लगने देते थे:केंद्रीय ऊर्जा एवं शहरी मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा में जब कांग्रेस का राज होता था तो दबंगई चलती थी, निर्बल,दलितों और अनुसूचित जाति के लोगों को ये दबंग लोग लाइन में भी नहीं लगने देते थे। हमने परिवार पहचान पत्र बनवाए और ऐसे लोगों को घर बैठे सुविधा पहुंचाने का काम किया। आयुष्मान कार्ड बनवाए, गैस सिलेंडर सहित कई तरह की सुविधाएं दी। मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस के शासन के समय 27 लाख बीपीएल कार्ड थे, लेकिन भाजपा की सरकार दस साल रही और अब 51 लाख बीपीएल कार्ड हैं।

कांग्रेस तो पेपर रद करवा देती थीः मनोहर लाल ने कहा कि पिछली सरकारों में दलितों ओर अनुसूचित जाति के युवाओं को नौकरी में हिस्सा नहीं दिया जाता था, भ्रष्टाचार होता था, पेपर रद्द कर दिए जाते थे, इंटरव्यू में भी फैल कर दिया जाता था। लेकिन भाजपा की सरकार बनी तो सबसे पहले मैरिट के आधार पर नौकरी देनी शुरू की। इस समाज के युवाओं को अतिरक्त पांच नंबर दिए और नौकरियों में हिस्सेदारी बढ़ाई। लेकिन इसमें भी कांग्रेस ने रोडा अटकाया और भर्ती रोको गैंग बनाया। मनोहर लाल ने कहा कि कांग्रेस के राज में नेताओं और अधिकारियों के बच्चे नौकरी लगते थे। लेकिन हमने मैरिट के आधार पर नौकरी दी और जब एचसीएस का रिजल्ट निकाला तो रिक्शा वाले का बेटा भी अफसर बना।

क्षेत्रीय पार्टियां फिनिश हो चुकीं, इसलिए अब मुकाबला केवल कांग्रेस से : अनिल विज

एजेंसी

अंबाला। पूर्व गृहमंत्री अनिल विज ने भारतीय जनता पार्टी की जीत का दावा करते हुए कहाकि क्षेत्रीय पार्टी तो अब फिनिश हो चुकी है इसलिए अब मुकाबला केवल कांग्रेस के साथ ही है। कांग्रेस को आसानी से हम चित कर देंगे क्योंकि कांग्रेस ने पाप ही इतने किए हुए हैं कि ये पाप ही उनको डुबो देंगे। वहीं, देश में हो रहे रेप कांड से चिंतित होते हुए विज ने कहा कि ये देश महिलाओ की बहुत इज्ज़त करता है। इसलिए ये सब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके लिए सख्त कानून बनाना चाहिए। जो गलत काम करें, उसे टांग दो, यही इसका इलाज है। हरियाणा के गब्बर कहे जाने वाले पूर्व गृहमंत्री अनिल विज आज पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। विज ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की लिस्ट आ गई है और हरियाणा की भी जल्दी आ

जाएगी। साथ ही चुनाव की तिथि आगे बढ़ाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि उन्हें लगता है कि डेट बढ़ सकती है। देश में हो रहे रेप कांड से चिंतित होते हुए विज ने कहा कि ये देश महिलाओं की बहुत इज़्ज़त करता है, द्वापर युग में चीड़ हरण हुआ था तब महाभारत हुई थी। ऐसे ही, त्रेता युग में माता सीता का हरण हुआ तब लंका दहन हुआ था इसलिए ये सब बर्दाश्त नहीं किया जा सकता और इसके लिए सख्त कानून बनाना चाहिए जो करें उसे टांग दो यही इसका इलाज है।

विज ने सवाल खड़ा करते हुए कहाकि ये प्रवृति समाज में क्यों बढ़ रही है, इसके बारे में भी समाज शास्त्रियों को सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज शास्त्री, धार्मिक व सामाजिक लोगों को घरों से बाहर निकलना चाहिए क्योंकि विज इतिहास गवाह है। जो-जो भी बुराइयाँ समाज में हुई थी, उसको समाज को जागरूक करके ही दूर किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्हें सज़ा भी दो और समाज को जागरूक भी करो।

कांग्रेस अपने रंग दिखाने लग गई है:

हरियाणा के रोहतक में पम्पलेट को लेकर कांग्रेस व भाजपा कार्यकर्ताओ में हुई झड़प को लेकर विज ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस अपने रंग दिखाने लग गई है। विज ने कहा कि सूत न कपास अभी कुछ भी नहीं है और कुछ भी होना नहीं है और हवा में अपने आपको ये सरकार समझने लग गए है तभी उनका ये हाल है। विज ने प्रश्न खड़ा करते हुए कहा कि क्या कांग्रेस का गुंडा राज फिर से लाया जाएगा।

परिवारवाद की बात करने वालों को गांधी परिवार से डर : बीरेंद्र सिंह

एजेंसी

जींद। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बीरेंद्र सिंह ने उचाना हलके के बड़ौदा, पालवां, खरकभूरा, करसिंधु गांव में अपने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनके सुख, दुख में वो शामिल हुए।

पत्रकारों से बतचीत में सोमवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि विस चुनाव में भाजपा को अपनी हार नजर आ रही है। 5, 6 दिन आगे चुनाव चला जाएगा तो भाजपा हार को जीत में नहीं बदल सकती है। वोटिंग तारीख के आस-पास पर्व है तो इसमें तारीख बदलने का कोई औचित्य नहीं है। पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात में परिवारवादी राजनीति प्रतिभाओं का दमन पर पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कहा कि जो परिवारवाद की बात करते है उनको सही मायनों में डर गांधी परिवार से है। गांधी परिवार ने बलिदान दिए है। राहुल गांधी की दादी, पिता देश के लिए शहीद हुए है। देश के जो पीएम शहीद हो उसका बेटा, पोता मैदान में आए तो क्या वह परिवारवाद है। गांधी परिवार कांग्रेस में है तो कांग्रेस मजबूत है। कांग्रेस मजबूत है तो देश मजबूत है।

किसानों को लेकर कंगना रनौत द्वारा दिए गए विवादित बयान पर बीरेंद्र सिंह ने कहा कि किसान एक बड़ी ताकत है। किसान इन चीजों में विश्वास नहीं करता कि अपने देश के अंदर कोई अफरा-तफरी का वातावरण पैदा करूं जिससे देश का प्रजातंत्र खतरे में पड़ जाए। देशभक्त होने का मतलब यह नहीं है कि देशभक्त जिसको बीजेपी मानती है वह ही देशभक्त है। किसानों का इतिहास उठा कर देखो। 13 महीने का आंदोलन था। एक भी ऐसी हरकत किसानों ने नहीं की जिससे यह कहा जाए कि किसानों ने कोई ज्यादती की हो। ज्यादती हुई है तो किसान के साथ हुई थी।

कौशल कर्मियों को नीति बनाकर रेगुलर करेगी कांग्रेस, देंगे उचित वेतनः हुड्डा

एजेंसी

चंडीगढ़। जिस तरह बीजेपी चुनाव की तारीखों को टालने की मांग कर रही है, उससे स्पष्ट है कि वह वोटिंग से पहले ही अपनी हार मान चुकी है। अगर बीजेपी को लंबी छुट्टियों को लेकर कोई चिंता थी तो उसे वोटिंग पोस्टपोन की बजाय वोटिंग प्रीपोन करने की अर्जी चुनाव आयोग के सामने लगानी चाहिए थी। अगर बीजेपी प्रीपोन की मांग करती तो कांग्रेस भी इसका समर्थन जरूर करती। ये कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का।

पत्रकारों के सवालों का दे रहे हुड्डा ने कहा कि हरियाणा की जनता कांग्रेस की सरकार लाने का मन बना चुकी है। पार्टी को जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है और लगातार अन्य दलों को छोड़कर नेता व कार्यकर्ता कांग्रेस में शामिल हो रहे हैं। यह प्रदेश की राजनीति के रुझान का स्पष्ट संकेत है। इस बार लोगों की जुबान पर एक ही नारा है- ना जात पे, ना पात पे, मोहर लगेगी हाथ पे। क्योंकि जनता भाजपा के झूठे वादों को समझ चुकी है। यह सरकार सिर्फ झूठ की दुकान की ठेकेदारी कर रही है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कौशल निगम को लेकर भी भाजपा द्वारा लगातार झूठा प्रचार किया जा

रहा है। कांग्रेस ने स्पष्ट ऐलान किया है कि कौशल कर्मियों को ठोस नीति बनाकर रेगुलर किया जाएगा और उन्हें उचित वेतन दिया जाएगा। प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीजेपी और बीजेपी-जेजेपी सरकार के दौरान यमुना खनन, डाडम खनन, शराब, रजिस्ट्री, पेपर लीक और धान खरीद जैसे अनगिनत घोटाले हुए हैं। जिनकी जांच रिपोर्ट को सरकार ने दबा लिया है। कांग्रेस सरकार बनने पर इन रिपोर्ट्स को उजागर किया जाएगा।

यूनिफाइड पेंशन स्कीम पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस कर्मचारियों को पुरानी पेंशन स्कीम का लाभ देने के लिए प्रतिबद्ध है। गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस सरकार बनने पर एचएसजीपीसी के निष्पक्ष चुनाव करवाए जाएंगे। कंगना रनौत द्वारा किसानों पर की गई टिप्पणी कि हुड्डा ने निंदा की। उन्होंने कहा कि पंजाब और हरियाणा के किसान देश का पेट पालते हैं। जिम्मेदार पदों पर बैठे किसी भी शख्स को ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।

चुनाव की ड्यूटी को गंभीरता से करें अधिकारीः निशांत कुमार यादव

एजेंसी

गुरुग्राम। विधानसभा चुनाव के लिए पटौदी, बादशाहपुर, सोहना और गुड़गांव विधानसभा क्षेत्र में नियुक्त किए गए सभी नोडल व सहायक नोडल अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। चुनाव की ड्यूटी में किसी प्रकार की चूक नहीं होनी चाहिए। यह बात डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी निशांत कुमार यादव ने कही। उन्होंने कहा किचारों विधानसभा क्षेत्रों में एफएसटी, वीएसटी, वीडियो व्यूइंग टीम, चुनाव खर्च निगरानी प्रकोष्ठ, एसएसटी, सर्विस वोटर, सी-विजिल एप, सुविधा एप, 1950 टोल फ्री नंबर आदि के लिए टीमें बना दी गई हैं। सभी टीम इंचार्ज अपने कर्तव्य की निष्ठा से पालना करें। किसी अधिकारी को ड्यूटी के दौरान कोई बात समझ नहीं आती है तो वह निस्संकोच होकर अपने निर्वाचन अधिकारी या जिला निर्वाचन अधिकारी से पूछ सकता है। डीसी ने कहा कि चुनाव कार्य को लेकर अधिकारी किसी प्रकार का संशय अपने मन में ना रखें। हर एक नोडल अधिकारी को अपने काम की गहरी समझ होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी चुनाव आचार संहिता की पालना में अपना सहयोग करेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में चुनाव के लिए अपनी ड्यूटी को निभाना सबसे बड़ी देश सेवा है।

गुरु जंभेश्वर के दिखाए मार्ग पर चलकर ही आदर्श समाज का निर्माण संभव : नायब सैनी

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा है कि गुरू जंभेश्वर भगवान के दिखाए मार्ग पर चलकर ही आदर्श समाज का निर्माण किया जा सकता है। आज से साढ़े 500 वर्ष पूर्व ही गुरू महाराज ने जीव व पर्यावरण रक्षा के लिए पूरी दुनिया को चेता दिया था और आज उनके सिद्धांत को पूरी दुनिया मान रही है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां के श्री बिश्नोई मंदिर में जन्माष्टमी उत्सव एवं श्री गुरु जम्भेश्वर भगवान के 574वें अवतार दिवस समारोह में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अखिल भारतीय बिश्नोई महासभा के संरक्षक एवं पूर्व सांसद कुलदीप बिश्नोई ने की। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौ. भजनलाल के बाद कुलदीप बिश्नोई अब बिश्नोई समाज को एकजुट रखकर राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व कर रहे हैं और हर समय कुलदीप बिश्नोई मुझे व केन्द्रीय नेताओं को समाज की मांगों व समस्याओं के बारे में अवगत करवाते रहते हैं। आचार संहिता के कारण वे घोषणा तो नहीं कर पाएंगे लेकिन विश्वास दिलाते हैं कि आप सबके सहयोग व समर्थन से 4 अक्तूबर के बाद प्रदेश में हमारी तीसरी बार सरकार बनेगी तो कुलदीप बिश्नोई व बिश्नोई सभा हिसार ने जो भी मांगें रखी हैं उन्हें पहली कलम से पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में

मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कुलदीप बिश्नोई ने कहा कि जिस प्रकार से चौ. भजनलाल हर समय आम जनता की सुनवाई करते थे और उनके हर कार्य को पूरा करने का प्रयास करते थे, उसी प्रकार मुख्यमंत्री नायब सैनी भी सहजता, सरलता से हर आदमी से मिलकर उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करते हैं। इससे पूर्व आदमपुर के विधायक भव्य बिश्नोई ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गुरू जंभेश्वर भगवान के दिखाए रास्ते पर चलकर ही हम अपने समाज को आगे ले जा सकते हैं।

Name Change

I hitherto known as SARASWATI YADAV alias SARSVATI YADAV D/o RATI RAM YADAV, and W/o AMIR SINGH YADAV, R/o 462, Sector-23 Gurgaon, Carterpuri, Gurgaon, Haryana-122017, have changed my name and shall hereafter be known as SARSVATI YADAV. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

सांसद कंगना रनौत को पार्टी से निकाले भाजपा : विनीत पूनिया

एजेंसी

चंडीगढ़। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव डॉ. विनीत पूनिया ने भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा किसानों पर दिए गए बेहद अपमानजनक बयान पर घोर आपत्ति जताते हुए इसकी कड़ी भर्त्सना की है। उन्होंने कहा कि देश के मेहनतकश किसानों के प्रति भाजपा की नफरत भरी विचारधारा बार-बार उजागर हो रही है। डॉ. विनीत पूनिया ने कहा कि पिछले दस वर्षों में भाजपा ने हमेशा किसानों पर अत्याचार किया। कृषि कानूनों के खिलाफ किसान अपना हक मांग रहे थे तो उन पर लाठी चार्ज किया गया। तरह-तरह के अत्याचार किए। इस आंदोलन में 750 किसानों की शहादत हो गई। लेकिन भाजपा ने संसद में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के शोक प्रस्ताव पर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित नहीं की। डॉ पूनिया ने कहाकि

भाजपा सांसद कंगना रनौत ने अपने ताजा बयान में देश के किसानों को हत्यारा-बलात्कारी कहा है। उन्होंने देशभक्त किसानों को अमेरिका-चीन देशों का एजेंट बताते हुए देश में अस्थिरता फैलाने तक का संगीन आरोप भी लगा दिया है। उनके इस बयान की, जितनी निंदा की जाए वह कम है। कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ने कहाकि इससे पहले भी कई बार रनौत ने किसानों पर अपमानजनक टिप्पणी की। रनौत के इन बयानों पर भाजपा ने उन्हें इनाम दिया और उन्हें लोकसभा का चुनाव लड़ाया गया। कांग्रेस पार्टी ऐसे ओछे बयान को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं कर सकती। पूनिया ने कहा कि रनौत के इस शर्मनाक बयान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नायब सिंह समेत अन्य भाजपा नेता चुप क्यों हैं। भाजपा यह कहकर पल्ला नहीं झाड़ सकती कि यह पार्टी की राय नहीं है। भाजपा और कंगना देश के किसानों से तुरंत माफी मांगे। भाजपा तुरंत कंगना रनौत पर कार्रवाई कर उन्हें पार्टी से निकाले। हरियाणा की जनता विधानसभा चुनाव में इस बयान का मुंहतोड़ जवाब देगी।

निर्मला सीतारमण ने एफएटीएफ के पूर्व अध्यक्ष टी. राजा कुमार से की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) से इतर सिंगापुर में वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) के पूर्व अध्यक्ष टी. राजा कुमार से मुलाकात की। वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजा कुमार को वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के अध्यक्ष के रूप में सफल कार्यकाल पूरा करने के लिए बधाई दी। इस मुलाकात के दौरान हुई बातचीत और चर्चाओं के बीच निर्मला सीतारमण ने भारत की पारस्परिक मूल्यांकन रिपोर्ट को अपनाने के लिए एफएटीएफ की कार्यवाही के निष्पक्ष संचालन के लिए राजा कुमार की सराहना की। उन्होंने वित्तीय कार्रवाई कार्य बल के भविष्य और एफएटीएफ में भारत की भूमिका के बारे में भी विचारों का आदान-प्रदान किया। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण दूसरे भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में भाग लेने के लिए सिंगापुर के आधिकारिक दौरे पर हैं।

पहली तिमाही की वृद्धि 7.1 प्रतिशत तक रह सकती है: एसबीआई आर्थिक अनुसंधान प्रभाग

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान प्रभाग का अनुमान है कि अच्छी वर्षा के बीच कृषि क्षेत्र के मजबूत प्रदर्शन के साथ चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि सालाना आधार पर 7.1 प्रतिशत रहेगी। जारी इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वृद्धि का आंकड़ा इससे कम भी रह सकता है। रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 4.5 से 5.0 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच कंपनियों का मार्जिन प्रभावित हो रहा है लेकिन मुद्रास्फीति के दबाव में कमी से ब्याज नीति में उदारता की गुंजाइश पैदा हुई है। बैंक के समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार डॉ सौम्य कांति घोष द्वारा लिखी गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि विनिर्माण क्षेत्र में सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) कम होगा, कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर में उछाल आएगा। जीडीपी की गणना करते समय वस्तु और सेवाओं पर कर को जोड़ दिया जाता है और सरकारी सब्सिडी घटा दी जाती है। एसबीआई नाउकास्टिंग मॉडल (अब तक प्रकाशित नियमित आर्थिक आंकड़ों पर आधारित मॉडल) के आधार पर वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून , 2024) में जीडीपी वृद्धि 7.0-7.1 प्रतिशत के दायरे में रह सकती है, साथ ही संभावना इसके इससे नीचे रहने की भी है।

फॉक्सकॉन का भारत में डिजाइन, तकनीक खंड में प्रमुख पदों पर महिलाओं की नियुक्ति पर जोर: चेयरमैन

नई दिल्ली । अनुबंध पर आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन इस बात पर जोर दे रही है कि भारत में महिला कर्मचारी डिजाइन और अन्य प्रौद्योगिकी से संबंधित पदों पर प्रमुख पद संभालें। फॉक्सकॉन के भारत में 48,000 कर्मचारी हैं और इसके नए कर्मचारियों में 25 प्रतिशत विवाहित महिलाएं हैं। फॉक्सकॉन के चेयरमैन यंग लियू ने पीटीआई-से कहा, ÷हम मानते हैं कि महिलाओं के लिए सिर्फ असेंबली का काम ही नहीं है,बल्कि कुछ डिजायन, तकनीक से जुड़े पद भी उनके लिए हैं। हमारी बहुत सी मौजूदा महिला कर्मचारी उच्च शिक्षित हैं। हम उन्हें सिर्फ असेंबली के काम तक सीमित न रखते हुए, आगे बढ़ाने के ज्यादा अवसर देना चाहेंगे। फॉक्सकॉन के संयंत्र में लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं और 30 प्रतिशत पुरुष हैं। कंपनी ने हाल ही में चेन्नई के निकट श्रीपेरंबदूर में तमिलनाडु राज्य उद्योग संवर्धन निगम (एसआईपीसीओटी) द्वारा निर्मित एक महिला आवासीय परिसर का उद्घाटन किया, जिसमें फॉक्सकॉन के साथ काम करने वाली 18,000 से अधिक महिला कर्मचारी रह सकती हैं। लियू ने तब कहा था कि ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण प्रमुख कंपनी द्वारा भारत में सभी प्रकार की नियुक्तियों में बढ़ोतरी का रुझान है और कंपनी लिंग भेद के बिना नियुक्तियां करती है।

फेस्टा ने सदर बाजार में मेट्रो कार्य से हो रही दिखतों से अधिकारियों को कराया अवगत

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सदर बाजार में इन दिनों मेट्रो का कार्य चल रहा है, जिससे कुछ व्यापारियों को दिक्कतें हो रही हैं। इसको लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, महासचिव राजेंद्र शर्मा, कमल कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल सहित अनेक व्यापारियों ने मेट्रो कार्यकारी अभियंता नितिन सिंह राजपूत, सहायक अनुभागीय अभियंता स्वर्णेंदु मैती के साथ बैठक की और उन्हें अपनी परेशानियों से अवगत करवाया। फेडरेशन के कार्यालय में हुयी इस बैठक के दौरान श्री पम्मा और श्री यादव ने मेट्रो अधिकारियों को बताया कि उनकी क्रेन दिन में आने से काफी जाम लग जाता है। इसके कारण मिठाई पुल से कुतुब रोड आना हो या कुतुब रोड से मिठाई पुल जाना हो घंटो जाम की स्थिति बन जाती है।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का रिडेम्पशन कैलेंडर जारी, तय समय से पहले जारी हुआ कैलेंडर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारती रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मई 2017 से लेकर मार्च 2020 के बीच जारी किए गए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के लिए तय समय से पहले ही रिडेंप्शन कैलेंडर जारी कर दिया है। मई 2017 से लेकर मार्च 2020 के बीच की सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की 30 किस्तों का रिडेम्पशन आरबीआई द्वारा इस साल 11 अक्टूबर से लेकर 01 मार्च 2025 के बीच किया जाएगा।

आरबीआई द्वारा जारी गाइडलाइन के मुताबिक सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने वाले निवेशक बॉन्ड के इश्यू डेट के 5 साल बाद रिडेम्पशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं। रिडेम्पशन के लिए एनएसडीएल, सीडीएसएल, एसजीबी रिसीविंग ऑफिसेज और आरबीआई रिटेल डायरेक्ट के जरिए निवेशक अप्लाई कर सकते हैं। बता दें कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड इस साल फरवरी में आखिरी बार जारी की गई थी। फरवरी 2024 के बाद अभी तक एसजीबी की नई किस्त जारी नहीं की गई है। माना जा रहा है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम को केंद्र सरकार बंद भी कर सकती है। इस स्कीम की शुरुआत नवंबर 2015 में

की गई थी। उस वक्त सोने के इंपोर्ट में कमी लाने के इरादे से इसकी शुरुआत की गई थी, ताकि निवेशक स्पॉट गोल्ड खरीदने की जगह पेपर गोल्ड में निवेश कर सकें। इसके तहत भारतीय रिजर्व बैंक भारत सरकार की ओर से गोल्ड बॉन्ड जारी करती थी। इस योजना के तहत निवेशकों को 2.5त्न की दर से गारंटीड ब्याज दिया जाता था। इसके साथ ही 8 साल के मेच्योरिटी पीरियड के बाद निवेशक सोना के बाजार भाव के हिसाब से पैसा वापस हासिल कर सकते थे। नवंबर 2015 में सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड की पहली किस्त के तहत निवेशकों को 2,684 रुपये प्रति ग्राम के भाव पर निवेश करने का मौका मिला था। खुदरा निवेशक इस बॉन्ड के तहत एक ग्राम से लेकर अधिकतम 4 किलोग्राम तक के पेपर गोल्ड के लिए निवेश कर सकते थे। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के पहले किस्त की मैच्योरिटी 2023 में हुई थी। मेच्योरिटी के बाद निवेशकों को 6,132 रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से रिडेम्पशन प्राइस दिया गया था। इस तरह निवेशकों को प्रति ग्राम 3,448 रुपये यानी 128.5 प्रतिशत का मुनाफा हुआ था।

बताया जा रहा है कि केंद्र सरकार अब सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड को महंगा और जटिल मानते हुए बंद करने की बात पर विचार कर रही है। फरवरी में पेश किए गए अंतरिम बजट में बताया गया था कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों का बकाया बढ़कर 85 हजार करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है, जबकि मार्च 2020 में निवेशकों का बकाया महज 10 हजार करोड़ रुपये था। ऐसी स्थिति में निवेशकों के लिए भले ही यह बॉन्ड मुनाफे का सौदा हो, लेकिन केंद्र सरकार के खजाने पर इसकी वजह से बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। माना जा रहा है कि इसी वजह से सरकार इस स्कीम के 10 साल पूरा होने के पहले ही इसे बंद करने की बात पर विचार करने लगी है।

बाजार स्टाइल रिटेल का आईपीओ 30 अगस्त को खुलेगा, प्राइस बैंड 370-389 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 30 अगस्त को निवेश के लिए खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 370-389 रुपये प्रति शेयर तय किया है। बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड की योजना इसके जरिए 835 करोड़ रुपये जुटाने की है।

बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड ने जारी एक बयान में कहा कि उसका आईपीओ 30 अगस्त को खुलेगा और 3 सितंबर को बंद होगा। कंपनी के मुताबिक 6 सितंबर को कंपनी के शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर लिस्ट होंगे। प्रस्तावित बाजार स्टाइल रिटेल का आईपीओ 148 करोड़ रुपये मूल्य के ताजा शेयर और 687 करोड़ रुपये मूल्य के 1.76 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) है। कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 146 करोड़ रुपये की धनराशि का इस्तेमाल ऋण के भुगतान के लिए करेगी, जबकि शेष राशि का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि कोलकाता स्थित इस फैशन कंपनी ने प्री-आईपीओ इश्यू में वोल्राडो वेंचर्स पार्टनर्स फंड द्वारा 37 करोड़ रुपये जुटाए थे। इसके बाद बाजार स्टाइल रिटेल के आईपीओ का साइज घटा दिया गया था।

वैश्विक तेजी से सोने में आई तेजी, एमसीएक्स पर सोना 72 हजार के पार

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स में आई कमजोरी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा सितंबर के महीने में इंटरेस्ट रेट घटाने का संकेत दिए जाने की वजह से फ्यूचर मार्केट में सोने के भाव में लगातार तेजी बनी हुई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में आज गोल्ड फ्यूचर का भाव 72 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर से भी ऊपर चला गया। इसी तरह कॉमेक्स पर भी गोल्ड फ्यूचर 2,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार करके कारोबार कर रहा है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक मिडिल ईस्ट में लगातार बढ़ते तनाव की वजह से भी सोने के भाव में तेजी आई है। इसके साथ ही कई देशों में केंद्रीय बैंकों द्वारा की गई सोने की खरीदारी ने भी सोने के भाव पर असर डाला है। इन सभी तथ्यों के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती करने की संभावना और भारत में त्योहारी सीजन के दौरान मांग बढ़ने की संभावना की वजह से भी सोने के भाव में लगातार तेजी का रुख बना हुआ है। इंटरनेशनल गोल्ड

मार्केट में स्पॉट गोल्ड भी लगातार 2,500 डॉलर प्रति औंस के स्तर के ऊपर बना हुआ है। पिछले सप्ताह स्पॉट गोल्ड 2,531 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच गया था।

माना जा रहा है कि अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती होने के बाद सोने के भाव में और तेजी आ सकती है। गोल्डमैन सैक्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना इस साल 2,700 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक पहुंच सकता है। जानकारों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमत में आने वाली तेजी का असर घरेलू बाजार पर भी स्पष्ट रूप से पड़ेगा, क्योंकि भारत का ज्वेलरी मार्केट भी पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय बाजार से होने वाले सोने के आयात पर ही निर्भर करता है। इसके साथ ही अक्टूबर से शुरू होने वाले त्योहारी सीजन के कारण भी घरेलू बाजार में सोने की मांग में बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसा होने पर घरेलू बाजार में सोने के भाव में और भी तेजी आ सकती है।

तीन नए शेयरों की लिस्टिंग से निवेशक मालामाल, 2 शेयर ने पहले दिन कराया 99.5 प्रतिशत का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में आज लिस्ट हुए तीन शेयरों ने निवेशकों को जबरदस्त मुनाफा कराया। आज फोरकास स्टूडियो के शेयर की 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। इसी तरह ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स के शेयर भी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए। वहीं, इंटर आर्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स के शेयर करीब 44 प्रतिशत के लिस्टिंग गेन के साथ शेयर बाजार में लिस्ट हुए। फोरकास स्टूडियो के आईपीओ को ओवरऑल 417 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था। आईपीओ के तहत कंपनी ने 80 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफार्म पर इसकी 152 रुपये के भाव पर लिस्टिंग हुई। 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ ये शेयर कुछ देर में ही उछल कर 159.60 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गया। इस तरह आईपीओ के जरिये इसमें निवेश करने वाले निवेशकों को अभी तक 99.50 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। समुद्री कार्गो लॉजिस्टिक्स सर्विस देने वाली कंपनी ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स का आईपीओ 19 अगस्त को खुल कर 21 अगस्त को बंद हुआ था। ये आईपीओ 657.81 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ के तहत कंपनी ने 80 रुपये के भाव पर अपने शेयर जारी किए थे। आज ये शेयर भी 90 प्रतिशत के प्रीमियर के साथ 152 रुपये के भाव पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ब्रेस पोर्ट लॉजिस्टिक्स के शेयर भी 159.60 रुपये के अपर सर्किट पर पहुंच गए। इस शेयर के निवेशकों को भी पहले दिन ही 99.50 प्रतिशत का मुनाफा मिल चुका है। इन दोनों शेयरों के अलावा आज प्री-इंजीनियर्ड स्टील बिल्डिंग से जुड़ी सर्विस देने वाली कंपनी इंटर आर्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स के शेयरों ने भी आज घरेलू शेयर बाजार में जोरदार एंट्री की। कंपनी ने आईपीओ के तहत 900 रुपये के भाव पर अपने शेयर जारी किए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में इसकी लिस्टिंग 1,291.20 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में इसकी लिस्टिंग 1,299 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह कंपनी के निवेशकों को करीब 44 प्रतिशत का लिस्टिंग गेन मिल गया। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली की वजह से इस शेयर के भाव में मामूली गिरावट आ गई।

बांग्लादेश का झुकाव चीन की ओर बढ़ा, भारत से होने वाला कारोबार प्रभावित होगा

एजेंसी

नई दिल्ली। पन्द्रह साल पुरानी शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद बांग्लादेश अपने अब तक के सबसे बुरे राजनीतिक संकट का सामना कर रहा है। पाकिस्तान से 1971 में आजादी हासिल कर अपनी एक अलग पहचान बनाने वाले 53 वर्ष पुराने बांग्लादेश में कानून-व्यवस्था भंग होने के चलते देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह लड़खड़ा गई है। सत्ता परिवर्तन के बाद वैकल्पिक व्यवस्था का झुकाव चीन की ओर दिखाई दे रहा है। इसका भारत के साथ होने वाले कारोबार पर इसका कुछ असर पड़ता दिख रहा है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस चीन के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। मोहम्मद यूनुस ने हाल ही में चीनी राजदूत से मुलाकात की, जिसमें उन्होंने चीन से आर्थिक सहयोग बढ़ाने को लेकर बड़ी मांग की है। चीनी राजदूत ने उन्हें राष्ट्रपति शी जिनपिंग का संदेश भी दिया है। अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने एक दिन पहले रविवार को चीन से आग्रह किया कि वो बांग्लादेश में सोलर पैनल फैक्ट्रियां स्थापित करे। उन्होंने कहा है कि चीन कुछ सोलर पैनल फैक्ट्रियों को बांग्लादेश में स्थानांतरित कर दे। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन का असर भारत पर दिखने लगा है। हालांकि, इसका दूरगामी परिणाम क्या होगा इसका आकलन करना अभी जल्दबाजी होगा। पड़ोसी देश बांग्लादेश के साथ भारत का आयात कम और निर्यात ज्यादा है। भारत और बांग्लादेश के साथ गेहूं, कॉटन, कपड़ा आदि वस्तुओं का व्यापार करता है। इसके साथ ही भारत चावल की कुछ किस्में भी बांग्लादेश को निर्यात करता है। बांग्लादेश को बिजली का बड़ा हिस्सा भी भारत देता है। दोनों देशों के बीच ऑटो इंडस्ट्री से जुड़ी चीजों का भी व्यापार होता है।

नयी जैव-अर्थव्यवस्था नीति भारत को अग्रणी स्थानी दिलायेगी: डॉ जितेंद्र सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने कहा है कि सरकार द्वारा शुरू की गयी नयी जैव - अर्थव्यवस्था नीति आने वाले वर्षों में भारत को इस क्षेत्र में अग्रणी देश के रूप में स्थापित करेगी। श्री सिंह ने कहा कि इसके लिये अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ जुड़ते हुये नैतिक जैव सुरक्षा संबंधी विचारों और वैश्विक नियामकीय सामंजस्य पर नये सिरे से ध्यान दिया जा रहा है। डॉ सिंह ने मीडिया चैनल से बातचीत में कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले सप्ताह जिस जैव अर्थव्यवस्था नीति-बायो-ई3 (इकोनॉमी, एम्प्लायमेंट और एनवायरानमेंट) यानी जैवप्रौद्योगिकी पर विकसित अर्थव्यवस्था, रोजगार और पर्यावरण को मंजूरी दी है, वह भारत को इस क्षेत्र में नेतृत्वकारी भूमिका दिलाने में सहायक होगी। मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार डॉ सिंह ने कहा, जैव-ई3 नीति पासा पलटने वाली होगी। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि भारत की जैव अर्थव्यवस्था में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह 2014 के 10 अरब डालर से बढ़ कर 2024 में 130 अरब डालर तक पहुंच गयी। उन्होंने इस अनुमान का भी जिक्र किया ।

आरबीआई वित्तीय क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए नीतियां बनाने पर काम कर रहा: शक्तिकांत दास

एजेंसी

नई दिल्ली/बेंगलुरु। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने यहां कहा कि आरबीआई लगातार ऐसी नीतियां, प्रणालियां और मंच तैयार करने पर काम कर रहा है, जो वित्तीय क्षेत्र को मजबूत, जुझारू और ग्राहक केंद्रित बनाएंगे।

आरबीआईञ्च90 पहल के तहत डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना तथा उभरती प्रौद्योगिकियों पर वैश्विक सम्मेलन को संबोधित करते हुए शक्तिकांत दास ने यह बात कही। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) और उभरती प्रौद्योगिकियां दुनिया में लगभग सभी अर्थव्यवस्थाओं की भविष्य की यात्रा को आकार देंगी। आरबीआई गवर्नर ने इस बात पर भी जोर दिया कि वित्तीय संस्थाओं को कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़े जोखिमों के प्रति पूरी तरह सचेत रहना चाहिए।

रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि डीपीआई व्यापक रूप से सार्वजनिक

क्षेत्र में निर्मित बुनियादी प्रौद्योगिकी प्रणालियों को संदर्भित करता है, जो उपयोगकर्ताओं तथा अन्य डेवलपर के लिए खुले तौर पर उपलब्ध हैं। शक्तिकांत दास ने कहा कि पिछले दशक में पारंपरिक बैंकिंग प्रणाली में अभूतपूर्व प्रौद्योगिक बदलाव हुआ है। उन्?होंने कहा कि इन सभी संकेतों से पता चलता है कि आने वाले वर्षों में यह प्रक्रिया और भी तेज हो सकती है। उन्होंने कहा कि यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) मंच विभिन्न डेटा सेवा प्रदाताओं से ऋणदाताओं तक विभिन्न राज्यों के भूमि रिकॉर्ड सहित डिजिटल जानकारी के निर्बाध प्रवाह की सुविधा प्रदान करता है। दास ने कहा कि शुरुआती चरण से प्राप्त अनुभव के आधार पर यूएलआई को राष्ट्रव्यापी स्तर पर जल्द ही पेश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यूपीआई प्रणाली में सीमा पार धन प्रेषण के उपलब्ध माध्यमों के लिए एक सस्ता और त्वरित विकल्प बनने की क्षमता है।

भारत-सिंगापुर ने उभरते व भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए जताई प्रतिबद्धता

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और सिंगापुर ने उभरते तथा भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने का संकल्प दोहराया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के नेतृत्व में सिंगापुर गए चार केन्द्रीय मंत्रियों के दल ने सिंगापुर में आयोजित भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) सम्मेलन के तहत पहचाने गए 6 स्तंभों पर विचार-विमर्श किया। दूसरे आईएसएमआर में सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग ने किया। आईएसएमआर भारत-सिंगापुर द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नया एजेंडा निर्धारित करने के लिए स्थापित एक अद्वितीय तंत्र है। इसकी पहली बैठक सितंबर, 2022 में नई दिल्ली में हुई थी।

वित्त मंत्रालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण

के नेतृ?व में भारतीय मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल चार भारतीय कैबिनेट मंत्रियों ने इस बैठक में भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय वित?त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद रहे। सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल में उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ व्यापार एवं उद्योग मंत्री गनकीम्योंग, विदेश मंत्री विवियनबाला, गृह एवं कानून मंत्री, जनशक्ति मंत्री और व्यापार एवं उद्योग के दूसरे मंत्री टैन सी लेंग, परिवहन मंत्री और वित्त मंत्री ची होंग टैट और डिजिटल विकास एवं सूचना मंत्री और गृह मामलों की दूसरी मंत्री भी शामिल थीं।

इस बैठक में दोनों देशों के नेताओं ने उभरते तथा भविष्योन्मुखी क्षेत्रों में भारत और सिंगापुर के बीच सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर जोर दिया।

इसके अलावा बैठक में दोनों पक्षों ने आईएसएमआर के तहत पहचाने गए छह स्तंभों पर विचार-विमर्श किया। इनमें डिजिटलीकरण, कौशल विकास, स्थिरता, स्वास्थ्य सेवा व चिकित्सा, उन्नत विनिर्माण और संपर्क शामिल हैं।

मंत्रालय के अनुसार दोनों देशों के नेताओं ने भारत और सिंगापुर के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ मनाने की योजनाओं के साथ-साथ आसियान और जी-20 सहित क्षेत्रीय एवं वैश्विक सहयोग पर भी चर्चा की गई। सिंगापुर में आयोजित भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज (आईएसएमआर) सम्मेलन के पहले दौर की चर्चाओं के परिणामस्वरूप स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा तथा कौशल विकास, डिजिटल सहयोग और सेमीकंडक्टर परिदृश्य सहयोग पर समझौता ज्ञापन सफलतापूर्वक संपन्न हुए हैं।

ग्लोबल सपोर्ट से घरेलू शेयर बाजार में तेजी, 25 हजार अंक के ऊपर बंद हुआ निफ्टी

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिलने की वजह से घरेलू शेयर बाजार में भी आज जोरदार तेजी का माहौल बना रहा। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। निफ्टी 1 अगस्त के बाद पहली बार 25 हजार अंक के स्तर को पार करने में सफल रहा। बाजार में बीच-बीच में मुनाफा वसूली भी हुई। इसके बावजूद शेयर बाजार लगातार हरे निशान में ही बना रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, मेटल, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और रियल्टी सेक्टर में जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी और इंफ्रास्ट्रक्चर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि बीएसई का टेलीकम्युनिकेशन इंडेक्स आज लाल निशान में बंद हुआ। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब ढाई लाख करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 462.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.96 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.43 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,197 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,189 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,862 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 146 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,411 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,244 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,167 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर बढ़त के साथ और 7 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 32 शेयर हरे निशान में और 18 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 302.05 अंक की तेजी के साथ 81,388.26 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने की वजह से इस सूचकांक ने रफ्तार पकड़ ली। पहले घंटे का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर बाद ही ये सूचकांक 738.06 अंक की बढ़त के साथ 81,824.27 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई। दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 611.90 अंक की मजबूती के साथ 81,698.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 82.95 अंक की उछाल के साथ 24,906.10 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही तेजड़ियों का जोर बन जाने के कारण इस सूचकांक में तेजी पर आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से पहले घंटे के कारोबार में ही ये सूचकांक 220.65 अंक उछल कर 25,043.80 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक को भी थोड़ी गिरावट का सामना करना पड़ा। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी 187.45 अंक की मजबूती के साथ 25,010.60 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बरसाती मौसम में बुखार-खांसी नहीं करेगी परेशान, ये घरेलू नुस्खे दिलाएंगे तुरंत राहत

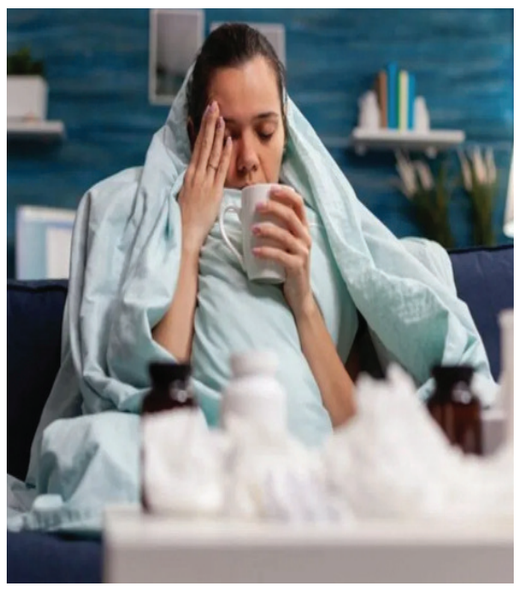

बारिश में बैक्टीरिया तो तेजी से पनपते ही है इसके अलावा बदलते मौसम की वजह से वायरल बुखार, खांसी, सर्दी होना काफी आम बात होती है. जान लेते हैं इन हेल्थ प्रॉब्लम से छुटकारा पाने और रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करने के लिए क्या घरेलू उपाय करने चाहिए.

सावन का महीना गुजर चुका है, लेकिन अब भी बारिश के साथ ही उमस भी हो रही है और बार-बार बदलते मौसम की वजह से जुकाम के साथ खांसी और बुखार के मामले भी देखने को मिल रहे हैं. वायरल बीमारियों से बचे रहने के लिए जरूरी है कि इम्यूनिटी बूस्ट रहे और बीमार हो गए हैं तो दवा के अलावा कुछ घरेलू नुस्खे भी बुखार, खांसी, जुकाम जैसी दिक्कतों में काफी आराम दिला सकते हैं. इन नुस्खों से जल्दी रिकवर करने और इम्यूनिटी बूस्ट करने में भी हेल्प मिलती है.

बदलते मौसम में बच्चों से लेकर बड़े तक वायरल बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं. इससे बचाव के लिए और जल्दी रिकवरी के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बेहद जरूरी है. फिलहाल जान लेते हैं कुछ होम रेमेडीज के बारे में जो आपको खांस, सर्दी और बुखार आदि में आराम दिलाती हैं.

इम्यूनिटी को ऐसे करें बूस्ट

बदलते मौसम में बीमारियों से बचने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत करनी है तो इसके लिए रोजाना रात को गुनगुने दूध में चुटकीभर हल्दी मिलाकर पीना चाहिए. इसके अलावा दालचीनी या फिर चुटकीभर जायफल का पाउडर भी दूध में मिलाकर पीना फायदेमंद रहता है.

बुखार में गिलोय करती है बेहद फायदा

गिलोय एक ऐसी देसी दवा है जो बुखार से लेकर जुकाम और खांसी में भी आराम दिला सकती है. यहां तक कि इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए अब बाजार में गिलोय की टेबलेट भी आने लगी हैं. गिलोय की लकड़ी को साफ पानी से अच्छी तरह धो लें और फिर पानी में डालकर उबाल लें. तैयार हुए काढ़े को रोजाना पीने से न सिर्फ इन बीमारियों से बचाव होता है, बल्कि बुखार में भी ये बेहद फायदेमंद है.

तुलसी, लौंग और अदरक की चाय

जुकाम, खराश और खांसी से राहत पाने के लिए तुलसी के 5-6 पत्ते, 2-3 लौंग, और अदरक का एक छोटा टुकड़ा ले लें. साथ में 3-4 काली मिर्च भी लें. सवा कप पानी में अदरक, लौंग, काली मिर्च को कूटकर डाल दें, साथ में तुलसी के पत्तों को भी तोड़कर डालें. जब पानी लगभग एक कप रह जाए तो इसे छान लें और चुटकीभर काला नमक डालकर इसे सिप-सिप कर पिएं.

भाप लें और गरारा करें

जुकाम की वजह से नाक बंद हो जाना और गले में खराश होना काफी आम दिक्कत होती है, लेकिन इस वजह से सबसे ज्यादा परेशानी सोते वक्त होती है. बंद नाक से राहत पाने के लिए गर्म पानी में लौंग को कूटकर डाल दें और उससे भाप लें. इसके अलावा गले की खराश से राहत पाने के लिए पानी में नमक डालकर उबाल लें. जब पानी गुनगुना रह जाए तो इससे गरारा करें.

भाजपा समझे कश्मीर दलगत राजनीति का अड्डा नहीं है

एनसी और कांग्रेस के समझौते पर सवाल उठाकर भाजपा ने खुद अपने ऊपर ही सवाल उठवा लिए हैं। नहीं तो वैसे जम्मू-कश्मीर के चुनाव में छोटी राजनीति की बात नहीं होती। पाकिस्तान को आईना दिखाने के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हम हमेशा कश्मीर को एक मॉडल के तौर पर पेश करते हैं कि किस तरह हमने यहां लोकतंत्र बना कर रखा है। चुनी हुई सरकार होती है।

बीजेपी जनता को क्या समझती है? भुलक्कड़! बेवकूफ! उसे कुछ भी याद नहीं है! जम्मू-कश्मीर में चुनाव की घोषणा होते ही कांग्रेस पर सवाल उठाने लगी।गृहमंत्री अमित शाह कह रहे हैं कि नेशनल कान्फ्रेंस (एनसी) के साथ समझौता करके कांग्रेस देश की एकता और सुरक्षा को खतरे में डाल रही है। वाह! एनसी के साथ समझौते से देश की एकता और सुरक्षा को खतरा। अगर ऐसा है तो आप की सरकार है। एनसी को बैन कर दीजिए। मगर आप वह नहीं करेंगे। और चुनाव के बाद अगर आपकी सरकार बनने की जरा भी संभावना नजर आएगी तो आप एनसी छोड़िए उसके साथ तो पहले भी केन्द्र में सरकार बना चुके हैं। कश्मीर के किसी भी पार्टी, ग्रुप, इन्डिज्यूल से समझौता कर लेंगे।

कहां से बताना शुरू करें! पहले वह बात जो कम लोगों को याद होगी। आज के भाजपा के गृहमंत्री अमित शाह एनसी को संदेह के दायरे में खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। मगर इनसे पहले के भाजपा के गृहमंत्री और देश में बनने वाले भाजपा के पहले गृहमंत्री लालकृष्ण आडवानी ने तो हुर्रियत कान्फ्रें स के नेताओं को बुलाकर अपने आफस नार्थ ब्लाक में आफिशियल मीटिंग की थी।

कभी भी किसी को कुछ कह देना बीजेपी के लिए तब चल सकता था जब वह विपक्ष में थी। मगर सत्ता में आने के बाद और तीसरी बार सरकार बनाने के बाद देश की एकता और अखंडता के लिए यह बहुत जरूरी है कि अब बीजेपी के नेता खासतौर से नंबर एक और नंबर दो के नेता जिम्मेदारी से अपनी बात कहें। जो हुर्रियत खुलेआम पाकिस्तान का समर्थन करती थी उससे उसके पहले गृहमंत्री आडवानी बात करते हैं और जो नेशनल कान्फ्रें स 1947 और उससे पहले से हर मौके पर भारत के साथ खड़ी होती रही उस पर शक कर रहे हैं!

सबको मालूम है कि हम कभी एनसी के समर्थक नहीं रहे। उसकी कड़ी से कड़ी आलोचना की। लेकिन देशभकित के सवाल पर नहीं। इसकी अभिव्यक्ति में तो फारूक अब्दुल्ला का मुकाबला तमाम लोग नहीं कर पाएंगे। आलोचना उनके शासन करने के केजुअल तरीके की की। गंभीरता के अभाव की की। सरकारी अफसरों पर सब कुछ छोड़ देने की की।

बता दें कि इस हद तक लापरवाह थे कि 1984 में जब उनके बहनोई गुलशाह उनका तख्ता पलट कर रहे थे तो वे फिल्म अभिनेत्री शबाना आजमी को मोटर साइकल पर बिठाकर घुमा रहे थे। उन्हें अपने खिलाफ षड्यंत्र का पता ही नहीं था।

लेकिन देशभक्ति पाकिस्तान के खिलाफ हमेशा तैयार रहना इसमें फारूख का कोई मुकाबला नहीं है। एक और घटना बताते हैं जो सेना और सिविल सर्विसेज के कुछ वरिष्ठ अफसरों को छोड़कर किसी को नहीं मालूम। अब मोदी जी सरकार में हैं अमित शाह भी तो वे उस समय के रहे अफसरों से मालूम कर सकते हैं।यह है 1999 की बात। पाकिस्तान ने करगिल में घुसपैठ कर दी थी। वह ऊंचे इलाके पर थे। हमारी सेना के लिए नीचे से उन्हें भगाना मुश्किल हो रहा था। सेना एयर स्ट्राइक चाहती थी। मगर पूर्ण युद्ध शुरू न हो जाए इस कारण प्रधानमंत्री वाजपेयी हिचक रहे थे। उस समय मुख्यमंत्री फारुख रक्षा मंत्री और अपने दोस्त जार्ज फर्नांडिस के साथ वाजपेयी से मिले और बहुत सख्त लहजे में कहा कि अगर एयर स्ट्राइक नहीं की तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। फौरन एयर स्ट्राइक के आर्डर हुए। और फिर सबको मालूम है कि किस तरह पाकिस्तानी फौज को भारी नुकसान उठाना पड़ा।यहां एक बात और समझ लीजिए कि जिस तरह भाजपा देशभक्ति किसी में कम किसी में ज्यादा का प्रचार करती है। हम नहीं करते। हर देशवासी में समान रूप से होती है। मगर यह परिवार खुद पाकिस्तान से लड़ने को खड़ा हो जाता है इसलिए इसकी देशभक्ति हमेशा बहुत मुखर होकर सामने आती है। 1947 सबको मालूम है कि पाकिस्तान द्वारा कबाइलियों के भेस में अपनी सेना कश्मीर में घुसा दिए जाने के बाद शेख अब्दुल्ला खुद अपने नेशनल कान्फ्रेंस के साथियों के साथ लाठी लेकर लड़ने पहुंच गए थे।

और क्या बताएं? कांग्रेस की देशभक्ति पर! एनसी से समझौता करने पर सवाल तो उस पर उठाए हैं। मगर यह बताना देश के महान स्वतंत्रता संग्राम का अपमान हो जाएगा जो कांग्रेस के नेतृत्व में लड़ा गया। सवाल तो उठाते हैं वह कांग्रेस पर। मगर यह वैसा ही है जैसे भरत से सुत पर भी संदेह!

तो एनसी और कांग्रेस के समझौते पर सवाल उठाकर भाजपा ने खुद अपने ऊपर ही सवाल उठवा लिए हैं। नहीं तो वैसे जम्मू-कश्मीर के चुनाव में छोटी राजनीति की बात नहीं होती। पाकिस्तान को आईना दिखाने के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर हम हमेशा कश्मीर को एक मॉडल के तौर पर पेश करते हैं कि किस तरह हमने यहां लोकतंत्र बना कर रखा है। चुनी हुई सरकार होती है। हालांकि पहली बार यहां चुनावों में दस साल का गेप हो गया है। पिछला विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था।अब भाजपा की इन्हीं छोटी-छोटी राजनीति की वजह से वह सब याद आ जाता है जो ऐसे मौके पर कहना नहीं चाहते थे। मगर यह खुद चीजों को वहीं ले आ रहे हैं जैसे दूसरे राज्यों के चुनावों में करते हैं। हां तो पहले वह बता दें जो 2014 विधानसभा की बात लिखते हुए याद आ गया। इस चुनाव में मुफ्ती मोहम्मद सईद की पार्टी पीडीपी 28 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आई। 25 सीटों के साथ बीजेपी नं. दो पर। और मोदी जी ने खुद पीडीपी से मिलकर सरकार बनाई। मुफ्ती के शपथ ग्रहण में जम्मू पहुंचे। और जो खास बात बता रहे हैं वह यह कि मोदी जी के सामने मुफ्ती ने कश्मीर में चुनाव करवाने का श्रेय पाकिस्तान और अलगावावादियों को दिया। मोदी जी चुप। लेकिन इसी एनसी ने इस पर कड़ी आपत्ति व्यक्त की। एनसी के उमर अब्दुल्ला ने कहा कि इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता।भाजपा की देशभक्ति की परिभाषाएं उसके राजनीतिक लाभ के मुताबिक हमेशा बदलती रहती हैं। मोदी जी क्या कहते? उससे पहले वे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को अपने खुद के शपथ ग्रहण में बुला चुके थे। उसके बाद पठानकोट के एयरफोर्स स्टेशन पर आतंकवादी हमले जिसमें हमारे सात जवान शहीद हो गए थे उसकी जांच के लिए पाकिस्तान की जेआईटी (उनकी गुप्तचर एजेन्सियों के बड़े अधिकारियों की टीम) पठानकोट आ गई। उसने यहां हमारे लोगों से पूछताछ की। आज तक ऐसा नहीं हुआ था। वही हमला करवाए और वही जांच करे?लेकिन लोग बेवकूफ बन रहे हैं तो उन्हें बनाया जा रहा है। खुद मोदी अचानक पाकिस्तान गए थे। मगर सवाल कांग्रेस और एनसी से पूछे जाते हैं। कांग्रेस के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह तो दस साल में एक बार भी पाकिस्तान नहीं गए।और मोदी जी बनने के एक साल के अंदर चले गए थे। वाजपेयी भी गए थे। पूरी बस लेकर। और मुशर्रफ को आगरा भी बुलाया था। हमने कहा ना कश्मीर के चुनाव इसलिए नहीं हैं कि यह सारी बाते हों। मगर कांग्रेस के खिलाफ शेष देश में माहौल बनाने के लिए भाजपा इस तरह की बातें कर रही है।जैसे बंगाल विधानसभा चुनाव में उसने राजनैतिक नैतिकता की सारी सीमाएं लांघ दी थीं, इस लोकसभा चुनाव में भी। लगता है वैसा ही वहहस बार जम्मू-कश्मीर चुनाव में करना चाहती है। लेकिन उसे याद रखना चाहिए कि उसके पहले प्रधानमंत्री वाजपेयी ने जब 2002 के विधानसभा चुनाव करवाए थे तो कहा था कि यह किसी पार्टी के जीत हार का चुनाव नहीं हैं देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने के चुनाव हैं।यही बात इससे पहले 1996 में चुनाव करवाने वाले प्रधानमंत्री नरसिंहा राव ने कही थी। और यही 2008 में चुनाव करवाने वाले मनमहोन सिंह ने। कश्मीर दलगत राजनीति से बड़ा है।

संपादकीय

चुनावी लाभ के लिए पेंशन योजना

देश में सरकारी कर्मचारी लंबे समय से पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को लागू करने की मांग करते आ रहे हैं। पिछले 10 सालों से केंद्र की सत्ता पर काबिज नरेन्द्र मोदी ने इस मांग पर बातें तो खूब की, लेकिन ओपीएस लागू नहीं किया। लेकिन सत्ता के 11वें बरस में यानी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद अब केंद्र सरकार ने यूपीएस यानी एकीकृत पेंशन योजना को हरी झंडी दे दी है।शनिवार को लिए इस फैसले के बारे में केन्द्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जानकारी दी। इस योजना के पांच प्रमुख बिंदु है, जिसमें पहला है 50 प्रतिशत निश्चित पेंशन, ये रकम सेवानिवृत्ति के ठीक पहले के 12 महीनों के औसत मूल वेतन का 50 प्रतिशत होगी। शर्त ये है कि कर्मचारी ने 25 साल की सेवा पूरी की हो। दूसरा बिंदु है किसी कर्मचारी की सेवा में रहते हुए मृत्यु होने की स्थिति में परिवार (पत्नी) को 60 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलेगा। तीसरा बिंदु है, 10 साल तक की न्यूनतम सेवा की स्थिति में कर्मचारी को कम से कम 10 हज़ार रुपये प्रति माह पेंशन के रूप में दिए जाएंगे। चौथा बिंदु कर्मचारी और फैमिली पेंशन को महंगाई के साथ जोड़ा जाएगा। इसका लाभ सभी तरह की पेंशन में मिलेगा, पांचवां और अंतिम बिंदु है, ग्रैच्युटी के अलावा नौकरी छोड़ने पर एकमुश्त रक़म दी जाएगी। इसकी गणना कर्मचारियों के हर छह महीने की सेवा पर मूल वेतन और महंगाई भत्ते का दसवां हिस्से के रूप में होगी।सरकार का दावा है कि इससे 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को फायदा होगा।

पहले कर्मचारी पेंशन के लिए 10 प्रतिशत का अंशदान करते थे और केंद्र सरकार इतना ही अंशदान करती थी, लेकिन 2019 में सरकार ने सरकारी योगदान को 14 प्रतिशत कर दिया था, जिसे बढ़ाकर अब 18.5 प्रतिशत कर दिया जाएगा। नयी एकीकृत पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी, तब तक इसके लिए संबंधित नियमों को बनाने के काम किया जाएगा और कर्मचारियों के पास एनपीएस यानी नेशनल पेंशन स्कीम या यूपीएस में रहने का विकल्प होगा।प्रधानमंत्री मोदी ने खुद ही अपने इस फैसले की तारीफ की और सरकारी कर्मचारियों द्वारा देश के लिए दिए जा रहे योगदान को रेखांकित किया है। वहीं अश्विनी वैष्णव ने इस मौके पर प्रधानमंत्री के लिए कसीदे पढ़ते हुए कहा कि पीएम मोदी कैसे काम करते हैं और विपक्ष कैसे काम करता है, इसमें अंतर है। विपक्ष के विपरीत, पीएम मोदी व्यापक विचार-विमर्श करने में विश्वास करते हैं। भारतीय रिजर्व बैंक और विश्व बैंक सहित सभी के साथ विस्तार परामर्श के बाद, समिति ने एक एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की है।यह समझना कठिन है कि अश्विनी वैष्णव या केंद्र सरकार के लिए ज्यादा जरूरी बात क्या है, सरकारी कर्मचारियों के हितों का ख्याल या प्रधानमंत्री मोदी की छवि को सुधारना। क्योंकि मोदी सरकार में यह अलग ही परिपाटी चल निकली है कि किसी भी फैसले के लिए नरेन्द्र मोदी की वाहवाही की जाए, मानो देश के लिए फैसले लेना उनकी जिम्मेदारी नहीं है और जब वो फैसले लेते हैं तो एहसान करते हैं। वहीं जब श्री मोदी अपने फैसलों से पलटते हैं तब उनका कोई मंत्री आकर यह कभी नहीं कहता कि खराब फैसले के लिए श्री मोदी जिम्मेदार हैं। तब ठीकरा फोड़ने के लिए नए सिर तलाशे जाते हैं।बहरहाल, ओपीएस की जगह यूपीएस लाकर मोदी सरकार ने यह साबित कर दिया है कि वह इस समय दबाव में ही चल रही है। कांग्रेस ने इसमें यू को यू टर्न से ही जोड़ा है। क्योंकि पेंशन के सवाल पर भाजपा पहले काफी घिर चुकी है। कई विधानसभा चुनावों में ओपीएस की मांग भाजपा पर भारी पड़ी और वहां कांग्रेस को फायदा हुआ। अब फिर से विधानसभा चुनावों का सिलसिला शुरु हो गया है, ऐसे में भाजपा अनुच्छेद 370 जैसे कार्ड के अलावा सरकारी कर्मचारियों को लुभाने वाले दांव चल रही है। 23 लाख सरकारी कर्मचारियों को फायदे की बात सरकार ने कही है, लेकिन इन्हीं कर्मचारियों में से अधिकतर ओपीएस की मांग भी कर रहे थे। दरअसल ओपीएस एक परिभाषित लाभ योजना है जो वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर समायोजन के साथ जीवन भर पेंशन के रूप में प्राप्त अंतिम वेतन के आधे हिस्से की गारंटी देती है। वहीं, एनपीएस एक परिभाषित योगदान योजना है जहां सरकारी कर्मचारी अपने मूल वेतन का 10 प्रतिशत योगदान करते हैं।

फैसला वापस लेने को मजबूर मोदी

राहुल गांधी ने पहले भारत जोड़ो यात्रा और उसके बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी जाति जनगणना का मुद्दा बड़ी मजबूती से उठाया था। इसका परिणाम यह हुआ कि नरेंद्र मोदी जनगणना से ही भागते रहे। प्रति दस साल बाद होने वाली जनगणना आज़ादी के बाद पहली बार अवरुद्ध हुई है। दरअसल, जाति जनगणना नरेंद्र मोदी के लिए आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति है। नरेंद्र मोदी अगर जाति जनगणना नहीं कराते हैं तो ओबीसी उनके हाथ से निकल जायेगा और अगर कराते हैं तो श्रेय राहुल गांधी को जाएगा।नरेंद्र मोदी अपने तीसरे कार्यकाल के दो महीने के भीतर तीन बड़े फैसले वापस लेने के लिए मजबूर हुए हैं। पहले, वक्फ़ बोर्ड संपत्ति मामले में बिल लाकर भारतीय जनता पार्टी ने मुस्लिम समाज को एक बार फिर से खलनायक बनाने की कोशिश की, लेकिन एनडीए के सहयोगी दलों खासकर चंद्रबाबू नायडू के विरोध और नीतीश कुमार की खामोशी के कारण नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे जेपीसी को सौंप दिया। जाहिर तौर पर अब इस बिल का ना तो वह स्वरूप होगा और ना ही इसके जरिए भारतीय जनता पार्टी हिंदू मुसलमान राजनीति करने में कामयाब हो सकेगी। इसके बाद नए ब्रॉडकास्ट बिल को लेकर नरेंद्र मोदी ने बहुत मजबूती के साथ कदम बढ़ाया लेकिन विपक्ष के दबाव और लगातार बढ़ती असहमतियों की आवाजों के कारण सरकार यह बिल संसद में पेश करने से पहले ही पीछे हट गई। इसके बाद 20 अगस्त को एक बहुत महत्वपूर्ण फैसला नरेंद्र मोदी ने वापस किया लिया।

दरअसल, 17 अगस्त को यूपीएससी की तरफ से जारी विज्ञापन में 24 विभागों की 45 उप सचिव, संयुक्त सचिव और निदेशक जैसे पदों के लिए लैटरल एंट्री का विज्ञापन जारी गया था। इसमें आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं था। लिहाजा, राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव, मायावती, मल्लिकार्जुन खड़गे और तेजस्वी यादव समेत समूचे इंडिया गठबंधन के दलों ने लैटरल एंट्री के विरोध में मोर्चा खोल दिया। इसके साथ-साथ एनडीए के घटक दल के सहयोगी चिराग पासवान ने खुलकर लैटरल एंट्री का विरोध किया और सरकार के समक्ष इस मुद्दे को उठाने का ऐलान किया। इसके बाद जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय प्रवक्ता केसी त्यागी ने लैटरल एंट्री का सधे शब्दों में विरोध किया और सरकार से इसे वापस लेने का अनुरोध करते हुए कहा कि इससे इंडिया गठबंधन को हमला करने का मौका मिलेगा। इसका परिणाम यह हुआ कि 20 अगस्त की दोपहर होते-होते केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह की तरफ से लैटरल एंट्री का निरस्त्रीकरण संबंधी पत्र जारी किया गया। इस पत्र के हवाले से जितेंद्र सिंह ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस बात को लेकर चिंतित हैं कि सिंगल पदों पर कोई आरक्षण का प्रावधान क्यों नहीं है। नरेंद्र मोदी चाहते

हैं कि लैटरल एंट्री में भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित हो। इस तरह यह फैसला भी वापस हो गया।

इस फैसले ने तय कर दिया है कि अब भारत की राजनीति का पहिया पूरी तरीके से घूम चुका है। पिछले एक दशक से चल रही कॉर्पोरेट हितैषी हिंदुत्व की राजनीति का समय अब समाप्त हो गया है। हालांकि, 2024 के लोकसभा चुनाव ने ही यह तय कर दिया था कि अब राजनीति दलितों-वंचितों के साथ सामाजिक न्याय के रथ पर सवार होकर आगे बढ़ रही है। नरेंद्र मोदी की हिंदुत्व की राजनीति के लिए अब कोई मौका नहीं है। ऐसे में उन्हें लगातार इस तरह के फैसले वापस लेने पड़ रहे हैं। अब जबकि हिंदुत्व की राजनीति का चक्र पूरा हो चुका है और राजनीति सामाजिक न्याय की धुरी पर आकर केंद्रित हो गई है, ऐसे में वे तमाम मुद्दे अब सामने आएंगे जिनसे नरेंद्र मोदी अब तक बचते रहे हैं। राहुल गांधी ने 20 अगस्त की शाम को ट्वीट करके लैटरल एंट्री की वापसी को संविधान की जीत बताया और जाति जनगणना तथा 50 फ़ीसदी आरक्षण की सीमा को खत्म करने की मांग दोहराई। जाहिर है कि राहुल गांधी का अगला कदम जाति जनगणना और आरक्षण की सीमा 50 फ़ीसदी को हटाए जाने की मुहिम होगी। नरेंद्र मोदी पिछले 4 साल से जाति जनगणना के मुद्दे से मुंह छुपा रहे हैं। 2020-21 में उन्हें एक मौका कोरोना की आपदा ने दिया था। कोरोना प्रोटोकॉल के नाम पर उन्होंने जनगणना को ही टाल कर दिया था। हालांकि इस दरमियान विधानसभा से लेकर पंचायत तक के चुनाव संपन्न हुए और खुद नरेंद्र मोदी ने सैकड़ों सभाएं कीं।राहुल गांधी ने पहले भारत जोड़ो यात्रा और उसके बाद भारत जोड़ो न्याय यात्रा में भी जाति जनगणना का मुद्दा बड़ी मजबूती से उठाया था। इसका परिणाम यह हुआ कि नरेंद्र मोदी जनगणना से ही भागते रहे। प्रति दस साल बाद होने वाली जनगणना आज़ादी के बाद पहली बार अवरुद्ध हुई है। दरअसल, जाति जनगणना नरेंद्र मोदी के लिए आगे कुआं और पीछे खाई जैसी स्थिति है। नरेंद्र मोदी अगर जाति जनगणना नहीं कराते हैं तो ओबीसी उनके हाथ से निकल जायेगा और अगर कराते हैं तो श्रेय राहुल गांधी को जाएगा। सवर्ण जातियां जाति जनगणना कतई नहीं चाहतीं। यही बीजेपी का आधार वोटबैंक हैं। लेकिन इसकी तादात 12-15 फीसदी से अधिक नहीं है। केवल सवर्णों के सहारे बीजेपी कभी चुनाव नहीं जीत सकती। जाति जनगणना का मुद्दा पहले बिहार में मुखर हुआ था।विपक्ष में रहे तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ मिलकर नरेंद्र मोदी से जाति जनगणना कराने का आग्रह किया। लेकिन जब बिहार में एनडीए की सरकार टूट गई और महागठबंधन की सरकार बनी, तो नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव की सरकार ने बिहार में जाति जनगणना और आर्थिक सर्वेक्षण कराया। बिहार में जो डेमोग्राफी सामने आई, उससे भारतीय जनता पार्टी के पैरों तले से जमीन खिसक गई। सवर्ण अगड़ी जातियों की संख्या को अभी तक जितना बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया था, उसकी कलई खुल गई। दूसरी तरफ भाजपा कुछ पिछड़ी और दलित जातियों पर आरोप लगाती रही है कि राजनीतिक प्रभुत्व के जरिए यादवों ने सरकारी नौकरियां ज्यादा हासिल की हैं। पिछड़ों के आरक्षण की मलाई अकेले यादव ही हड़प गए। लेकिन बिहार की जाति जनगणना ने स्पष्ट कर दिया कि सरकारी नौकरियों से लेकर संपत्ति और संसाधनों पर अगड़ी सवर्ण जातियों का कब्जा है। इससे भारतीय जनता पार्टी की यादव विरोधी मुहिम कमजोर पड़ती है और दूसरे अगड़ी जातियों की संपन्नता और सरकारी नौकरियों तथा संसाधनों पर वर्चस्व से अगड़ा और पिछला विभाजन ज्यादा मजबूत होता है। यह स्थिति भारतीय जनता पार्टी की राजनीति के लिए खतरनाक है।नरेंद्र मोदी के पास जाति जनगणना की क्या कोई काट मौजूद है? जाति जनगणना के बरक्स उनके पास केवल एक ट्रंप कार्ड है। रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट लागू करके नरेंद्र मोदी अति पिछड़ों को ओबीसी के भीतर अलग आरक्षण का प्रावधान कर सकते हैं। कर्पूरी ठाकुर के फार्मूले के अनुसार भी अति पिछड़ों को अलग आरक्षण दिया जाना चाहिए। यह सामाजिक न्याय के लिए जरूरी भी है। लेकिन समस्या यह है कि अभी पिछड़ों के लिए केवल 27 फ़ीसदी आरक्षण का प्रावधान है। मंडल कमीशन और सामाजिक न्याय का सिद्धांत कहता है कि पिछड़ों के लिए आबादी के अनुसार आरक्षण होना चाहिए। राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी के इस कार्ड को पहले ही भाँप लिया है। इसलिए उन्होंने 50 फ़ीसदी सीमा को हटाकर आरक्षण बढ़ाने की मांग की है।अगर नरेंद्र मोदी रोहिणी कमीशन की रिपोर्ट लागू करके अति पिछड़ों को अलग से आरक्षण का प्रावधान करते हैं तो निश्चित रूप से पिछड़ों की मजबूत जातियों की तरफ से आरक्षण की सीमा बढ़ाये जाने की मांग जोर पकड़ेगी। यह आंदोलन नरेंद्र मोदी के लिए बहुत मुश्किल साबित होगा। दरअसल, कुछ राज्यों में मजबूत पिछड़ी जातियां भारतीय जनता पार्टी का आधार हैं। जैसे उत्तर प्रदेश में जाट , गुर्जर, लोध और हरियाणा, महाराष्ट्र में यादव। यह मामला भी नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के लिए आगे कुआं और पीछे खाई वाली स्थिति है। इसीलिए इन दिनों भारतीय जनता पार्टी और खासकर आरएसएस ने अपने अनुषंगी संगठनों को दलित और पिछड़ों के बीच में धर्म सभाएं आयोजित करने के लिए सक्रिय कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी की मुश्किल यह है कि अगर राजनीति जाति और सामाजिक न्याय पर केंद्रित होती है तो उसके पास कोई नैरेटिव नहीं होगा। अगर नरेंद्र मोदी आरक्षण को बढ़ाते हैं और जाति जनगणना कराते हैं तो अगड़ी जातियां उनके हाथ से निकल सकती हैं। यह स्थिति नरेंद्र मोदी के लिए बेहद पेचीदा ही नहीं डरावनी भी है। इसीलिए इस समय नरेंद्र मोदी फैसला करके वापस लेने के लिए मजबूर हैं।

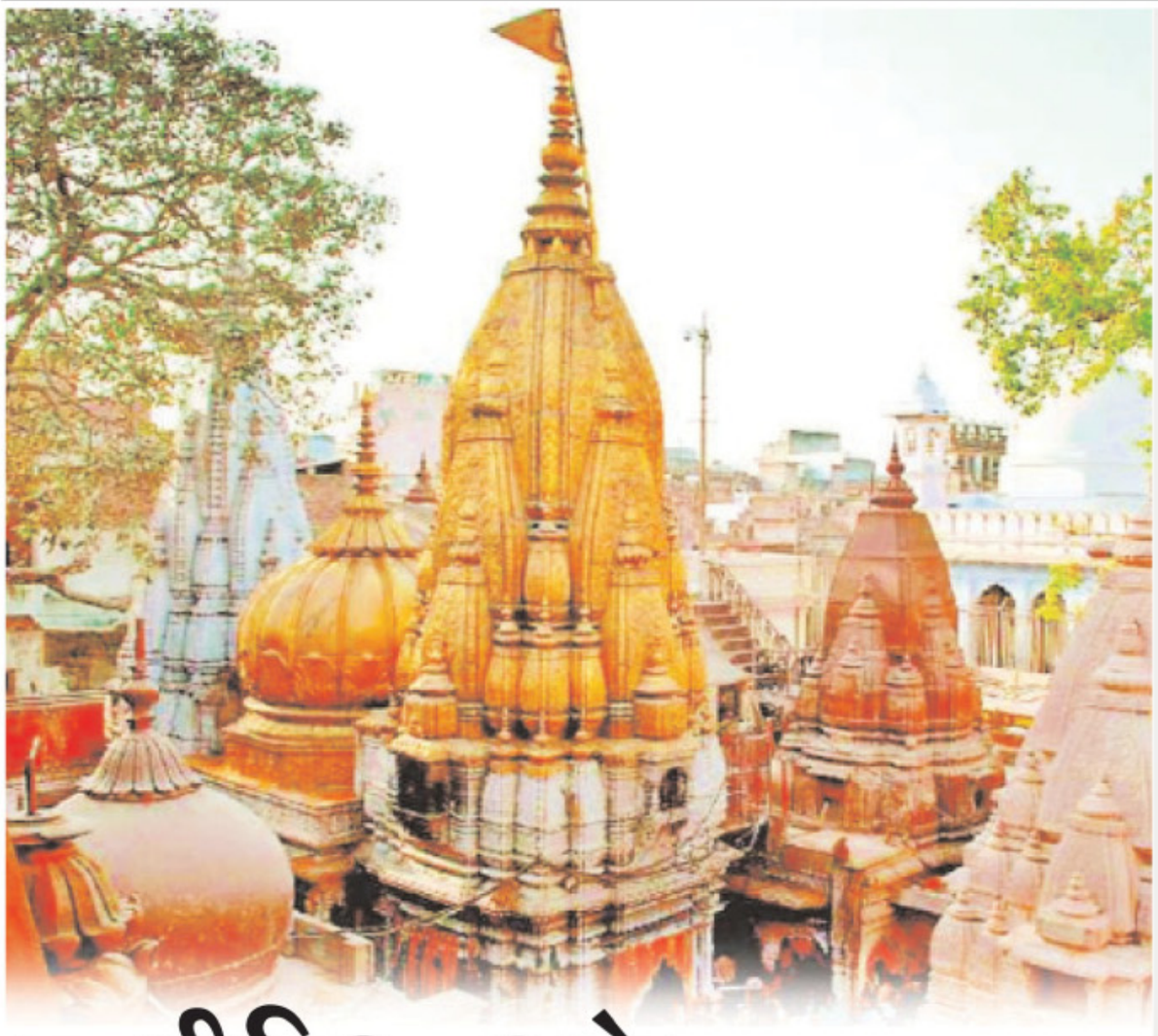

काशी विश्वनाथ के अनसुने रहस्य

बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक ज्योतिर्लिंग काशी में है जिसे बाबा विश्वनाथ कहते हैं। काशी को बनारस और वाराणसी भी कहते हैं। शिव और काल भैरव की यह नगरी अद्भुत है जिसे सप्तपुरियों में शामिल किया गया है। दो नदियों 'वरुणा' और 'असि' के मध्य बसे होने के कारण इसका नाम 'वाराणसी' पड़ा। आओ जानते हैं बाबा काशी विश्वनाथ के 10 अनसुने रहस्य।

त्रिशुल की नोक कर बसी है काशी

पुरी में जगन्नाथ है तो काशी में विश्वनाथ। भगवान शिव के त्रिशुल की नोक पर बसी है शिव की नगरी काशी।

भगवान शिव की सबसे प्रिय नगरी

भगवान शंकर को यह गद्दी अत्यन्त प्रिय है इसीलिए उन्होंने इसे अपनी राजधानी एवं अपना नाम काशीनाथ रखा है।

विष्णु की तभोभूमि

विष्णु ने अपने चिन्तन से यहां एक पुष्कर्णी का निर्माण किया और लगभग पचास हजार वर्षों तक वे यहां घोर तपस्या करते रहे।

सदाशिव ने की उत्पत्ति काशी की

शिवपुराण अनुसार उस कालरूपी ब्रह्म सदाशिव ने एक ही समय शक्ति के साथ 'शिवलोक' नामक क्षेत्र का निर्माण किया था। उस उत्तम क्षेत्र को 'काशी' कहते हैं। यहां शक्ति और शिव अर्थात कालरूपी ब्रह्म सदाशिव और दुर्गा यहां पति और पत्नी के रूप में निवास करते हैं।

ब्रह्मा विष्णु और महेष की उत्पत्ति

कहते हैं कि यहीं पर सदाशिव से पहले विष्णु, फिर ब्रह्मा, रुद्र और महेष की उत्पत्ति हुई।

काशी में मिलता है मोक्ष

ऐसी मान्यता है कि वाराणसी या काशी में मनुष्य के देहावसान पर स्वयं महादेव उसे मुक्तिदायक तारक मंत्र का उपदेश करते हैं। इसीलिए अधिकतर लोग यहां काशी में अपने जीवन का अंतिम वक्त बीताने के लिए आते हैं और मरने तक यहीं रहते हैं। इसके काशी में पर्याप्त व्यथा की गई है। यह शहर सुप्तमोक्षदायिनी नगरी में एक है।

उत्तरकाशी भी काशी

उत्तरकाशी को भी छोटा काशी कहा जाता है। ऋषिकेश उत्तरकाशी जिले का मुख्य स्थान है। उत्तरकाशी जिले का एक भाग बड़कोट एक समय पर गढ़वाल राज्य का हिस्सा था। बड़कोट आज उत्तरकाशी का काफी महत्वपूर्ण शहर है। उत्तरकाशी की भूमि सदियों से भारतीय साधु-संतों के लिए आध्यात्मिक अनुभूति की और तपस्या स्थली रही है। महाभारत के अनुसार उत्तरकाशी में ही एक महान साधु जड़ भारत ने यहां घोर तपस्या की थी। स्कंद पुराण के केदारखंड में उत्तरकाशी और भागीरथी, जाह्नवी व भीलगंगा के बारे में वर्णन है।

ज्योतिर्लिंग

द्वादश ज्योतिर्लिंगों में प्रमुख काशी विश्वनाथ मंदिर अनादिकाल से काशी में है। ह स्थान शिव और पार्वती का आदि स्थान है इसीलिए आदिलिंग के रूप में अविमुक्तेश्वर को ही प्रथम लिंग माना गया है। इसका उल्लेख महाभारत और उपनिषद में भी किया गया है। 1460 में वाचस्पति ने अपनी पुस्तक 'तीर्थ चिंतामणि' में वर्णन किया है कि अविमुक्तेश्वर और विशेश्वर एक ही शिवलिंग है।

विष्णु की पुरी

पुराणों के अनुसार पहले यह भगवान विष्णु की पुरी थी, जहां श्रीहरि के आनंदाश्रु गिरे थे, वहां बिंदु सरोवर बन गया और प्रभु यहां 'बिंधुमाधव' के नाम से प्रतिष्ठित हुए। महादेव को काशी इतनी अच्छी लगी कि उन्होंने इस पावन पुरी को विष्णुजी से अपने नित्य आवास के लिए मांग लिया। तब से काशी उनका निवास स्थान बन गई।

धनुषाकारी है यह नगरी

पतित पावनी भागीरथी गंगा के तट पर धनुषाकारी बसी हुई है जो पाप-नाशिनी है।

पूजाघर में रखी गरुड़ घंटी के राज

मंदिर के द्वार पर और विशेष स्थानों पर घंटी या घंटे लगाने का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। मंदिर या घर के पूजाघर में आपने देखा होगा गरुड़ घंटी को। आओ जानते हैं इस घंटी के राज और पूजाघर में रखने के 5 फायदे।

- हिंदू धर्म अनुसार सृष्टि की रचना में ध्वनि का महत्वपूर्ण योगदान मानता है। ध्वनि से प्रकाश की उत्पति और बिंदु रूप प्रकाश से ध्वनि की उत्पति का सिद्धांत हिंदू धर्म का ही है। इसीलिए घंटी रूप में ध्वनि को मंदिर या पूजाघर में रखा जाता है।
- जब सृष्टि का प्रारंभ हुआ तब जो नाद था, घंटी की ध्वनि को उसी नाद का प्रतीक माना जाता है।
- घटी के रूप में सृष्टि में निरंतर विद्यमा नाद ओंकार या की तरह है जो हमें यह मूल तत्व की याद दिलाता है।
- घंटियां 4 प्रकार की होती हैं :- 1.गरूड़ घंटी, 2. द्वार घंटी, 3 हाथ घंटी और 4.घंटा।
- गरूड़ घंटी छोटी-सी होती है जिसे एक हाथ से बजाया जा सकता है।
- द्वार घंटी द्वार पर लटकी होती है। यह बड़ी और छोटी दोनों ही आकार की होती है।
- हाथ घंटी पीतल की ठोस एक गोल प्लेट की तरह होती है जिसको लकड़ी के एक गद्दे से ठोककर बजाते हैं।
- घंटा बहुत बड़ा होता है। कम से कम 5 फुट लंबा और चौड़ा। इसको बजाने के बाद आवाज कई किलोमीटर तक चली जाती है।
- भगवान गुरुढ़ के नाम पर है गुरुढ़ घंटी जिस का मुख गुरुण के समान ही होता है। भगवान गरुड़ को विष्णु का वाहन और द्वारपाल माना जाता है। अधिकतर मंदिरों में मंदिर के बाहर आपको द्वार पर गरुड़ भगवान की मूर्ति मिलेगी। दक्षिण भारत के मंदिरों में अक्सर इसे देखा जा सकता है।
- घंटी या घंटे को काल का प्रतीक भी माना गया है। ऐसा माना जाता है कि जब प्रलय काल आएगा तब भी इसी प्रकार का नाद यानि आवाज प्रकट होगी

फायदे

- घंटी विशेष प्रकार का नाद होता है जो आसपास के वातावरण को शुद्ध करता है। इससे वातावरण हमेशा शुद्ध और पवित्र बना रहता है। ऐसा कहते हैं कि घंटी बजाने से वातावरण में एक कंपन पैदा होता है। इस कंपन के वायुमंडल में फैलने से जीवाणु, विषाणु इस तरह के सूक्ष्म जीव आदि नष्ट हो जाते हैं और वातावरण शुद्ध हो जाता है।
- घर के पूजाघर या मंदिर में प्रात: और संध्या को ही आरती करते वक्त घंटी बजाने का नियम है। वह भी लयपूर्ण। इससे हमारा मन शांत होकर तनाव हट जाता है।
- जिन स्थानों पर घंटी बजने की आवाज नियमित आती है वहां से नकारात्मक शक्तियां हटती है। नकारात्मकता हटने से समृद्धि के द्वारा खुलते हैं। इससे सभी तरह के वास्तुदोष भी दूर हो जाते हैं।
- स्कंद पुराण के अनुसार घंटी बजाने से मानव के सौ जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं।
- यह भी कहा जाता है कि घंटी बजाने से देवताओं के समक्ष आपकी हाजिरी लग जाती है।

कुल देवी या देवता को 4 उपाय से मनाएं और संकटों से मुक्ति पाएं

भारत में कई समाज या जाति के कुलदेवी और देवता होते हैं। भारतीय लोग हजारों वर्षों से अपने कुलदेवी और देवता की पूजा करते आ रहे हैं। हालांकि आजकल अधिकतर परिवार ने अपाने कुलदेवी और कुल देवताओं को पूजना या उनको याद करना छोड़ दिया है। संभवत: इसी के कारण वे घोर संकट में घिरे हुए हैं। यदि ऐसा है तो 4 उपाय करें और संकटों से मुक्ति पाएं।

- जन्म, विवाह आदि मांगलिक कार्यों में कुलदेवी या देवताओं के स्थान पर जाकर उनकी पूजा की जाती है या उनके नाम से स्तुति की जाती है। कुलदेवी की कृपा का अर्थ होता है सौ सुनार की एक लोहार की। बिना कुलदेवी कृपा के किसी के कुल का वंश ही क्या कोई नाम, यश आगे बढ़ नहीं सकता। अत: कुल देवी और देवता के लिए प्रतिदिन सुबह और शाम को भोग निकालें और उनके नाम का उच्चारण करें। स्थान का नाम भी नहीं मालूम हो तो तो हे माता कुलदेवी और कुलदेवता आपकी सदा विजयी हो। दुर्गा माता की जय, भैरू महाराज की जय।
- एक ऐसा भी दिन होता है जबकि संबंधित कुल के लोग अपने देवी और देवता के स्थान पर इकट्ठा होते हैं। जिन लोगों को अपने कुलदेवी और देवता के बारे में नहीं मालूम है या जो भूल गए हैं, वे अपने कुल की शाखा और जड़ों से कट गए हैं। कुलदेवी या कुल देवता के स्थान से आपके पूर्वजों का पता लगता है। जिसे यह नहीं याद है वे भैरू महाराज और दुर्गा माता के मंदिर में जाकर उनके नाम का भोज चढ़ाएं और पूजा करें।
- कुल देवी या देवता के स्थान पर जाकर एक साबूत नींबू लें और उसको अपने उपर से 21 बार वार कर उसे दो भागों में काटकर एक भाग को दूसरे भाग की दिशा में और दूसरे भाग को पहले भाग की दिशा में फेंक दें। इसके बाद कुलदेवी या देवता से क्षमा मांग कर वहां अच्छे से पूजा पाठ करें या करवाएं और सभी को दान-दक्षिणा दें।
- कुलदेवता की पूजा करते समय शुद्ध देसी घी का दीया, धूप, अगरबत्ती, चंदन और कपूर जलाना चाहिए साथ ही प्रसाद स्वरूप भोग भी लगाना चाहिए। कुलदेवता को चंदन और चावल का टीका अर्पण करते समय ध्यान रखें की टूटे हुए या खंडित चावल ना हो। कुलदेवता को हल्दी में लिपटे पीले चावल पानी में भिगोकर अर्पण करना शुभ माना जाता है। पूजा के समय पान के पत्ते का बहुत महत्व है जिसके साथ सुपारी, लौंग, इलायची और गुलकंद भी अर्पण करना चाहिए। कुलदेवी या देवता को पुष्प चढ़ाते हुए आपको इन्हें पानी में अच्छी तरह से धोना चाहिए। सभी देवी-देवताओं की पूजा जिस तरह सुबह-शाम की जाती है, उसी तरह कुलदेवी और देवता की पूजा भी दीपक जलाकर करनी चाहिए।

हिन्दू धर्म में क्यों महत्व है लाल रंग का

वैज्ञानिकों के अनुसार रंग तो मूलत: पांच ही होते हैं- कला, सफेद, लाल, नीला और पीला। काले और सफेद को रंग मानना हमारी मजबूरी है जबकि यह कोई रंग नहीं है। इस तरह तीन ही प्रमुख रंग बच जाते हैं- लाल, पीला और नीला। आपने आग जलते हुए देखी होगी- उसमें यह तीन ही रंग दिखाई देते हैं। हिन्दू धर्म में इन तीनों ही रंगों को महत्व है, क्योंकि इन्हीं में हरा, केसरिया, नारंगी आदि रंग समाए हुए हैं। लाल रंग के अंतर्गत सिंदुरिया, केसरिया या भगवा का उपयोग भी कर सकते हैं।

- हिन्दू धर्म अनुसार लाल रंग उत्साह, सौभाग्य, उमंग, साहस और नवजीवन का प्रतीक है। लाल रंग उग्रता का भी प्रतीक है।
- यह रंग अग्नि, रक्त और मंगल ग्रह का रंग भी है।
- हिन्दू धर्म में विवाहित महिला लाल रंग की साड़ी और हरी चूड़ियां पहनती है।
- प्रकृति में लाल रंग या उसके ही रंग समूह के फूल अधिक पाए जाते हैं।
- लाल रंग माता लक्ष्मी को पसंद है। मां लक्ष्मी लाल वस्त्र पहनती हैं और लाल रंग के कमल पर शोभायमान रहती हैं।
- रामभक्त हनुमान को भी लाल व सिन्दूरी रंग प्रिय हैं इसलिए भक्तगण उन्हें सिन्दूर अर्पित करते हैं।
- मां दुर्गा के मंदिरों में आपको लाल रंग की ही अधिकता दिखाई देगी।
- लाल के साथ भगवा या केसरिया सूर्योदय और सूर्यास्त का रंग भी है।
- यह रंग चिरंतन, सनातनी, पुनर्जन्म की धारणाओं को बताने वाला रंग है।
- विवाह के समय दुल्हन लाल रंग की साड़ी ही पहनती है और दूल्हा भी लाल या केसरी रंग की पगड़ी ही धारण करता है, जो उसके आने वाले जीवन की खुशहाली से जुड़ी है।
- केसरिया रंग त्याग, बलिदान, ज्ञान, शुद्धता एवं सेवा का प्रतीक है। शिवाजी की सेना का ध्वज, राम, कृष्ण और अर्जुन के रथों के ध्वज का रंग केसरिया ही था। केसरिया या भगवा रंग शौर्य, बलिदान और वीरता का प्रतीक भी है।
- सनातन धर्म में केसरिया रंग उन साधु-संन्यासियों द्वारा धारण किया जाता है, जो मुमुक्षु होकर मोक्ष के मार्ग पर चलने लिए कृतसंकल्प होते हैं। ऐसे संन्यासी खुद और अपने परिवारों के सदस्यों का पिंडदान करके सभी तरह की मोह-माया त्यागकर आश्रम में रहते हैं। भगवा वस्त्र को संयम, संकल्प और आत्मनियंत्रण का भी प्रतीक माना गया है।

तुंगविद्या की वीणा की धुन पर नाचते थे श्रीकृष्ण

पौराणिक ग्रंथों के अनुसार श्रीजी राधारानी की 8 सखियां थीं। अष्टसखियों के नाम हैं- 1.ललिता, 2.विशाखा, 3.चित्रा, 4. इंदुलेखा, 5.चंपकलता, 6.रंगदेवी, 7.तुंगविद्या और 8.सुदेवी। राधारानी की इन आठ सखियों को ही ''अष्टसखी'' कहा जाता है। श्रीधाम वृंदावन में इन अष्टसखियों का मंदिर भी स्थित है। आओ इस बार जानते हैं तुंगविद्या के बारे में संक्षिप्त जानकारी।

- सखी तुंगविद्या नृत्य तथा गायन करके श्रीराधा और कृष्ण का मनोरंजन करती हैं।
- इन्हें माता पार्वती गौरी मां का अवतार माना जाता है।
- तुंगविद्या सखी 18 वेद विद्याओं में पारंगत है।
- ये वीणा बजाना भी जानती हैं और नाट्यशास्त्र एवं रसशास्त्र में भी कुशल है।
- इनकी माता का नाम मेघा, पिता का नाम पुष्कर और पति का नाम बालिश है। कुछ जगहों पर इनके पिता का नाम अंगद एवं माता का नाम ब्रह्मकर्णी बताया जाता है।
- कहते हैं कि श्रीकृष्ण तुंगविद्या की विणा पर नाचते थे।
- बरसाना से दक्षिण दिशा में छह किलोमीटर दूर सखी तुंग विद्या का गांव डभाला है। वही बरसाना से 8 किलोमीटर दक्षिण दिशा में स्थित राकोंली गांव रंगदेवी सखी का गांव है।
- पहाड़ी पर इनका मंदिर है। तुंगविद्या सखी पीले रंग के परिधान धारण कर भक्तों को दर्शन देती हैं।
- इनका जन्म भाद्रपद शुक्लपक्ष पंचमी को हुआ था।
- राधाजी से पांच दिन छोटी हैं रंगदेवी और तीन दिन बढ़ी है तुंग विद्या।

चरणामृत सेवन के चमत्कारिक फायदे

हिन्दू धर्म में पंचामृत या चरणामृत के साथ तुलसी का सेवन जरूरी है। हर मंदिर में आपको चरणामृत तो मिलेगा पर पंचामृत कम ही मिलेगा। पंचामृत किसी तीज त्योहार पर बनाया जाता है। हालांकि कुछ मंदिरों में प्रतिदिन ही पंचामृत का प्रसाद बंटता है। आओ जानते है कि क्या है चरणामृत सेवन के लाभ।

कैसे बनता चरणामृत : तांबे के बर्तन में चरणामृतरूपी जल रखने से उसमें तांबे के औषधीय गुण आ जाते हैं। चरणामृत में तुलसी पत्ता, तिल और दूसरे औषधीय तत्व मिले होते हैं। मंदिर या घर में हमेशा तांबे के लोटे में तुलसी मिला जल रखा ही रहता है।

चरणामृत लेने के नियम : चरणामृत ग्रहण करने के बाद बहुत से लोग सिर पर हाथ फेरते हैं, लेकिन शास्त्रीय मत है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इससे नकारात्मक प्रभाव बढ़ता है। चरणामृत हमेशा दाएं हाथ से लेना चाहिए और श्रद्धाभक्तिपूर्वक मन को शांत रखकर ग्रहण करना चाहिए। इससे चरणामृत अधिक लाभप्रद होता है।

चरणामृत सेवन के **चमत्कारिक फायदे**:

- शास्त्रों में कहा गया है- अकालमृत्युहरणं सर्वव्याधिविनाशनम्। विष्णो पादोदकं पीत्वा पुनर्जन्म न विद्यते।।

अर्थात : भगवान विष्णु के चरणों का अमृतरूपी जल सभी तरह के पापों का नाश करने वाला है। यह औषधि के समान है। जो चरणामृत का सेवन करता है उसका पुनर्जन्म नहीं होता है।

- चरणामृत का जल का सेवन करने से कभी भी कैंसर नहीं होगा और न ही किसी भी प्रकार का अन्य रोग।
- तुलसी का पौधा एक एंटीबायोटिक मेडिसिन होता है। इसके सेवन से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता में बढ़ोतरी होती है, बीमारियां दूर भागती हैं और शारीरिक द्रव्यों का संतुलन बना रहता है।
- आयुर्वेद की दृष्टि से चरणामृत स्वास्थ्य के लिए बहुत ही अच्छा माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार तांबे में अनेक रोगों को नष्ट करने की क्षमता होती है।
- आयुर्वेद के अनुसार यह पौरूष शक्ति को बढ़ाने में भी गुणकारी माना जाता है।
- तुलसी के इस रस से कई रोग दूर हो जाते हैं और इसका जल मस्तिष्क को शांति और निश्चिंतता प्रदान करता हैं।
- स्वास्थ्य लाभ के साथ ही साथ चरणामृत बुद्धि, स्मरण शक्ति को बढ़ाने भी कारगर होता है।

मधुमेह के खतरे को 6 गुना बढ़ा देता है जरुरत से ज्यादा मोटापा

मोटापे के कारण टाइप-2 मधुमेह और दिल की बीमारियों का खतरा छह गुना बड़ा जाता है। मोटापा के अलावा जेनेटिक कारण और खराब जीवनशैली के कारण भी टाइप-2 मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है।

एक हालिया शोध में यह जानकारी सामने आई है, जिसे स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ द डायबिटीज के सलाना बैठक में प्रस्तुत किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन के नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन सेंटर फॉर बेसिक मेटाबोलिज्म रिसर्च की हरमीना याकोपोविच और उनके सहकर्मी ने इस शोध को पेश किया था।

खराब जीवनशैली परेशानी का सबब

खराब जीवनशैली, मोटापा और आनुवंशिकता टाइप-2 मधुमेह के विकसित होने का अहम कारण हैं। दुनियाभर में यह तेजी से फैल रही एक आम स्वास्थ्य समस्या है।

क्या कहते हैं आंकड़े

आंकड़ों के अनुसार, अकेले भारत में ही करीब 10 लाख लोग टाइप-2 मधुमेह का शिकार हैं। टाइप-2 मधुमेह को रोकने की वर्तमान रणनीति के में शरीर के वजन को सामान्य रखने और स्वस्थ जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मधुमेह के मरीजों को सबसे बढ़ा खतरा बढ़ते वजन के कारण होता है।

रोजाना एक चम्मच त्रिफला चूर्ण खाकर कम करें पेट की चर्बी

त्रिफला क्या है: त्रिफला या त्रिफला चूर्ण जो कि आंवला, हरद और बहेड़ा के अवयवों से मिलकर बना होता है। चूर्ण को बनाने से पहले तीनों अवयव को धूप में सुखाकर चूर्ण बनाया जाता है। वैसे तो ये तीनों चीजें शरीर के लिए बहुत लाभदायक होते हैं मगर त्रिफला के चूर्ण के फायदे अनेक है। त्रिफला कब्ज से राहत दिलाता है, हाजमे की शक्ति को ठीक करता है, चयापचय (metabolism) को बढ़ाता है, दृश्यशक्ति को बढ़ाता है, शरीर के टॉक्सिन को बाहर निकालता है। आयुर्वेद के अनुसार यह शरीर से अतिरिक्त कफ को संतुलित करता है। वात दोष को आसानी से ठीक करता है त्रिफला, जानें कैसे

कैसे काम करता है त्रिफला: डीएआरयू जर्नल ऑफ फार्मसूटिकल साइंस के अध्ययन के प्रकाशन के अनुसार त्रिफला वजन घटाने की प्रक्रिया को गति देता है। अध्ययन के तथ्य के अनुसार 5 ग्राम त्रिफला के सेवन से कुछ ही हफ्तों में वजन घटाया जा सकता है। साथ ही आपको यह जानकर खुशी होगी कि आपकी मोटी कमर भी पतली हो सकती है। इसका कोई साइडइफेक्ट भी नही है।

त्रिफला का इस्तेमाल कैसे करें : एक छोटा चम्मच (5 ग्राम) त्रिफला चूर्ण के मिश्रण में एक चम्मच शहद मिलाकर कुछ दिनों तक इसका सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

ऐसे बनाएं मिश्रण: एक छोटा चम्मच त्रिफला पाउडर लें और उसको एक बर्तन में 200 मिलीलीटर पानी लेकर रातभर भिगोकर रखें (8 घंटे तक)। अगले दिन सुबह इस मिश्रण को तब तक उबालें जब तक कि पानी आधा न हो जाय। आंच से उतारकर पीने लायक ठंडा होने के लिए रख दें। इससे पावडर तलहट में बैठ जाएगा। अब पानी को निथार लें या छानकर उसमें एक चम्मच शहद डालकर रोज सुबह खाली पेट पियें।

रेसिपी

वेज बेसन चीला

सामग्री

■ बेसन- 2 कप ■ लौकी- 1 कप (कद्दूकस की हुई) ■ शिमला मिर्च- 2 टेबलस्पून (बारीक कटी) ■ सूजी- आधा कप ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून ■ हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी) ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- सेंकने के लिए

विधि

मिक्सिंग बाउल में बेसन, सूजी और पानी को डालकर बैटर बना लें। ध्यान रखें कि पानी थोड़ा-थोड़ा करके डालें जिससे बैटर ज्यादा पतला न हो और न ही गाढ़ा। फिर इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, हरी मिर्च, प्याज, शिमला मिर्च, लौकी और हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब मीडियम आंच पर एक तवा गरम करें और गरम होते ही इसमें थोड़ा सा तेल डालें और तवे के चारों तरफ फैला लें। तेल जैसी ही गरम हो जाए, तवे पर बैटर को राउंड शेप में बाहर से अंदर की ओर डालें। एक साइड से सिकने के बाद इसके चारों तरफ थोड़ा सा तेल डालें। फिर पलटकर दूसरे साइड से हल्का ब्राउन होने तक सेंक लें। इसे एल्यूमीनियम फ्वॉयल में रैप करके सॉस के साथ टिफिन में रखें।

ओट्स एंड वॉलनट बार्स

सामग्री

■ ओट्स- 1/4 कप (क्विक कुकिंग रोल्ड) ■ अखरोट- 1/4 कप (बारीक कटे) ■ कॉर्नफ्लैक्स- 5 टेबलस्पून (क्रश किए) ■ आटा- 3/4 कप ■ बेकिंग पाउडर- 1/4 टीस्पून ■ बेकिंग सोडा- 1/2 टीस्पून ■ बटर- 1/4 कप ■ ब्राउन शुगर- 1/4 कप ■ कंडेंस्ड मिलक- 1/4 कप ■ वनीला एसेंस- 1/2 टीस्पून ■ चॉकलेट जेम्स- 1/4 कप ■ नमक- एक चुटकी ■ मेल्ट बटर- 2 टीस्पून

विधि

आटा, बेकिंग पाउडर और सोडा को मिक्स कर लें। 1/4 कप बटर और ब्राउन शुगर को एक बाउल में अच्छे से फेंट लें। ओवन को 180 डिग्री पर प्री-हीट कर लें। ब्राउन शुगर में कॉर्नफ्लैक्स, ओट्स, अखरोट, कंडेंस्ड मिल्क, वनीला एसेंस, चॉकलेट जेम्स डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें आटे का मिक्सचर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। नीचे से अलग होने वाले केक टिन को थोड़ा सा बटर लगाकर चिकना कर लें और बार्स के मिक्सचर को इसमें डालकर चारों तरफ से अच्छी तरह से फैला दें। प्री-हीट ओवन में 180 डिग्री पर 30 मिनट के लिए बेक कर लें। फिर इसे मनचाहे शेप के बार्स में काट लें और पूरी तरह से ठंडा कर लें और लंच बॉक्स में रखकर बच्चों को दें।

मधुमेह की दवा दिमागी चोट का भी करेगी इलाज

आज तक आप शुगर की दवा शरीर में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित रखने के लिए खाते रहे होंगे। लेकिन अब यह आपके शरीर में इंसुलिन को कंट्रोल करने के साथ-साथ दिमागी चोट का भी इलाज कर सकेगी।

जी हां हाल ही हुआ एक शोध ऐसा ही कुछ दावा करता है। आइए जानते हैं आखिर क्या है यह पूरा शोध? शुगर की दवा पर हुए इस नए अध्ययन में पाया गया कि मधुमेह की दवा मस्तिष्क की चोटों को ठीक कर सकती है और नई कोशिकाओं को विकसित करने में भी मदद करती है। दवा से जुड़ा यह अध्ययन सबसे पहले मादा चूहों पर करके देखा गया था। जिसमें पता चला कि यह दवा सिर्फ महिलाओं पर ही काम कर सकती है। आइए जानते हैं इस दवा की क्या है खासियत।

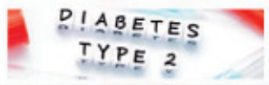

शोध — **सिर्फ महिलाओं पर होगा असर**

बुद्धिमता में करती है सुधार

वैज्ञानिकों ने इसमें पाया कि टाइप 2 मधुमेह के उपचार में इस्तेमाल होने वाली मेटफोर्मिन नामक दवा मस्तिष्क में स्टेम कोशिकाओं को सक्रिय करती है, जिससे बुद्धिमता में सुधार होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह दवा केवल मादा चूहों में काम करती है क्योंकि सेक्स हार्मोन एस्ट्राडियोल (अंडाशय में उत्पादित एक प्रमुख एस्ट्रोजन) मेटाफार्मिन की प्रतिक्रिया से स्टेम सेल्स की क्षमता को बढ़ाते हैं। ओंटारियो की टोरंटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कहा, यह दवा मस्तिष्क की चोटों और स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी व अल्जाइमर रोग से मस्तिष्क में होने वाली क्षति के इलाज में मददगार हो सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2569

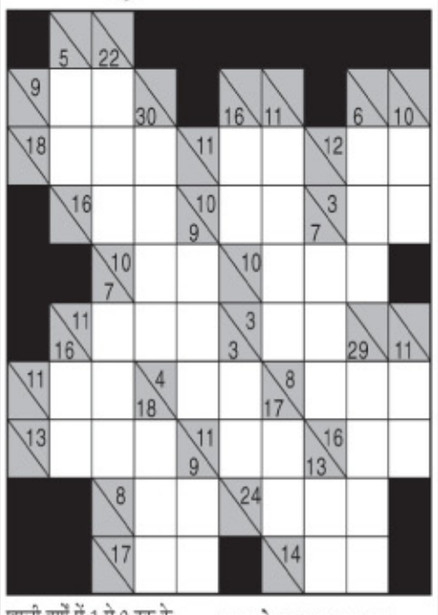

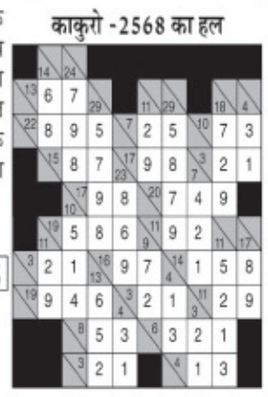

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो -2568 का हल

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरा अपने बीमार मित्र को देखने जा रहा था. रास्ते में वह मन ही मन सोचने लगा कि ज्यादा बातें करुंगा तो कुछ का कुछ सुनाई देगा इसलिए कम से कम बोलूंगा. सबसे पहले पूछूंगा कि तबीयत कैसी है? मित्र कहेगा ठीक है. फिर पूछूंगा कि किसकी दवा चल रही है? वह डॉक्टर का नाम बता देगा. सोचते-सोचते बीमार का घर आ गया. मित्र से मिलते ही बहरा बोला, 'कहो कैसी तबीयत है?'

बीमार- 'मर रहा हूं.'

बहरा - अगछा ही है. भगवान करे ऐसा ही हो. दवा किसकी चल रही है?

बीमार - यमराज की.

बहरा - अच्छा डॉक्टर है, खाने को क्या बताया है?

बीमार - पत्थर.

बहरा - ठीक है, पचने में हल्के होते हैं.

☺ ☺ ☺

मैनेजर ने अपने एक कर्मचारी के पिता को बुलाकर कहा- आपका लड़का ऐसे काम कर रहा है, जैसे दस वर्ष से नौकरी कर रहा हो.

कर्मचारी के पिता ने पूछा- क्या वह इतने कम दिनों में ही अच्छा काम करना सीख गया है?

'जी नहीं, वह इतना अधिक आलसी हो गया है.' मैनेजर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2569

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्ट की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याइला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज बाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री की 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पल्लवी, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल माँगूं ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2568

सूडोकु -2569

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2568 का हल

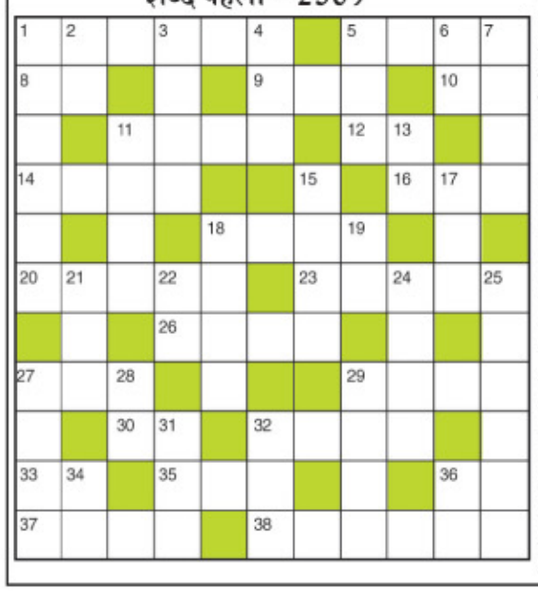

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 2569

बाएँ से दाएँ

1.जो आदरणीय न हो-6
5.अनुक्षेपक,अंश -4
8.साथ-2
9.छोटी तलवार-3
10.विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11.दुश्मनी-4
12.इस जगह-2
14.अनवरत-4
16.लाचार,बेबस-3
18.धुलाई करना-4
20.न्यूनता,निम्नता-5
23.समुद्री यात्री-5
26.पूंजी,संपत्ति-4
27.असंयमी,स्वच्छंद-3
29.वन में रहनेवाला-4
30.उम्मीद,आशा-2
32.सौंठ,एक कंद-4
33.जोर,बल-2
35.बसंतकाल-3
36.जोश,उग्रता-2
37.पाताल-4
38.सभ्य,होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1.जो संवैधानिक न हो-6
2.सांप,सर्प-2
3.दानेदार-4
4.जिगर,कलेजा-3
5.प्रेम,प्यार-3
6.पंख,पराया-2
7.मरियल, निर्बल-4
11.शत्रुता,वैमनस्यता (उर्दू-4)
13.शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15.सुस्त,उनींदा-4
17.पदक-3
18.विश्वासघात-4
19.बहुमूल्य पत्थर-2
21.रानी,शहजादी-3
22.फलों का जूस-2
24.कुतरने वाला-4
25.मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27.अपमान,उपेक्षित-4
28.पिता की बहन-2
29.सुखद वस्तु, ईष्ट कृपा, नेमत-4
31.बलवान-3
32.प्रार्थना-3
34.तिल,मस्सा-2
36.52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -2568 का हल

जयशंकर को 9वीं भारत-ब्राजील संयुक्त आयोग बैठक में सकारात्मक चर्चा की आशा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो वियरा का स्वागत किया और कहा कि वह अपने ब्राजीली समकक्ष के साथ सकारात्मक चर्चा की आशा करते हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो वियरा का स्वागत करते हुए प्रसन्नता हो रही है। 9वीं भारत-ब्राजील संयुक्त आयोग बैठक में सकारात्मक चर्चा की आशा है। उल्लेखनीय है कि ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो वियरा 28 अगस्त तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। वे शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे।

झारखंड के कई जिलों में भूकंप के झटके

रांची (झारखंड)। राज्य के कई जिलों में देर रात भूंकप के झटके महसूस किये गए। ये झटके संताल परगना वाले इलाकों पाकुड़, दुमका, देवघर, साहिबगंज के कई इलाकों में महसूस किये गये। भूकंप की तीव्रता की गति 3.9 मापी गयी है, जिसका केंद्र पाकुड़ बताया जा रहा है। हालांकि, इन झटकों से किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। जानकारी के अनुसार, 12 बजकर 39 मिनट पर पाकुड़ के इलाके में भू प के झटके महसूस किये गये, जिसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इस दौरान लोग सो रहे थे। इसलिए बहुतों को इसके बारे में जानकारी नहीं हुई। मंगलवार को सुबह जब लोग जागे तो उन्हें घटना की जानकारी मिली। इसके बाद से लोग सोशल मीडिया पर इससे संबंधित खबरें पोस्ट कर रहे हैं।

बिहार के भागलपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की आधी रात महसूस किये गये भूकंप के झटके

पटना। बिहार में आधी रात लगभग 12:50 बजे भूकंप के झटके महसूस किये गये। भूकंप का केन्द्र केंद्र झारखंड के संथाल परगना जिले के रामगढ़ में था, जो कि भागलपुर से 200 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में आता है। इसलिए भूकंप के झटके अनुभव बिहार के भागलपुर और आसपास के क्षेत्रों में महसूस किए गए, जिसका भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.5 मापी गई। हालाँकि, भूकंप का असर बहुत ज्यादा नहीं था। किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं मिली। जिन्हें झटके महसूस हुए वो घरों से बाहर निकल गए।

भागलपुर में देर रात करीब 12:50 बजे लोगों को कंपन महसूस हुआ। जन्माष्टमी के जश्न के बीच यह भूकंप आया और अधिकांश लोग उस समय सो रहे थे या मंदिरों में जागरण कर रहे थे। कुछ लोगों ने हल्के झटके महसूस किए और इसके बारे में सोशल मीडिया पर जानकारी साझा की। भूकंप से अब तक कोई नुकसान की खबर नहीं है।

दौसा ; वीर सिपाही प्रहलाद सिंह की मूर्ति का पुलिस लाइन में अनावरण किया गया

दौसा। बाइक चोरों से मुठभेड़ में अपनी जान गंवाने वाले पुलिस के वीर सिपाही प्रहलाद सिंह की मूर्ति का पुलिस लाइन में अनावरण किया गया। एसपी रंजीता शर्मा, एएसपी लोकेश सोनवाल, डीएसपी रवि प्रकाश शर्मा सहित पुलिस के अधिकारियों ने शहीद प्रहलाद सिंह की मूर्ति का अनावरण किया। इस दौरान अधिकारियों व जवानों ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। 23 अगस्त 2023 को सिकंदरा थाना क्षेत्र के रेट गांव में बाइक चोरों से मुठभेड़ के दौरान प्रहलाद सिंह के सिर में गोली लगी थी। प्रहलाद सिंह का 25 अगस्त को जयपुर के एसएमएस हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया था। नीम का थाना के चिपलाटा गांव के रहने वाले प्रहलाद सिंह के परिजन और रिश्तेदार भी इस कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जन्माष्टमी के दूसरे दिन योगी ने की गोसेवा

एजेंसी

गोरखपुर। अनुशासन प्रिय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व्यस्त दिनचर्या के बावजूद ईश्वर की आराधना और गोसेवा के लिये समय निकाल ही लेते हैं। बंशीधर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद योगी ने मंगलवार की शुरुआत गोरखनाथ मंदिर में गोसेवा से की।

रात गोरखनाथ मंदिर में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाने के बाद श्री योगी ने आजसुबह मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोशाला का भ्रमण कर गोवंश का हाल जाना और उन्हें खूब दुलारकर अपने हाथों से गुड़ और केला खिलाया।

देर रात तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी अनुष्ठान में व्यस्त रहने के बावजूद मंगलवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में सीएम योगी की दिनचर्या परंपरागत रही। उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। सीएम योगी

जब भी गोरखनाथ मंदिर में होते हैं तो गोसेवा उनकी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा रहती है। मंगलवार सुबह वह मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए मंदिर की गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में योगी ने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। उनकी आवाज इन गोवंश के लिए जानी पहचानी है। प्यार भरी पुकार सुनते ही कई गोवंश दौड़ते-मचलते हुए उनके पास आ गए। मुख्यमंत्री ने सभी के माथे पर हाथ फेरा, उन्हें खूब दुलारा और अपने हाथों से उन्हें गुड़ और केला खिलाया। मुख्यमंत्री ने गोशाला के कार्यकर्ताओं से सभी गोवंश के स्वास्थ्य व पोषण की जानकारी ली और देखभाल के लिए जरूरी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर ने मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान परिजनों के साथ आए बच्चों पर भी खूब प्यार लुटाया। मंदिर परिसर में भ्रमण के दौरान ही मुख्यमंत्री की नजर परिजनों के साथ आए बच्चों पर पड़ी तो उन्होंने सबको अपने पास बुला लिया।

सभी बच्चों से उनका नाम पूछा, कहां से आए हैं और किस क्लास में पढ़ते हैं, इसकी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बच्चों से बेहद आत्मीय तरीके से संवाद करने के साथ उनसे हंसी ठिठोली भी की। सबके माथे पर हाथ फेरकर प्यार-दुलार और आशीर्वाद दिया कि खूब मन लगाकर पढ़ो और खूब आगे बढ़ो। विदा करते वक्त हमेशा की तरह उन्होंने बच्चों को चॉकलेट गिफ्ट किया।

केरल के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मुलाकात की

एजेंसी

नई दिल्ली। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मंगलवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक्स पर दोनों नेताओं की मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए पोस्ट किया, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की।

केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के अनुसार इस बैठक में भूस्खलन से प्रभावित वायनाड के पुनर्वास पर चर्चा की गई। उन्होंने केंद्र द्वारा मांगा गया एक अतिरिक्त, विस्तृत ज्ञापन भी प्रधानमंत्री को सौंपा।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष का हंगामा, जयराम ठाकुर बोले- ध्वस्त हो गई कानून व्यवस्था

एजेंसी

शिमला । हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र मंगलवार से शुरु हो गया है। मानसून सत्र की कार्यवाही के पहले दिन विपक्ष ने कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर सदन से वॉकआउट कर दिया।

जानकारी के अनुसार, विपक्ष ने प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यस्था को लेकर नियम 67 के तहत चर्चा की मांग की थी। लेकिन, विधानसभा अध्यक्ष ने चर्चा के लिए मंजूरी नहीं दी। इसके बाद विपक्ष ने सदन से वॉकआउट कर दिया। पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने हिमाचल सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान पहले दिन नियम 67 के तहत चर्चा की मांग थी। एक दिन पहले बद्दी में जो घटना हुई, उससे सभी वाकिफ हैं। 14-15 लोगों ने तीन लड़कों की बेरहमी से पिटाई की। इनमें से एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दो युवकों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्रदेश में घटित हुई ये कोई इकलौती घटना नहीं है, बल्कि इससे पहले भी ऐसे ही कई मामले सामने आए। जयराम ठाकुर ने सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा, आप देख सकते हैं कि पिछले पौने दो साल के कार्यकाल में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। बिलासपुर में कोर्ट के बाहर गोलियों चलती हैं। पंजाब से कुछ गुंडे यहां किराए पर लाए गए और इस गोलीकांड के पीछे पूर्व विधायक के बेटे का नाम सामने आया।

जिस तरह से अनेकों घटनाएं हिमाचल में सामने आई हैं, उसके बाद कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठना लाजिमी हैं। उन्होंने कहा, हिमाचल प्रदेश में अब कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं बची है। यहां की सरकार ने पुलिस को किसी और काम में लगा रखा है। भाजपा के विधायकों को प्रताड़ित करना और उनके फोन की रिकॉर्डिंग करना, सरकार ने पुलिस को इसी काम में लगाकर रखा है। हिमाचल प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र दो सप्ताह तक चलेगा।

नंद के आनंद भयौ से गूंजा मथुरा

एजेंसी

मथुरा। भगवान श्रीकृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव ब्रज में मनाया गया। यहां के प्रमुख मंदिरों में मध्यरात्रि 12 बजे कान्हा, जिसे लाड से 'लल्ला' कहा जाता है का जन्म हुआ। इस अवसर पर ब्रज की गली-गली 'नंद के आनंद भयो ... हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की' से गूंज उठी। जन्मोत्सव का साक्षी बनने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालुओं की भारी भीड़ पहुंची। मथुरा के प्रमुख मंदिर दुल्हन की तरह सजे दिखाई दिए। मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान मंदिर पर मुख्य आयोजन हुआ। इसके अलावा देश भर के मंदिरों में जन्माष्टमी धूमधाम से मनाई गई। अजन्मे के 5251वें जन्मोत्सव को लेकर समूचा ब्रज मंडल सुबह से ही उस क्षण के इंतजार में श्रीकृष्ण जन्मस्थान और द्वारिकाधीश मंदिर के संपर्क मार्गों पर उमड़ा था, जिस क्षण आधीरात में कान्हा के जन्मोत्सव में भागीदारी का पुण्यलाभ मिल सके। मंदिर श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर भोर की पहली किरण के साथ ही श्रद्धालुओं की लम्बी-लम्बी कतारें जन्मस्थान के द्वार पर लगी हुई थी। जन्मस्थान पर श्रद्धालुओं के उमड़े सैलाब के समक्ष व्यवस्थाएं बौनी साबित होती

दिखी, लेकिन यह कान्हा का ही अदभुत नजारा था कि उसकी आस्था में बंधे लाखों भक्तों ने अनुशासित रहकर व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए आधी रात के बाद तक भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का आनंद लिया। जन्मस्थान पर जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ सोमवार की सुबह भगवान की मंगला आरती के साथ शुरू हुआ। प्रातः नौ बजे से जन्मस्थान के लीला मंच पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा के सानिध्य में मधुर व सुंदर भजन गायन का आयोजन हुआ। भजनों पर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे। सायं चार बजे से पुनः लीलामंच पर भक्ति रस की गंगा प्रवाहित हुई तथा श्रद्धालुओं ने भजनों का रसास्वादन किया। जिस क्षण के इंतजार में करोडों श्रद्धालु प्रतीक्षा करते हैं वह अलौकिक कार्यक्रम रात्रि 11 बजे से शुरू हुआ। 11 बजे श्रीगणेश-नवग्रह आदि का पूजन शुरू हुआ। रात्रि 11:55 बजे 1008 कमल-पुष्पों से ठाकुरजी का सहर्चन किया गया और ठीक 12 बजे भगवान के प्राकट्य के दिव्य दर्शन हुए। भगवान के प्राकट्य के साथ ही संपूर्ण मंदिर परिसर वाद्यों की पवित्र ध्वनि से गुंजायमान हो उठा एवं सम्पूर्ण मंदिर परिसर में सुगंधित द्रव्यों का छिडकाव किया गया। पवित्र ध्वनियों एवं सुगंध के मध्य परिसर में उपस्थित प्रत्येक श्रद्धालु को सजीव अनुभव हुआ कि वह भगवान के इस दिव्य प्राकट्य उत्सव का साक्षी बने है। प्राकट्य के साथ ही भगवान की दिव्य प्राकट्य आरती हुई। दिव्य प्राकट्य उत्सव में रजत कमल पुष्प में विराजमान होकर ठाकुरजी ने भक्तों को दर्शन दिये। अर्द्ध स्वचलित इस कमल पुष्प में लगे बटन को घुमाते ही कमल पंखुडियां स्वतः खुल गई और कमल ह्रदय में विराजमान भगवान श्रीकृष्ण के चल विग्रह के दर्शन कर श्रद्धालुओं ने अपने आप को धन्य किया। रात्रि 12.10 बजे कमल पुष्प में विराजमान भगवान के चल विग्रह की विशेष रूप से तैयार कराए गए अदभुत महाभिषेक मंच पर स्थापित चौकी पर विराजमान हुए। संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी, अन्य ने ठाकुरजी का महाभिषेक किया। इस दौरान श्रीकृष्ण जन्मभूमि संस्थान के अध्यक्ष महन्त श्रीनृत्यगोपालदास महाराज मौजूद रहे। इससे पूर्व भगवान के दर्शन मात्र से दैविक, दैहिक एवं भौतिक तापों का शमन करने वाले परम कल्याणकारी महाभिषेक कामधेनू गाय द्वारा किया गया। रात्रि 1:30 बजे से श्रद्धालुओं ने भगवान की शृंगार आरती के दर्शन किए।

कंगना ने जो बयान दिया, उसमें चीन और अमेरिका का हाथ : मंत्री विक्रमादित्य सिंह

एजेंसी

शिमला । किसान आंदोलन के दौरान रेप और हत्या को लेकर सांसद कंगना रनौत के बयान पर विपक्ष हमलावर है। हिमाचल प्रदेश सरकार के पीडब्ल्यूडी और शहरी विकास मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने कंगना के बयान की निंदा की है। उन्होंने कहा कि मंडी सांसद कंगना रनौत द्वारा की गई बयानबाजी में चीन और अमेरिका का हाथ है।

उन्होंने कहा कि कंगना रनौत द्वारा दिया गया बयान मजाक का केंद्र बनता जा रहा है। विदेश मंत्रालय को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने मोदी सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि क्या केंद्र सरकार की विदेश नीति इतनी कमजोर है कि चीन और अमेरिका भारत के आंतरिक मामले में हस्तक्षेप कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जिस तरह से भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने कंगना के बयानों को दरकिनार किया है, भाजपा सांसद कंगना रनौत के बयानों में बौद्धिक दिवालियापन दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी संवेदनशील मुद्दे पर किसी प्रतिष्ठित पद पर बैठे व्यक्ति को सोच-समझकर ही बयान देना चाहिए। इन सब मुद्दों के अलावा कंगना रनौत को अपने संसदीय क्षेत्र मंडी पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। अभी तक वह मंडी के हर क्षेत्र में घूमी तक नहीं है। वह मात्र एक दिन का तूफानी दौरा करके वापस चली गई हैं। उन्हें स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए कि वह दिल्ली से मंडी तक कितना सहयोग ला पाए हैं। बता दें कि भाजपा ने किसान आंदोलन को लेकर हिमाचल प्रदेश की मंडी से पार्टी की लोकसभा सांसद कंगना रनौत के बयान से किनारा करते हुए उन्हें कड़ी फटकार भी लगाई है। भाजपा ने बॉलीवुड अभिनेत्री के बयान को लेकर सोमवार को स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि पार्टी कंगना रनौत के बयान से असहमति व्यक्त करती है।

पार्टी ने नीतिगत विषयों पर उन्हें बोलने की अनुमति नहीं दी है और न ही वह इसके लिए अधिकृत हैं। भाजपा ने इसके साथ ही कंगना रनौत को कड़ी चेतावनी देते हुए भविष्य में इस तरह का कोई भी बयान न देने की नसीहत भी दी।

कंगना रनौत के खिलाफ आप पार्टी उतरी सड़कों पर,सांसद पद से बर्खास्त करने की मांग की

एजेंसी

भिवानी। हिंदी सिनेमा की एक्ट्रेस और हिमाचल की मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी सांसद कंगना रनौत खुद के बयानों को लेकर आए दिन सुर्खियों में रहती हैं। उनके बयान को लेकर मनोरंजन से लेकर सियासी दुनिया तक कई बार विवाद हो चुका है। कंगना रनौत ने एक बार फिर से किसानों पर विवादित बयान दिया है, जिसके बाद सियासी गलियारों में बहस शुरू हो गई।बता दें कि आज भिवानी में आम आदमी पार्टी ने विवादित बयान को लेकर स्थानीय घण्टाघर चौक पर प्रदर्शन किया तथा उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से उनके सांसद पद से इस्तीफे की मांग की है। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कहा कि भाजपा सांसद द्वारा किसानों के प्रति दिए गए बयान की कड़ी निंदा

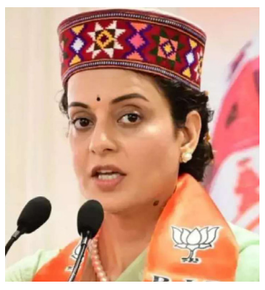

करते हैं तथा मांग करते हैं कि जो भी मंत्री, विधायक, इस तरह की अभद्र टिप्पणियां किसान, खिलाड़ीयो पर करते हैं ,उनका भाजपा बड़ी लीडरशिप को इस्तीफा लेना चाहिए। इसी कड़ी में उन्होंने भाजपा की लीडरशिप पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हीं के आदेश अनुसार इस तरह की टिप्पणियां करते हैं वरना उनको इस्तीफा लेना चाहिए।साथ ही उन्होंने कहा कि यदि किसानों से माफी नहीं मांगी गई तो दिल्ली में आंदोलन होगा। हालांकि यह पहली बार नहीं है, जब बीजेपी सांसद कंगना रनौत अपने बयानों को लेकर विवादों में हैं।कंगना रनौत के ताजा बयान को लेकर भारतीय जनता पार्टी को बाकायदा प्रेस रिलीज जारी करना पड़ा। बीजेपी ने कहा कंगना का बयान, बीजेपी का बयान नहीं है। बीजेपी कंगना रनौत के बयान से असहमति व्यक्त करती है।

69000 शिक्षक भर्ती मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने डाली याचिका

एजेंसी

लखनऊ । 69000 शिक्षक भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में जारी की गई सूची रद्द करने के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। अनारक्षित वर्ग के दो चयनित और एक अचयनित अभ्यर्थियों ने फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है। इससे पहले आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों ने इस मामले में कैविएट दाखिल कर रखी है।

बीते दिनों इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने आरक्षण नियमों का पालन न करने को लेकर प्रदेश सरकार द्वारा जारी की गई चयन सूची रद्द कर दी थी और तीन महीने के भीतर नई सूची जारी करने का आदेश दिया था। इसके बाद से प्रदेश सरकार पर विपक्ष ने आरक्षण विरोधी होने के आरोप लगाए थे। इस पर योगी सरकार ने बयान जारी कर कहा था कि सरकार किसी भी अभ्यर्थी के साथ अन्याय नहीं होने देगी। इसके पहले भी आरक्षित और अनारक्षित अभ्यर्थी हाईकोर्ट के आदेश को लेकर आमने सामने आ चुके हैं। 22 अगस्त को आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी बेसिक शिक्षा निदेशालय पर धरना दे रहे थे कि अनारक्षित अभ्यर्थी भी वहां पहुंच गए। दोनों पक्ष आमने-सामने धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे।

किसी विपरीत परिस्थिति से बचने के लिए पुलिस बीच में दीवार बनकर खड़ी रही। हालांकि, महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा से वार्ता में आश्वासन के बाद अनारक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों ने धरना समाप्त कर दिया था। मामले में आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी लगातार धरने पर बैठे हुए हैं। अभ्यर्थियों की मांग है कि प्रदेश सरकार इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश का पालन करे। जिसके तहत सरकार को भर्ती की नई चयन सूची जारी करनी है। अभ्यर्थियों का कहना है कि अधिकारियों के ढीले रवैये के कारण अभी तक चयन सूची जारी नहीं की गई। इससे धरनारत आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों में बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों के प्रति भारी आक्रोश है। इसी वजह से ओबीसी, एससी अभ्यर्थियों ने दो सितंबर को मुख्यमंत्री आवास घेरने व महाधरने का आह्वान किया है। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अमरेन्द्र सिंह पटेल, विजय प्रताप, विक्रम यादव, धनंजय गुप्ता व अन्नू पटेल ने बताया कि ओबीसी, एससी समाज के अनेक संगठनो ने भी उनका समर्थन देने का एलान किया है। वहीं ईको गार्डेन में उनका धरना निरंतर जारी है। इसके साथ ही अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों का धरना चल रहा है।

भाजपा की टीम ने दिल्ली के स्कूल का किया दौरा, मिले शिक्षक नदारद और शौचालय गंदे

एजेंसी

नई दिल्ली । मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल यह दावा करते नहीं थकते कि वो दिल्ली में बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा मुहैया करा रहे हैं, जिसकी चर्चा ना महज देश, बल्कि विदेशों में भी हो रही है। यही नहीं, वे दिल्ली के शिक्षा मॉडल के नाम पर पंजाब सहित कई राज्यों में चुनाव भी लड़ चुके हैं। बीजेपी की एक टीम ने मंगलवार को कापसहेड़ा में एक स्कूल का निरीक्षण किया। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, सांसद रामवीर सिंह बिधुड़ी और राजा इकबाल स्कूलों का निरीक्षण करने पहुंचे तो उन्हें केजरीवाल सरकार पर हमला बोलने का एक और मौका मिल गया। जिस स्कूल का वो निरीक्षण करने पहुंचे थे, वहां ना

तो बच्चों के लिए पर्याप्त क्लास रूम थे और ना ही उनके बैठने के लिए बेंच की व्यवस्था। बीजेपी ने दावा किया कि स्कूल की बदहाली का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि एक क्सालरूम में दो कक्षाओं के बच्चे बैठने को मजबूर हैं और ना ही उन्हें पढ़ाने वाला कोई योग्य शिक्षक है। केजरीवाल सरकार यह दावा करती है कि वो दिल्ली में बच्चों को विश्वस्तरीय शिक्षा उपलब्ध करा रही है, लेकिन बीजेपी ने कहा कि उसने इन दावों की पोल खोल कर रख दी। स्कूल का निरीक्षण करने के बाद वीरेन्द्र सचदेवा ने केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल किया, ÷मैं इस पर अब क्या कहूं। आप लोगों ने खुद ही देखा कि बच्चे के बैठने की व्यवस्था तक नहीं है। वो जमीन पर बैठे हुए हैं। एक क्लास में दो कक्षाएं चल रही हैं। यही नहीं, अभी तक महज 50 फीसद बच्चे ही आए हैं। अगर पूरे बच्चे आ गए, तो उनके बैठने की भी व्यवस्था नहीं होगी। वहीं, दिल्ली सरकार यह ढोल पीटती रहती है कि हमारी शिक्षा प्रणाली यूरोप से बेहतर है। कितनी बेहतर है, आप आकर देखिए। उन्होंने सवालिया लहजे में केजरीवाल सरकार के मंत्रियों से पूछा, ÷क्या मनीष सिसोदिया अपने बच्चों को ऐसे स्कूल में पढ़ाएंगे। आतिशी दुनिया भर का दौरा करती हैं, क्या वो यहां का दौरा करेंगी। ये लोग विश्वस्तरीय शिक्षा मुहैया कराने की बात करते हैं, जहां आप स्कूल के बाथरूम जाकर देख लीजिए, क्या हालत बनी हुई है। 1200 से ज्यादा बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं। हालात ऐसे बने हुए हैं कि आप बाथरूम में घुस नहीं सकते। यह सुबह का समय है। दोपहर होते होते इसका क्या हालत होगी। बिल्कुल हम इसे एनसीपीसीआर में लेकर जाएंगे। केजरीवाल सरकार को शर्म आनी चाहिए।

बसपा कार्यकारिणी में फिर से पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं मायावती, आकाश आनंद का कद बढ़ा

एजेंसी

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मंगलवार को हुई बैठक में मायावती को फिर पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया है। उनका कार्यकाल पांच साल होगा। उनके नाम का प्रस्ताव पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सतीश चंद्र मिश्रा ने किया, जो सर्वसम्मति से मंजूर हो गया। वहीं, नेशनल कोआर्डिनेटर आकाश आनंद का कद बढ़ाते हुए उन्हें महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव का प्रभारी बनाया गया है। बसपा सुप्रीमो ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित बैठक में देश भर से आए पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि दलितों एवं बहुजनों को अपनी शक्ति पर भरोसा करना सीखना ही होगा वरना धोखा खाते रहेंगे और लाचारी व गुलामी का जीवन जीने को मजबूर बने रहना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में बहुमत से दूर भाजपा के नेतृत्व में बनी एनडीए की सरकार का रवैया सुधारवादी नहीं लगता है जिससे इसको स्थाई व मजबूत सरकार नहीं कहा जा सकता है। वहीं यूपी के राजनीतिक हालात का संज्ञान लेते हुए कहा कि लोकसभा का चुनाव परिणाम कई कारणों से नई संभावनाएं पैदा करता है। उन्होंने बसपा समर्थकों से अपील की है कि डॉ. भीमराव अम्बेडकर के मूवमेंट तथा आरक्षण को निष्प्रभावी बनाने एवं खत्म करने के षड्यंत्र को कांग्रेस, भाजपा और उनके गठबंधन से बचाना जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा एससी-एसटी आरक्षण में उपवर्गीकरण व क्रीमीलेयर का नया नियम लागू करने के फैसले पर कहा कि पुरानी व्यवस्था को बहाल रखने के लिए केंद्र द्वारा अभी तक भी कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बसपा को मूवमेंट के माध्यम से आगे बढ़ाने के लिए वह हर कुर्बानी देने को तैयार हैं। पार्टी व मूवमेंट के हित में न तो वह कभी रुकने वाली हैं और न ही झुकने वाली हैं। टूटने का तो सवाल ही पैदा नहीं होता।

किसी की हितैषी नहीं कांग्रेस और भाजपा

मायावती ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा व इनके गठबंधन दलितों, आदिवासियों, ओबीसी, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के सच्चे हितैषी नहीं हैं। बहुजनों के प्रति इनकी सोच हमेशा ही संकीर्ण, जातिवादी, सांप्रदायिक, द्वेषपूर्ण व तिरस्कारी रही है। इनके शासनकाल में बहुजनों की हालत में सुधार अभी तक नहीं हो पाया है। समाज में गैर-बराबरी बढ़ रही है। केंद्र में भाजपा व कांग्रेस की जातिवादी एवं अहंकारी सरकार बनाने से रोकने में बहुजन समाज काफी हद तक पिछड़ गया।

नई संभावनाएं पैदा करता है यूपी का परिणाम

यूपी के राजनीतिक हालात का संज्ञान लेते हुए उन्होंने कहा कि लोकसभा का यह चुनाव परिणाम किसी पार्टी विशेष के पक्ष में एकतरफा नहीं होने के कारण भी नई संभावनाएं पैदा करता है। ऐसे में कैडर के आधार पर जनाधार को बढ़ाने का प्रयास करके आगे बेहतर परिणाम हासिल करने की अपनी कोशिश जारी रखनी है। इसमें कोई कोताही व स्वार्थ आड़े नहीं आना चाहिए जिसकी पार्टी लगातार समीक्षा करेगी। पार्टी हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर और दिल्ली विधानसभा का चुनाव मजबूती से लड़ेगी। मायावती ने कहा कि यूपी सहित पूरे देश में महिलाओं की सुरक्षा राष्ट्रीय समस्या बनकर उभर रही है। इसको लेकर अब केवल बयानबाजी व जुमलेबाजीसे काम चलने वाला नहीं है बल्कि केंद्र व राज्य सरकारों को सही नीयत व नीति के साथ काम करने की जरूरत है। किताब का विमोचन कियाः इस दौरान मायावती ने 'बहुजन समाज पार्टी द्वारा अपील-देश के बहुजनों के असली ग्रन्थ संविधान एवं बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के हितकारी मूवमेन्ट तथा आरक्षण को निष्प्रभावी बनाने व खत्म करने के षड्यंत्र को कांग्रेस के इण्डिया एलायन्स और बीजेपी के एनडीए गठबन्धन एवं स्वार्थियों से भी बचाना जरूरी' के नाम से लिखित अपनी पुस्तक का विमोचन भी किया।

बारिश का घातक रोग मलेरिया

बारिश का मौसम जितना फायदेमंद है उतना ही नुकसान दायक भी है। इस मौसम में अगर सावधानी नहीं बरती गई तो किसी जानलेवा बीमारी के शिकार भी हो सकते हैं। कई बीमारियां ऐसी हैं जो बारिश के मौसम में आपका जीना मुहाल कर सकती हैं।ऐसी ही एक प्रमुख बीमारी है मलेरिया।मानसून, मच्छर और मलेरिया के असर को अगर दिमाग में बिठा लें तो बेहतर है। मलेरिया से होने वाली मौतें भले ही दिन पर दिन कम होती जा रही हों, लेकिन अभी भी देश में हर साल मलेरिया के कम से 10 लाख नए मामले सामने आ रहे हैं। इससे खुद को कैसे बचाए रख सकते हैं, आइए हम आपको बताते हैं।

क्या है इसके कारण

मलेरिया प्लाजमोडियम नामक एक परजीवी के संक्रमण से होता है। मादा एनोफिलिस मच्छर के काटने से यह संक्रमण हो जाता है। जहां कहीं भी साफ और प्राकृतिक पानी ठहरा रहता है, वहां ये मच्छर पैदा होते हैं। अभी मानसून में बारिश का पानी जगह-जगह जमा हो जाता है, वहां ये मच्छर बड़ी संख्या में पनपते हैं।

इसके लक्षण

मलेरिया होने पर तेज बुखार सहित फ्लू जैसे कई लक्षण सामने आते हैं। इनमें ठंड के साथ जोर की कंपकंपी, सिर में दर्द, मांशपेशियों में दर्द, थकावट आदि शामिल हैं। मितली, उल्टी, डायरिया जैसे लक्षण भी हो सकते हैं। खून की कमी और आंखों के पीला होने जैसी स्थितियां भी आ सकती हैं।

बचाव

मलेरिया के मच्छर साफ और एक जगह ठहरे पानी में पैदा होते हैं। मानसून में ये स्थितियां जगह-जगह बनती हैं। अपने घरों एवं उनके आसपास पानी जमा न होने दें। पानी की टंकियों, कंटेनरों और बरतनों को हमेशा ढक कर रखें। मच्छरों को भगाने वाले क्रीम, द्रवीय पदार्थ, क्वॉयल, स्प्रे, मैट आदि के प्रयोग जरूरी हैं। खिड़कियां जालीदार हों तो इन मच्छरों से काफी सुरक्षा मिलती है। वैसे तो मलेरिया रोधी दवाइयां भी हैं, लेकिन उन्हें रोज खाना पड़ता है, जो संभव नहीं। इसलिए वो विदेशी पर्यटकों के काम ही आती हैं। यहां के लोगों को हर दिन एहतियात बरतनी होती है। दैनिक जीवन की सावधानियों में पूरी बांह की शर्ट पहनना, कमरे में मच्छरदानी लगाकर सोना आदि कारगर उपाय हैं।

उपचार

हम सब जानते हैं कि सावधानी से बेहतर कोई दूसरा इलाज नहीं हो सकता। जरूरी सावधानियां बरतकर इससे काफी हद तक बचा रहा जा सकता है, फिर भी लापरवाहियों के कारण लोग इसकी चपेट में आ रहे हैं। कई दवाएं भी अब मलेरिया के इलाज में निष्प्रभावी साबित हो रही हैं, लेकिन ऐसी भी दवाओं की कमी नहीं, जिनसे मलेरिया का प्रभावी इलाज हो जाता है। मलेरिया के विशेषज्ञ के पास इसका पूरा इलाज मौजूद है। अगर जल्द इलाज शुरू किया जाए तो शरीर के जरूरी अंगों तक खून की आपूर्ति बाधित हो जाती है। प्लाजमोडियम फेल्सीपेरम परजीवी से संक्रमण का तत्काल इलाज न किया जाए तो किडनी फेल हो सकती है, दौरा शुरू हो सकता है, मानसिक रूप से विक्षिप्त होने की स्थिति, कोमा और अंत में मौत की नौबत भी आ सकती है।

हकलाने की समस्या का इलाज स्पीच थेरेपी

कई बच्चें साफ नहीं बोल पाते हैं।कई बार एक शब्द को बोलने में उनको परेशानी होती है। जैसे शब्दों श की जगह स, ल की जगह न, डम् की जगह र। ऐसे में सुनने वाले को समझ नहीं आता कि बोलना क्या चाह रहा है। शब्दों के स्पष्ट उच्चारण नहीं होने की वजह से अर्थ भी बदल जाते हैं। दरअसल हमारे गले की बनावट ऐसी है कि इससे हम खाना खाते हैं, पानी पीते हैं और सांस लेने की प्रक्रिया भी होती है। इसी से बोलते भी हैं। बोलने में हवा का इस्तेमाल होता है। कई बच्चों के जन्म से ही कंठ में बोलने वाली नली में कोई खराबी होने की वजह से वो स्पष्ट नहीं बोल पाते। इसे भाषा विज्ञान में वोकल कॉर्ड कहते हैं। यदि किसी के भी वोकल कॉर्ड में समस्या हो तो वह साफ और शब्दों को सही नहीं बोल पाता। यह समस्या तो है, लेकिन लाइलाज नहीं है।ऐसे बच्चों की मजाक बनाने से वो आगे से कम बोलना शुरू कर देते हैं, ताकि उनका मजाक न बने और इस तरह के बच्चे धीरे-धीरे बोलने से कतराने लगते हैं। कई स्कूलों में ऐसे बच्चों की बोलने, तुतलाने की समस्या को दूर करने के लिए स्पीच थेरेपिस्ट होते हैं। ये डॉक्टर या तो दवाई देकर या कुछ प्रैक्टिस के जरिए तुतलाने, अस्पष्ट बोलने की समस्या को ठीक कर देते हैं। कभी-कभी वोकल कॉर्ड को ठीक करने के लिए मामूली सा ऑपरेशन करना पड़ता है, जिससे वोकल कॉर्ड को ठीक किया जाता है। फिर ऐसे बच्चे भी शुद्ध और सही बोलने लगते हैं।

सेहत के लिए जरूरी अच्छा नाश्ता

अच्छी सेहत के लिए जरूरी है कि अच्छा नाश्ता किया जाए जिसमें कार्बोहाइड्रेट एवं लीन प्रोटीन हो। यह दिनभर की भूख को कम कर देता है जिससे वजन में कमी लाई जा सकती है। वर्जीनिया विश्वविद्यालय के प्रो. डा. डेनिएला और वेनेजुएला के डी क्लीनिकास कारकास अस्पताल के एंड्रोनोलॉजिस्ट के अध्ययन से पता चला है कि वह महिलाएं जो बिग ब्रेक फास्ट डाईट लेती हैं वह पांच गुना तक वजन कम कर सकती हैं उनके मुकाबले में जो रिस्ट्रिक्टिव लो कैलोरी डाइट लेती हैं।

नाश्ते का स्वास्थ शरीर के लिए अहम रोल है जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। सुबह के समय शरीर का लेवल और एडरीनेलाईन उपर चला जाता है,जो खाने को खोजता है। इस समय मेटाबोलिम उपर चला जाता है और हमारे दिमाग को उसी समय ताकत ताकत की जरूरत होती है। सुबह के समय यदि नहीं खाएंगे या कम खाएंगें तो दिमाग अपने लिए ऊर्जा हासिल करने के लिए दूसरा विकल्प तलाशता है। वह एक एमरजेंसी सिस्टम का प्रयोग करता है और ऊर्जा को मासपेशियों से हासिल करता है,जिससे उत्तक नष्ट हो जाते हैं। इसके बाद जब कोई खाना खाता है तो शरीर और दिमाग हाई अलर्ट मोड पर होता है,जिससे शरीर खाने में से प्राप्त ऊर्जा को वसा के रूप में एकत्र कर लेता है जो मोटापे का कारण है। सुबह के समय ब्रेन केमिकल सिरोटोनिन लेवल अधिक होता है और खाने की इच्छा सबसे कम होती है। जैसे जैसे दिन चढ़ने लगता है सेरोटोनिन लेवल कम होने लगता है और चाकलेट और बिस्कुट खाने की इच्छा बढती है यदि आप यह चीजें खाने लगते हैं तो आपका सिरोटिन लेवल बढने लगता है और शरीर को अच्छा लगने लगता है जो एक आदत पैदा करता है।

ब्रेक्सटन हिक्स भ्रूण के लिए है फायदेमंद

ब्रेक्सटन हिक्स गर्भावस्था में होने वाली ऐठन (संकुचन) है। ब्रेक्सटन हिक्स के दौरान महिला को ऐसी शंका होने लगती है कि कहीं गर्भ में पल रहे बच्चे को सांस लेने में तकलीफ तो नहीं होगी और इस जैसे कई अन्य सवाल गर्भधारण करने वाली महिलाओं के मन उठते हैं। लेकिन ब्रेक्सटन हिक्स गर्भावस्था में होने वाली एक सामान्य घटना है और इसका बच्चे या भ्रूण पर कोई दुष्प्रभाव नहीं पड़ता। इस लेख को पढ़ें और ब्रेक्सटन हिक्स तथा भ्रूण पर इसके प्रभाव के बारे में जानें।

ब्रेक्सटन हिक्स और भ्रूण पर प्रभाव- प्रसव का समय नजदीक आने पर ब्रेक्सटन हिक्स एक आम क्रिया बन जाती है। इसे ऐसे भी कह सकते हैं कि ब्रेक्सटन हिक्स भ्रूण के लिये सहायक क्रिया है। यह क्रिया गर्भाशय के लिये रक्त प्रवाह और भ्रूण को ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करती है। गर्भावस्था की अंतिम अवस्था में ब्रेक्सटन हिक्स क्रिया महिला को प्रसव के लिए तैयार करने और बच्चे के सिर को योनि में नीचे जाने में सहायता प्रदार करती है। इसके विपरीत प्रसव के समय होने वाला संकुचन, गर्भाशय ग्रीवा को फैलाने में कोई सहयता नहीं करता है। सामान्यतः ब्रेक्सटन हिक्स संकुचन पीड़ा रहित होते हैं। हालांकि कुछ महिलाएं इस क्रिया के दौरान असहज सा महसूस करती हैं।

एक स्त्री रोग विशेषज्ञ द्वारा सामान्य और विकासित हो रहे भ्रूण व भ्रूण की हृदय गति विविधताओं के ऊपर की गई शोध में पाया की ब्रेक्सटन हिक्स भ्रूण के लिए हानिकारक नहीं है। ब्रेक्सटन हिक्स बच्चे के लिए फायदेमंद होते हैं। ओन्लीमाईहेल्थ आपको पहले भी बता चुका है कि कुछ महिलाओं को इस दौरान असहज महसूस हो सकता है। यदि ब्रेक्सटन हिक्स के दौरान दर्द होता है तो डॉक्टर को दिखाएं। लेकिन घबराएं नहीं यह बहुत ही सामान्य घटना है। ब्रेक्सटन हिक्स आमतौर पर 30 सेकंड के लिए होते हैं और कभी- कभी हर 15 से 20 मिनट में यह क्रिया होती है। यदि दर्द निरंतर होता रहता है तो इसके अन्य कारण भी हो सकते हैं। ऐसा होने पर आप अपने चिकित्सक से सलाह लें।

स्वादिष्ट और शक्तिवर्धक आलू सूप

बारिश का मौसम है। ऐसे में चाट, पकौड़े और चटपटा खाने का मन तो करता ही है।जब खाते जाते हैं तो इस बात का ख्याल ही नहीं आता की यह कहीं ना कहीं हमारे स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है।खाने के बाद बदहजमी और एसिडिटी की समस्या का सामना करना पड़ जाता है।इसलिए इस मौसम के लिए हम कुछ ऐसा लेकर आए हैं, जो स्वादिष्ट होने के साथ-साथ शक्तिवर्धक भी है। जी हां वह है पोटेटो सूप यानी आलू का सूप, खाने में जितना यमी लगता है, उतना ही सेहत के लिए फायदेमंद भी है। अगर आपको डॉक्टर ने वसा और नमक से परहेज करने के लिए कहा है तो इसमें इसकी मात्रा कम रखी जा सकती है। कई डॉक्टर तो मधुमेह नियंत्रण के लिए भी आलू के सूप की सलाह देते हैं। आइये आलू के सूप के फायदों को जानते हैं।

हड्डियां को रखता है मजबूत

सूप में पाई जाने वाली पोटेशियम की अच्छी मात्रा होने से न केवल ब्लड प्रेशर सामान्य रहता है, बल्कि हमारी हड्डियां भी सुरक्षित रहती हैं। दरअसल, उम्र के साथ हड्डियां भी कमजोर पड़ने लगती हैं। ऐसे में आलू सूप का सेवन हड्डियों के नुकसान को रोकता है। इसके अलावा आलू सूप में पाया जाने वाला कैल्शियम भी इसमें मदद करता है।एक शोध के अनुसार 18 से 50 साल के व्यक्ति को प्रतिदिन 1000 एमजी कैल्शियम की जरूरत पड़ती है, जबकि 50 वर्ष से ज्यादा उम्र वालों को हर दिन 1200 एमजी कैल्शियम लेने की सलाह दी जाती है। एक कटोरी आलू के सूप से कम से कम 178 एमजी कैल्शियम प्राप्त होती है।

दिल का रखता है ख्याल

फाइबर से भरपूर सब्जियां दिल के लिए अच्छी होती हैं। आलू सूप में आलू के अलावा शामिल की जाने वाली दूसरी सब्जियों में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है, इसलिए बरसात में आलू सूप का सेवन कर कोरोनरी हार्ट बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। एक शोध में पाया गया है कि आलू सूप में बड़े स्तर पर पोटेशियम की मात पाई जाती है, जो कि ब्लड प्रेशर को सामान्य बनाए रखने में सहायक होता है।

वजन घटाने में मददगार

आलू सूप वजन घटाने में मदद करता है। इससे सिर्फ 164 कैलोरी मिलती है। दरअसल, आलू सूप पीने के बाद काफी देर तक फुलनेस यानी पेट भरे होने का एहसास बना रहता है। ऐसे में थोड़ी-थोड़ी देर में खाने की इच्छा नहीं होती। आलू के अलावा आलू सूप में प्याज और गाजर से भी ज्यादा कैलोरी नहीं मिलती।

इसके अन्य लाभ

आलू के कई अन्य स्वास्थ्य लाभ भी हैं, जैसे आंखों की रोशनी बढ़ाना, त्वचा कोमल रखना, इम्यून सिस्टम (प्रतिरोधक क्षमता) ठीक करना आदि। दरअसल, आलू सूप में इस्तेमाल होने वाली अन्य सब्जियों जैसे कि गाजर और प्याज में विटामिन की भरपूर मात्रा पाई जाती है। विटामिन जहां हमारी आंखों की रोशनी के लिए वरदान है, वहीं यह हमारी त्वचा को दमकाने का काम भी करता है। इसके अलावा विटामिन ए प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है, जो बीमारियों से लड़ने में मदद करता है। आलू सूप, प्रोटीन का भी स्त्रोत है। इससे आपके बाल भी घने और सिल्की बने रहते हैं। यहां तक कि आलू सूप में काबरेहाइड्रेट भी अच्छी-खासी मात्र में पाया जाता है। इसलिए इसे पीने के बाद आपको कमजोरी महसूस नहीं होगी।

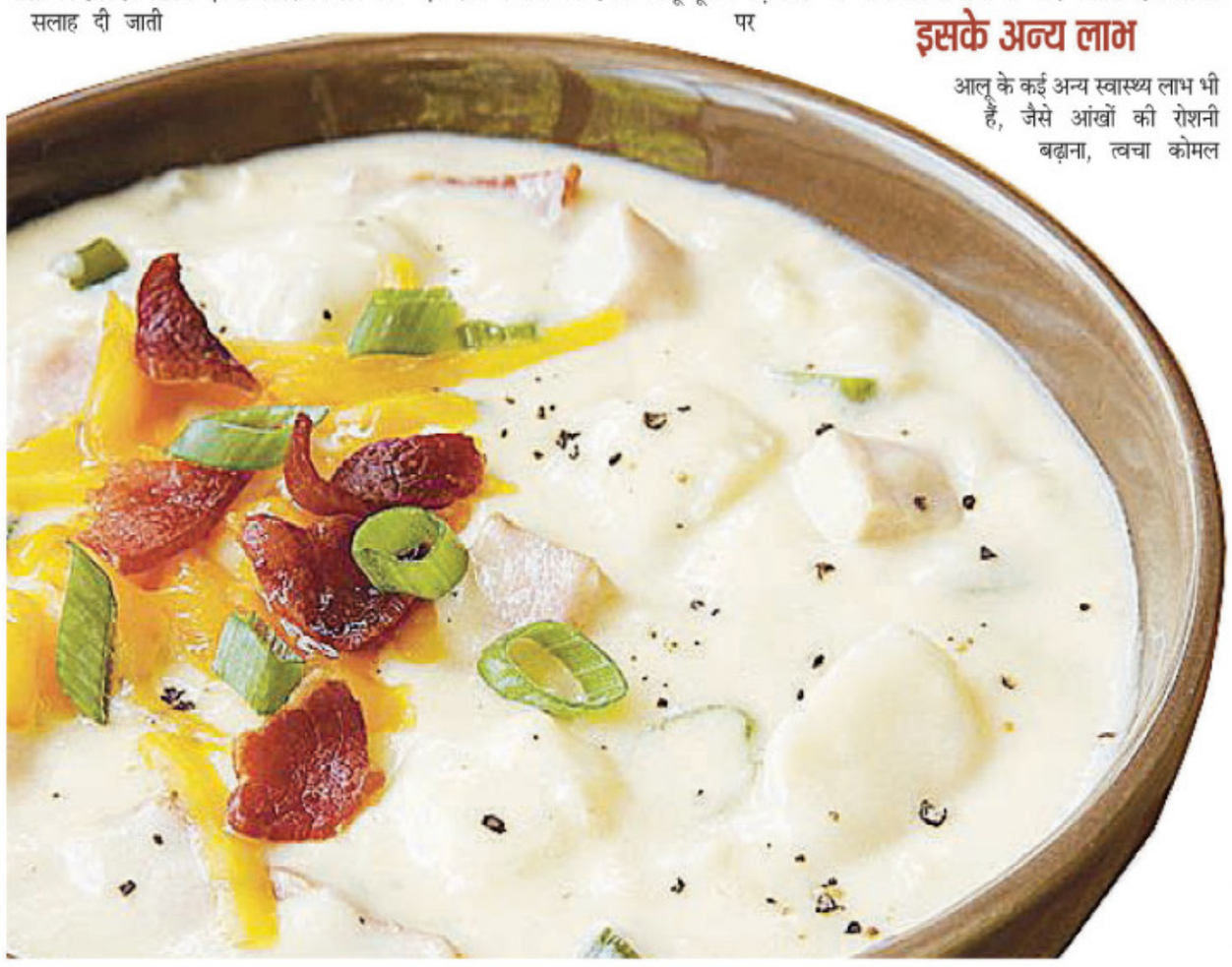

सूप बनाने के लिए आवश्यक सामग्री

55 ग्राम मक्खन
110 ग्राम कटा हुआ प्याज
425 ग्राम कटे और छिले हुए आलू
120 एमएल दूध क्रीम
1 चम्मच नमक व काली मिर्च
900 एमएल सब्जी का स्टॉक
सजावट के लिए हरा धनिया पत्ती

विधि

- एक सॉस पैन में बटर गर्म करें। इसमें कटा हुआ आलू और प्याज डालकर भूनें।
- नमक और काली मिर्च डालें और इसे दस मिनट के लिए ढक दें।
- उसमें सब्जियों का स्टॉक मिलाएं और उबलने के लिए 10 से 15 मिनट तक छोड़ दें।
- इसमें गाढ़ा दूध (जिसमें क्रीम भरपूर हो) मिलाएं और ब्लेंडर से मिक्स करें।
- आपका सूप तैयार है। कटोरी में निकालकर इसे कटी फ्रेश धनिया पत्तियों से सजाएं।
- अगर सूप को और क्रीमी बनाना चाहते हैं तो इसमें ऊपर से क्रीम मिला सकते हैं और स्वाद का अलग आनन्द ले सकते हैं।
- स्वाद के लिए कुछ प्रयोग करना चाहें तो इस सूप का और आनन्द ले सकते हैं।

मधुमेह के खतरे को 6 गुना बढ़ा देता है जरुरत से ज्यादा मोटापा

मोटापे के कारण टाइप-2 मधुमेह और दिल की बीमारियों का खतरा छह गुना बड़ा जाता है। मोटापा के अलावा जेनेटिक कारण और खराब जीवनशैली के कारण भी टाइप-2 मधुमेह का खतरा बढ़ जाता है।

एक हालिया शोध में यह जानकारी सामने आई है, जिसे स्पेन के बार्सिलोना में आयोजित यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ द डायबिटीज के सलाना बैठक में प्रस्तुत किया गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन के नोवो नॉर्डिस्क फाउंडेशन सेंटर फॉर बेसिक मेटाबोलिज्म रिसर्च की हरमीना याकोपोविच और उनके सहकर्मी ने इस शोध को पेश किया था।

खराब जीवनशैली परेशानी का सबब

खराब जीवनशैली, मोटापा और आनुवंशिकता टाइप-2 मधुमेह के विकसित होने का अहम कारण हैं। दुनियाभर में यह तेजी से फैल रही एक आम स्वास्थ्य समस्या है।

क्या कहते हैं आंकड़े

आंकड़ों के अनुसार, अकेले भारत में ही करीब 10 लाख लोग टाइप-2 मधुमेह का शिकार हैं। टाइप-2 मधुमेह को रोकने की वर्तमान रणनीति के में शरीर के वजन को सामान्य रखने और स्वस्थ जीवनशैली पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। मधुमेह के मरीजों को सबसे बढ़ा खतरा बढ़ते वजन के कारण होता है।

रोजाना एक चम्मच त्रिफला चूर्ण खाकर कम करें पेट की चर्बी

त्रिफला क्या है: त्रिफला या त्रिफला चूर्ण जो कि आंवला, हरद और बहेड़ा के अवयवों से मिलकर बना होता है। चूर्ण को बनाने से पहले तीनों अवयव को धूप में सुखाकर चूर्ण बनाया जाता है। वैसे तो ये तीनों चीजें शरीर के लिए बहुत लाभदायक होते हैं मगर त्रिफला के चूर्ण के फायदे अनेक है। त्रिफला कब्ज से राहत दिलाता है, हाजमे की शक्ति को ठीक करता है, चयापचय (metabolism) को बढ़ाता है, दृश्यशक्ति को बढ़ाता है, शरीर के टॉक्सिन को बाहर निकालता है। आयुर्वेद के अनुसार यह शरीर से अतिरिक्त कफ को संतुलित करता है। वात दोष को आसानी से ठीक करता है त्रिफला, जानें कैसे

कैसे काम करता है त्रिफला: डीएआरयू जर्नल ऑफ फार्मसूटिकल साइंस के अध्ययन के प्रकाशन के अनुसार त्रिफला वजन घटाने की प्रक्रिया को गति देता है। अध्ययन के तथ्य के अनुसार 5 ग्राम त्रिफला के सेवन से कुछ ही हफ्तों में वजन घटाया जा सकता है। साथ ही आपको यह जानकर खुशी होगी कि आपकी मोटी कमर भी पतली हो सकती है। इसका कोई साइडइफेक्ट भी नही है।

त्रिफला का इस्तेमाल कैसे करें : एक छोटा चम्मच (5 ग्राम) त्रिफला चूर्ण के मिश्रण में एक चम्मच शहद मिलाकर कुछ दिनों तक इसका सेवन नियमित रूप से करना चाहिए।

ऐसे बनाएं मिश्रण: एक छोटा चम्मच त्रिफला पाउडर लें और उसको एक बर्तन में 200 मिलीलीटर पानी लेकर रातभर भिगोकर रखें (8 घंटे तक)। अगले दिन सुबह इस मिश्रण को तब तक उबालें जब तक कि पानी आधा न हो जाय। आंच से उतारकर पीने लायक ठंडा होने के लिए रख दें। इससे पावडर ततहट में बैठ जाएगा। अब पानी को निथार लें या छानकर उसमें एक चम्मच शहद डालकर रोज सुबह खाली पेट पियें।

रेसिपी

वेज बेसन चीला

सामग्री

■ बेसन- 2 कप ■ लौकी- 1 कप (कद्दूकस की हुई) ■ शिमला मिर्च- 2 टेबलस्पून (बारीक कटी) ■ सूजी- आधा कप ■ लाल मिर्च पाउडर- 1 टीस्पून ■ हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी) ■ प्याज- 1 (बारीक कटा) ■ हरा धनिया- 1 टीस्पून (बारीक कटा) ■ नमक- स्वादानुसार ■ तेल- सेंकने के लिए

विधि

मिक्सिंग बाउल में बेसन, सूजी और पानी को डालकर बैटर बना लें। ध्यान रखें कि पानी थोड़ा-थोड़ा करके डालें जिससे बैटर ज्यादा पतला न हो और न ही गाढ़ा। फिर इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर, हरी मिर्च, प्याज, शिमला मिर्च, लौकी और हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब मीडियम आंच पर एक तवा गरम करें और गरम होते ही इसमें थोड़ा सा तेल डालें और तवे के चारों तरफ फैला लें। तेल जैसी ही गरम हो जाए, तवे पर बैटर को राउंड शेप में बाहर से अंदर की ओर डालें। एक साइड से सिकने के बाद इसके चारों तरफ थोड़ा सा तेल डालें। फिर पलटकर दूसरे साइड से हल्का ब्राउन होने तक सेंक लें। इसे एल्यूमीनियम फॉयल में रैप करके सॉस के साथ टिफिन में रखें।

ओट्स एंड वॉलनट बार्स

सामग्री

■ ओट्स- 1/4 कप (क्विक कुकिंग रोल्ड) ■ अखरोट- 1/4 कप (बारीक कटे) ■ कॉर्नफ्लैक्स- 5 टेबलस्पून (क्रश किए) ■ आटा- 3/4 कप ■ बेकिंग पाउडर- 1/4 टीस्पून ■ बेकिंग सोडा- 1/2 टीस्पून ■ बटर- 1/4 कप ■ ब्राउन शुगर- 1/4 कप ■ कंडेंस्ड मिल्क- 1/4 कप ■ वनीला एसेंस- 1/2 टीस्पून ■ चॉकलेट जेम्स- 1/4 कप ■ नमक- एक चुटकी ■ मेल्ट बटर- 2 टीस्पून

विधि

आटा, बेकिंग पाउडर और सोडा को मिक्स कर लें। 1/4 कप बटर और ब्राउन शुगर को एक बाउल में अच्छे से फेंट लें। ओवन को 180 डिग्री पर प्री-हीट कर लें। ब्राउन शुगर में कॉर्नफ्लैक्स, ओट्स, अखरोट, कंडेंस्ड मिल्क, वनीला एसेंस, चॉकलेट जेम्स डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इसके बाद इसमें आटे का मिक्सचर और नमक डालकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। नीचे से अलग होने वाले केक टिन को थोड़ा सा बटर लगाकर चिकना कर लें और बार्स के मिक्सचर को इसमें डालकर चारों तरफ से अच्छी तरह से फैला दें। प्री-हीट ओवन में 180 डिग्री पर 30 मिनट के लिए बेक कर लें। फिर इसे मनचाहे शेप के बार्स में काट लें और पूरी तरह से ठंडा कर लें और लंच बॉक्स में रखकर बच्चों को दें।

मधुमेह की दवा दिमागी चोट का भी करेगी इलाज

आज तक आप शुगर की दवा शरीर में इंसुलिन की मात्रा को नियंत्रित रखने के लिए खाते रहे होंगे। लेकिन अब यह आपके शरीर में इंसुलिन को कंट्रोल करने के साथ-साथ दिमागी चोट का भी इलाज कर सकेगी।

जी हां हाल ही हुआ एक शोध ऐसा ही कुछ दावा करता है। आइए जानते हैं आखिर क्या है यह पूरा शोध? शुगर की दवा पर हुए इस नए अध्ययन में पाया गया कि मधुमेह की दवा मस्तिष्क की चोटों को ठीक कर सकती है और नई कोशिकाओं को विकसित करने में भी मदद करती है। दवा से जुड़ा यह अध्ययन सबसे पहले मादा चूहों पर करके देखा गया था। जिसमें पता चला कि यह दवा सिर्फ महिलाओं पर ही काम कर सकती है। आइए जानते हैं इस दवा की क्या है खासियत।

शोध **सिर्फ महिलाओं पर होगा असर**

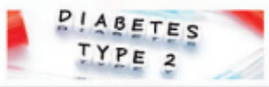

बुद्धिमता में करती है सुधार

वैज्ञानिकों ने इसमें पाया कि टाइप 2 मधुमेह के उपचार में इस्तेमाल होने वाली मेटफोर्मिन नामक दवा मस्तिष्क में स्टेम कोशिकाओं को सक्रिय करती है, जिससे बुद्धिमता में सुधार होता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि यह दवा केवल मादा चूहों में काम करती है क्योंकि सेक्स हार्मोन एस्ट्राडियोल (अंडाशय में उत्पादित एक प्रमुख एस्ट्रोजन) मेटाफार्मिन की प्रतिक्रिया से स्टेम सेल्स की क्षमता को बढ़ाते हैं। ओंटारियो की टोरंटो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कहा, यह दवा मस्तिष्क की चोटों और स्ट्रोक, सेरेब्रल पाल्सी व अल्जाइमर रोग से मस्तिष्क में होने वाली क्षति के इलाज में मददगार हो सकती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-2-5-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर भे जा जी खी यू खे खो गा गी

पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 2569

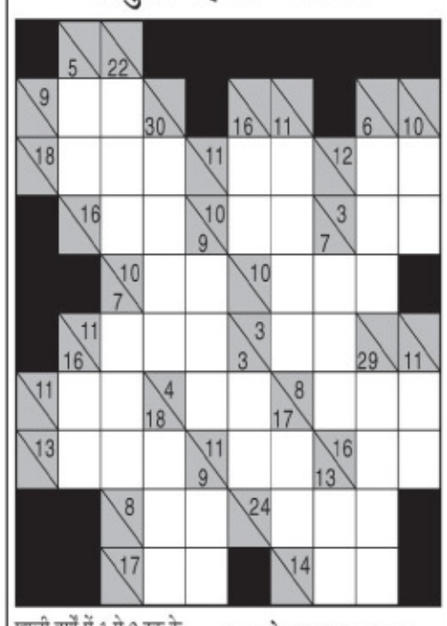

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो -2568 का हल

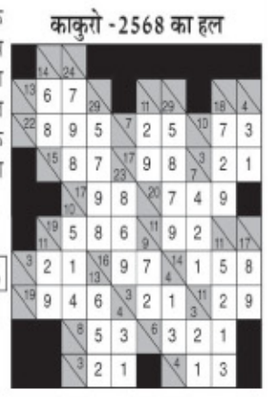

लॉफिंग ज़ोन

एक बहरा अपने बीमार मित्र को देखने जा रहा था. रास्ते में वह मन ही मन सोचने लगा कि ज्यादा बातें करुंगा तो कुछ का कुछ सुनाई देगा इसलिए कम से कम बोलूंगा. सबसे पहले पूछूंगा कि तबीयत कैसी है? मित्र कहेगा ठीक है. फिर पूछूंगा कि किसकी दवा चल रही है? वह डॉक्टर का नाम बता देगा. सोचते-सोचते बीमार का घर आ गया. मित्र से मिलते ही बहरा बोला, 'कहो कैसी तबीयत है?'

बीमार- 'मर रहा हूं.'

बहरा - अगच्छा ही है. भगवान करे ऐसा ही हो. दवा किसकी चल रही है?

बीमार - यमराज की.

बहरा - अच्छा डॉक्टर है, खाने को क्या बताया है?

बीमार - पत्थर.

बहरा - ठीक है, पचने में हल्के होते हैं.

☺ ☺ ☺

मैनेजर ने अपने एक कर्मचारी के पिता को बुलाकर कहा- आपका लड़का ऐसे काम कर रहा है, जैसे दस वर्ष से नौकरी कर रहा हो.

कर्मचारी के पिता ने पूछा- क्या वह इतने कम दिनों में ही अच्छा काम करना सीख गया है?

'जी नहीं, वह इतना अधिक आलसी हो गया है.' मैनेजर ने जवाब दिया.

☺ ☺ ☺

फिल्म वर्ग पहेली- 2569

बायें से दायें:-

१. मनोज, विवेक, अंतरा की 'मखमली ये बदन' गीतवाली फिल्म-२
२. 'मैं शायर तो नहीं' गीतवाली फिल्म-२
३. अभिषेक, ऋषिता भट्ट की फिल्म-४
६. 'बंदा ये बिंदास हैं' गीतवाली फिल्म-२
७. 'मेहंदी' में रानी का नायक ?-३
८. 'तुझे देने को मेरे पास' गीतवाली अक्षय खन्ना, उर्मिला की फिल्म-४
१०. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश की फिल्म-२
१२. 'विल यू मैरी मी' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
१३. 'याहला रे लड़की' गीतवाली संजय दत्त, जैकी शिल्पा, की फिल्म-२
१४. इस फिल्म में अभिनय के लिये रवीना को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था-३
१५. 'हरे रामा हरे कृष्णा' से फिल्मों में आई एक ब्यूटी क्वीन-३
१७. 'हुई आँख नम' गीत वाली फिल्म-२
१८. जीतेंद्र, रणधीर कपूर, राकेश रोशन, रेखा, सनोबर कबीर की फिल्म-३
२०. राजकुमार, सुनीलदत्त वाली फिल्म 'हमराज' की नायिका-२
२१. 'ये रात ये बरसात' गीत वाली फिल्म-३
२२. मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
२३. 'मैं तुझसे मिलने' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
२४. 'दिल हूम हूम करे' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'समंदर' में पूनम का नायक ?-२
२७. शशिकपूर, शबाना की फिल्म-३
२९. 'चल प्रेमनगर जायेगा' गीत वाली रणधीरकपूर, बबीता की फिल्म-३
३०. 'ये जो हल्का हल्का सुरूर है' गीत वाली फिल्म-३
३१. सनी, तब्बू, रीमा सेन की एक फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'नाच मेरी बुलबुल' गीत वाली राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२
२. मिथुन, रति अग्निहोत्री को 'ऐ देखो इधर' गीत वाली फिल्म-३
३. इंतहा हो गई' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
४. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'मुझे तेरे जैसी' गीत वाली फिल्म-२
५. 'यार बदल ना जाना' गीत वाली अक्षय, करीना की फिल्म-३
६. एलबम 'तेरा चेहरा' का गायक-४,२
९. निर्मात्री-नायिका पूजा भट्ट व शरद कपूर की एक फ्लॉप फिल्म-३
१०. 'जोगी मत जा' गीत वाली दिलीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-३
११. दिलीप, मनोज, वहीदा की 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
१३. अमिताभ, जया की 'दीवाने हैं दीवानों को' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'दिल दीवाने का' गीत वाली धर्मेन्द्र, नसीर, पद्मश्री, एकता की फिल्म-४
१८. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सुनता जा' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२०. अनिलकपूर, तब्बू, पूजा बत्रा की 'पायलें झूमें' गीत वाली फिल्म-४
२१. प्रदीप कुमार, नर्गिस की 'यूँ हसरतों के दाग' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'फूल मौंगूँ ना बहार' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2568

सूडोकु -2569

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2568 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

शब्द पहेली - 2569

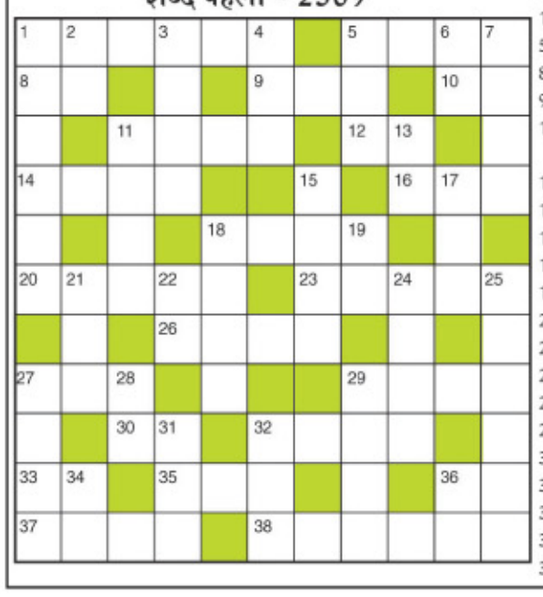

बाएँ से दाएँ

1. जो आदरणीय न हो-6
5. अनुक्षेपक, अंश -4
8. साथ-2
9. छोटी तलवार-3
10. विदेशी शराब का एक प्रकार -2
11. दुश्मनी-4
12. इस जगह-2
14. अनवरत-4
16. लाचार, बेबस-3
18. धुलाई करना-4
20. न्यूनता, निम्नता-5
23. समुद्री यात्री-5
26. पूंजी, संपत्ति-4
27. असंयमी, स्वच्छंद-3
29. वन में रहनेवाला-4
30. उम्मीद, आशा-2
32. सौंठ, एक कंद-4
33. जोर, बल-2
35. बसंतकाल-3
36. जोश, उग्रता-2
37. पाताल-4
38. सभ्य, होनहार-3,3

ऊपर से नीचे

1. जो संवैधानिक न हो-6
2. सांप, सर्प-2
3. दानेदार-4
4. जिगर, कलेजा-3
5. प्रेम, प्यार-3
6. पंख, पराया-2
7. मरियल, निर्बल-4
11. शत्रुता, वैमनस्यता (उर्दू-4)
13. शिकार फंसाने के लिए चिल्लाना-2
15. सुस्त, उनींदा-4
17. पदक-3
18. विश्वासघात-4
19. बहुमूल्य पत्थर-2
21. रानी, शहजादी-3
22. फलों का जूस-2
24. कुतरने वाला-4
25. मानक समुद्र तल (अंग्रेजी-2,1,3)
27. अपमान, उपेक्षित-4
28. पिता की बहन-2
29. सुखद वस्तु, इष्ट कृपा, नेमत-4
31. बलवान-3
32. प्रार्थना-3
34. तिल, मस्सा-2
36. 52 पत्तों का खेल, प्लेइंग कार्ड-2

शब्द पहेली -2568 का हल

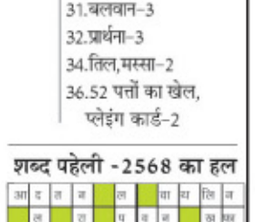

क्या 'बिग बॉस 18' में शामिल होंगी

सोमी अली

सलमान खान की एक्स-गर्लफ्रेंड ने खुद सच्चाई बता दी

'बिग बॉस ओटीटी 3' के खत्म होने के बाद अब जल्द ही टीवी पर सबसे बड़े कंट्रोवर्शियल रिएलिटी शो कहे जाने वाले 'बिग बॉस' के 18वें सीजन की शुरुआत होने वाली है. रिपोर्ट्स के मुताबिक ये शो अक्टूबर से कलर्स पर शुरू होगा. इसका हर सीजन किसी न किसी कंटेस्टेंट्स की वजह से सुर्खियों में बना रहता है. बीते कुछ समय से कई सितारों के नाम सुर्खियों में हैं, जिनको लेकर कहा जा रहा है कि वो इस शो का हिस्सा हो सकते हैं. इस लिस्ट में सलमान खान की एक्स गर्लफ्रेंड सोमी अली का भी नाम चर्चा में हैपिछले कुछ दिनों से ऐसी चर्चा चल रही है कि एक्ट्रेस 'बिग बॉस 18' में पार्टिसिपेट करने वाली हैं. कहा जा रहा था कि मेकर्स ने उन्हें इस शो के लिए अप्रोच किया है. अब इसपर खुद सोमी का रिएक्शन सामने आया है. उन्होंने शो में शामिल होने की खबरों को अफवाह बताया है और कहा कि ये शो की रेटिंग बढ़ाने की एक स्ट्रेटजी है.

सोमी अली ने बिग बॉस 18 में आने से किया इनकार

सोमी अली ने आईएएनएस से बातचीत में कहा,मैं ऐसे शो का हिस्सा नहीं बन सकती, जिसका ड्यूरेशन काफी लंबे वक्त हो. मैं इस शो की इज्जत करती हूं, लेकिन मैंने इसका एक भी एपिसोड नहीं देखा है. मुझे नहीं पता कि इसमें क्या होता है.

सोमी ने बिग बॉस को लेकर कही ये बात

सोमी अली ने आगे कहा, मैंने सुना है कि ये पूरा शो स्क्रिप्टेड होता है. मैं ऐसे शो का हिस्सा होना पसंद करूंगी, जो स्क्रिप्टेड न हो. इसलिए अगर वो मुझे इसके लिए बुलाते भी हैं तब भी मैं इसमें पार्टिसिपेट करना पसंद नहीं करूंगी. मुझे लगता है कि ये अफवाहें शो की रेटिंग बढ़ाने की स्ट्रेटजी है, जो नेटवर्क अक्सर करते ही हैं. मेरा किसी भी स्क्रिप्टेड रिएलिटी शो में भाग लेने का कोई इरादा नहीं है.सोमी ने कहा, मुझसे ये कहा गया कि मैं एक एक्टर के साथ रिलेशनशिप में होने का दिखावा करूं. ऐसा 90 के दशक में फिल्म की रिलीज से पहले करने को कहा जाता था, इसलिए मेरे लिए ये बिल्कुल सरप्राइजिंग नहीं है.

6-7 साल चला था सलमान-सोमी का रिश्ता

सलमान और सोमी अली एक जमाने में एक दूसरे को डेट कर चुके हैं. ऐसा कहा जाता है कि दोनों का रिश्ता 6-7 साल तक चला था. हालांकि, सलमान की जिंदगी में ऐश्वर्या राय की एंट्री के बाद दोनों अलग हो गए थे. सोमी अली ने अपने छोटे से हिंदी फिल्मी करियर में करीब 10 फिल्मों में काम किया है. इन सभी फिल्मों में उन्हें लीड रोल में देखा गया था, लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा कमाल नहीं दिखा सकी.

बिग बॉस 18 कंटेस्टेंट्स लिस्ट

अभी 'बिग बॉस 18' में शामिल होने वाले कंटेस्टेंट्स की तो कोई भी ऑफिशियल लिस्ट नहीं आई है, लेकिन अफवाहों का बाजार लगातार गर्म है. जिन नामों को लेकर चर्चा है वो हैं- करण पटेल, समीरा रेड्डी, सुरभि ज्योति, पूजा शर्मा, शोएब-इब्राहिम, दलजीत कौर, अभिषेक मल्हान, मिस्टर फैसू, दीपिका आर्या, डॉली चायवाला, मैक्सटर्न, ठगेश, कशिश कपूर, दिग्विजय सिंह राठी और सिवेट तोमर. रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स 'बिग बॉस ओटीटी 3' की कंटेस्टेंट शिवानी कुमारी, विशाल पांडे और अदनान शेख को भी 'बिग बॉस 18' में ला सकते हैं.

बाहर हो गया अनुपमा का 'बेटा', कपिल की ऑनस्क्रीन 'बीवी' से मिली हार

रोहित शेट्टी के 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 से अनुपमा के बेटे का किरदार निभाने वाले आशीष मेहरोत्रा बाहर हो गए हैं. दरअसल कलर्स टीवी के इस एडवेंचर रियलिटी शो में शामिल होने के लिए आशीष ने टीवी के नंबर वन शो को अलविदा कह दिया था. लेकिन जिस शो के लिए उन्होंने रुपाली गांगुली के सीरियल को अलविदा कह दिया उस शो में भी वो खास कमाल नहीं दिखा पाए और मंजिल तक पहुंचने से पहले ही रोहित शेट्टी ने उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया.एलिमिनेशन स्टंट में आशीष का मुकाबला बिग बॉस 17 वाले शालीन भनोट और कपिल शर्मा शो में कॉमेडियन की ऑनस्क्रीन बीवी का किरदार निभाने वाली सुमोना चक्रवर्ती के साथ था. इस स्टंट से पहले दो बार उन्हें रोहित शेट्टी की तरफ से खुद को सुरक्षित करने का मौका दिया गया था. लेकिन दोनों बार आशीष अपना कमाल नहीं दिखा पाए. सबसे पहले हुए अंडरवाटर स्टंट में गश्मीर महाजनी, सुमोना चक्रवर्ती और कृष्णा श्रॉफ ने भी आशीष के साथ ये स्टंट परफॉर्म किया. ये पूरा टास्क गश्मीर जीत गए और रोहित शेट्टी की तरफ से कृष्णा, आशीष और सुमोना को खुद को साबित करने का एक और मौका दिया गया.

कृष्णा भी हुईं सुरक्षित

अंडरवाटर स्टंट के बाद सुमोना, आशीष और कृष्णा को दो घोड़ों के पैरों में रस्सी से बांधा गया और उनके साथ में हॉकी की स्टिक थमा दी गई. जब घोड़े उन्हें जमीन से घसीटने वाले थे तब लेटे हुए उन्हें हॉकी स्टिक से फील्ड पर लगे बैरियर हटाने थे और इस स्टंट में कृष्णा ने 5 बैरियर हटाते हुए खुद को सुरक्षित कर दिया. कृष्णा के सुरक्षित होने की वजह से सुमोना और आशीष को एलिमिनेशन स्टंट के लिए भेजा गया. इस स्टंट में शालीन भी उनके साथ जुड़ गए, क्योंकि शालीन को रोहित शेट्टी ने सीधे एलिमिनेशन स्टंट में भेज दिया था.

जानें कैसे बाहर हुए आशीष

एलिमिनेशन स्टंट में शामिल 3 कंटेस्टेंट को एक कैबिनेट में रखे सांप और खतरनाक इगुआना (गिरगिट) के गले में लटकाई हुई चाबियों को निकालना था और उन्हें इस चाबियों का इस्तेमाल करते हुए कैबिनेट का लॉक खोलकर दूसरी कैबिनेट में जाना था, जहां फिर एक बार उन्हें चाबियां निकालनी थीं. लेकिन दूसरी कैबिनेट में ये चाबियां करेंट से बंधी हुई थीं.

अक्षय कुमार से पवन कल्याण तक, इन एक्टर्स ने कृष्ण बनकर ऑडियंस का मन मोह लिया

एक्टर का कोई धर्म नहीं होता, वो सिर्फ एक कलाकार होता है. फिल्मी पर्दे पर वो हर किरदार को बखूबी निभाता है. ऐसे ही कई एक्टर हैं, जिन्होंने फिल्मों और टीवी सीरियल्स में श्रीकृष्ण की भूमिका अदा की. कृष्ण पर अब तक कई फिल्में और टीवी सीरियल्स बन चुके हैं. इनमें कई ऐसे एक्टर्स हैं जिन्होंने श्री कृष्ण का रोल निभाकर जमकर वाहवाही लूटी. जन्माष्टमी के मौके पर आइए नजर डालते हैं उन एक्टर पर जो फिल्मों में श्रीकृष्ण के किरदार में दिखाई दिए.

नीतीश भारद्वाज

कृष्ण का नाम आते ही सबसे पहली जो छवि जहन में आती है वो महाभारत के कृष्ण की है. इस किरदार को एक्टर नितीश भारद्वाज ने इस तरह से निभाया था कि वो हर दिल अजीज बन गए. साल 1988 में दूरदर्शन के पॉपुलर शो 'महाभारत' में कृष्ण बने नितीश घर-घर पहचाने जाने लगे. उनके चेहरे की मुस्कान और सौम्यता ने इस किरदार को बेहद खूबसूरत तरीके से पेश किया. आज भी लोग इस रोल के लिए नीतीश भारद्वाज को याद करते हैं.

अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार एक्शन और रोमांटिक फिल्मों के लिए जाने जाते हैं. वो भी श्रीकृष्ण का किरदार निभा चुके हैं. हालांकि ये किरदार थोड़ा मॉर्डन था. उन्होंने फिल्म 'ओह माय गॉड' में मॉर्डन श्री कृष्ण का रोल प्ले किया था. ये फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई थी. अक्षय ने माधव का किरदार निभाकर खूब तारीफ बटोरी थी.

पवन कल्याण

साउथ फिल्मों के सुपरस्टार पवन कल्याण ने भी फिल्मों में श्रीकृष्ण का रोल प्ले किया. उन्होंने अक्षय कुमार की फिल्म 'ओह माय गॉड' के तेलुगु वर्जन गोपाला गोपाला में कृष्ण का किरदार निभाया था.

खलील और जैमिनी गणेशन

साइलेंट फिल्मों के जमाने में सुपरस्टार माने जाने वाले एक्टर खलील ने अपने करियर में कई बार कृष्ण और राम का रोल प्ले किया. मुस्लिम होने के बावजूद खलील भगवान राम बने. तो वहीं फिल्म कृष्ण सुदामा में उन्होंने कृष्ण की भूमिका अदा की. तमिल फिल्म के मशहूर एक्टर जैमिनी गणेशन भी फिल्मी पर्दे पर भगवान कृष्ण के रोल में नजर आए. जैमिनी ने 1948 में आई फिल्म चक्रधारी में श्रीकृष्ण का किरदार निभाया था. उनके रोल को ऑडियंस ने काफी पसंद किया था.

आमिर खान

ने फ्लॉप फिल्मों पर स्वीकारी अपनी गलती, बोले: मैंने अच्छी एक्टिंग नहीं की

'दिल है कि मानता' का रघु जेटली हो, या 'रंगीला' का मुन्ना या फिर 'थ्री इडियट्स' का रैंचो, नाम और किरदार भले ही अलग हो लेकिन इसे निभाने वाला सिर्फ और सिर्फ एक है आमिर खान. एक ऐसा एक्टर जिसने अपनी शानदार एक्टिंग से ऑडियंस के दिलों में अपनी एक अलग पहचान बनाई. आमिर खान बॉलीवुड के वर्सेटाइल एक्टर हैं. 1988 में फिल्म कयामत से कयामत तक से डेब्यू करने वाले आमिर खान ने अपने अब तक के करियर में एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्मों में काम किया है.आमिर की शानदार एक्टिंग की वजह से ही उन्हें बॉलीवुड का मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है. आमिर ने हाल ही में रिया चक्रवर्ती के पॉडकास्ट चैप्टर 2 में शिरकत की. इस दौरान उन्होंने दिल खोलकर बात की. फिर चाहे वो उनकी पर्सनल लाइफ हो या प्रोफेशनल लाइफ. एक्टर ने हर मुद्दे पर अपना प्वाइंट ऑफ व्यू रखा. पिछले कुछ सालों से आमिर की फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फेल रही हैं, जिससे उनके फैन्स काफी निराश हुए.

उम्मीद पर खरी नहीं उतरी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा'

आमिर खान, करीना कपूर खान और मोना सिंह स्टारर फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' आमिर की मोस्ट अवेटेड फिल्म थी. साल 2002 में रिलीज हुई ये फिल्म अमेरिकी फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' का हिंदी रीमेक थी. इस फिल्म के लिए आमिर ने अपने लुक के लिए जी तोड़ मेहनत की लेकिन ऑडियंस की उम्मीदों पर ये फिल्म खरी नहीं उतरी. रिया से बातचीत के दौरान एक्टर ने कहा कि इस फिल्म का अनसक्सेफुल होना उनके लिए भावनात्मक रूप से एक बड़ा झटका था.